जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

चूरू

Rashtradoot

फोनः- 256906, 256907, फैक्सः- 01562-256908 वर्षः 18 संख्याः 163 प्रभात चूरू, शुक्रवार 9 अक्टूबर, 2026 पो. रजि. न. चूरू/084/2019-21 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

राहुल ने वेणुगोपाल से उन सांसदों की लिस्ट मांगी, जो प्रदर्शन स्थल पर मौजूद नहीं थे

पार्टी के इन अनुपस्थित सांसदों से पत्र लिखकर गंभीरता से उनकी गैर मौजूदगी का कारण पूछा जा रहा है

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर। राहुल गांधी आज लगातार तीसरे दिन दिल्ली की सड़कों पर अपनी बहन प्रियंका गांधी के साथ प्रदर्शन करते रहे और यह सुनिश्चित किया कि ज्ञानेश कुमार के खिलाफ संदेश जोरदार तरीके से लोगों तक पहुंचे। इसी दौरान दिल्ली पुलिस ने उन्हें आज फिर से हिरासत में ले लिया।

राहुल गांधी ने इस विरोध प्रदर्शन को बहुत गंभीरता से लिया है।

उन्होंने केसी वेणुगोपाल से उन सभी कांग्रेस सांसदों की सूची मांगी है, जो प्रदर्शन स्थलों पर मौजूद नहीं थे। साथ ही, उन्होंने उनके न आने की वजह भी पूछी है।

- राहुल गांधी का मानना है कि जब कांग्रेस, पूरे विपक्ष को मिलजुल कर एक साथ लाना चाह रही है तो किसी भी कांग्रेस के सांसद का कोई बहाना चलने वाला नहीं है, वे सरकार की व चुनाव आयुक्त की ''वोट चोरी'' के प्रयास को उजाकर करने में किसी प्रकार की बहानेबाजी न करें।
- पर, दिक्कत यह है कि हालांकि, राहुल गांधी ज्ञानेश कुमार के खिलाफ धरना-प्रदर्शन को अंतिम परिणाम तक ले जाना चाहते हैं, लेकिन, इण्डिया ब्लॉक के अन्य घटकों की इस मुद्दे पर विशेष रूचि नहीं है, क्योंकि, इन पार्टियों का मानना है कि इस मुहिम से उनको इतना लाभ नहीं, जितना कांग्रेस पार्टी को है।

अगर किसी सांसद के पास प्रदर्शन में शामिल नहीं होने का कोई बहुत जरूरी और उचित कारण नहीं था, तो राहुल गांधी चाहते हैं कि ऐसे अनुपस्थित सांसदों को पत्र भेजकर उनसे जवाब मांगा जाए कि वे प्रदर्शन में क्यों मौजूद नहीं थे।

राहुल गांधी का कहना है कि जब कांग्रेस पूरे विपक्ष को एकजुट करने की कोशिश कर रही है, तो कांग्रेस सांसदों का विरोध-प्रदर्शन में शामिल न होने का कोई बहाना नहीं हो सकता।

राहुल गांधी ज्ञानेश कुमार के खिलाफ इस आंदोलन को और आगे बढ़ाना चाहते हैं, लेकिन सच्चाई यह है कि विपक्षी गठबंधन में शामिल दलों को लगता है कि इस पूरे आंदोलन का फायदा और चर्चा गांधी परिवार को ज्यादा मिल रही है, जबकि विपक्षी सहयोगी दलों को उतना महत्व नहीं मिल रहा।

भारी मुनाफे के नाम पर 1.61 करोड़ रु. के जवाहरात की ठगी करने वाला गिरफ्तार

जयपुर, 8 अक्टूबर। आदर्श नगर थाना पुलिस ने कीमती जवाहरात खरीदकर ठगी करने के मामले में आरोपी अलजेब खान (24) निवासी रामगंज जयपुर को गिरफ्तार किया है। आरोपी, व्यापारियों को विदेश में कारोबार और बड़ा मुनाफा होने का झांसा देकर महंगे जवाहरात खरीदता था। बाद में उन्हें बाजार में कम कीमत पर बेचकर प्राप्त राशि का इस्तेमाल महंगी पार्टियों, अय्याशी और विदेश यात्राओं में करता था।

- अलजेब खान ने व्यापारी शुजात अंसारी से 1.61 करोड़ रुपये के कीमती पत्थर खरीदे और ठगी कर फरार हो गया।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व रंजीता शर्मा ने बताया कि आरोपी अच्छे परिवार से ताल्लुक रखता है। वह शुरुआत में व्यापारियों के साथ छोटे स्तर पर अच्छा कारोबार कर उनका विश्वास जीतता

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'पुरानी भारतीय कम्पनियाँ मुझे भारत में काम करने से रोक रही हैं'

एलन मस्क का आरोप है कि भारत में काम करने के लिए उनकी कंपनी ने पूरा आधारभूत ढांचा खड़ा कर लिया है, पर, इस लाइन की पुरानी भारतीय कंपनियाँ उनको काम करने की इजाज़त लेने में भारी रूकावटें डाल रही हैं

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर। एलन मस्क ने ''एक्स'' पर आरोप लगाया है कि ''कुछ ताकतवर लोग'' (ओलिगार्क्स) भारत में स्टारलिंक के लॉन्च को रोक रहे हैं, ताकि वे अपना ''एकाधिकार बनाए रख सकें। उन्होंने इसे ''भारत के लोगों के खिलाफ अपराध'' बताया। यह आरोप स्पेस एक्स के एक अधिकारी के यह कहने के बाद लगाया गया कि स्टारलिंक ने इन्फ्रास्ट्रक्चर तैयार कर लिया है और वह लॉन्च के लिए तैयार है। मस्क का आरोप बिना किसी का नाम लिए भारत की प्रमुख दूरसंचार कंपनियों की ओर इशारा करता है।

- ये पुरानी कंपनियाँ, इस क्षेत्र में एकाधिकार को बनाए रखना चाहती हैं, चाहे उनकी इस हरकत से देश को जो भी नुकसान हो तो हो।
- दूरसंचार मंत्रालय ने मस्क के आरोपों को बेबुनियाद बताया और कहा कि किसी भी विदेशी कंपनी को इस क्षेत्र में काम करने की इजाज़त देने में देश की सुरक्षा के कई मुद्दे जुड़े हैं।
- अभी तक कोई भी विदेशी कंपनी इन सुरक्षा के मुद्दे पर भारत सरकार को संतुष्ट नहीं कर पाई है, अतः उन्हें देश में काम करने की इजाज़त नहीं मिली है।

संचार मंत्रालय ने इस दावे को ''बेबुनियाद और गलतफहमी पर आधारित'' बताते हुए खारिज कर दिया। मंत्रालय ने कहा कि सभी दूरसंचार सेवाओं, जिनमें सैटेलाइट संचार भी शामिल है, के लिए निष्पक्ष और बिना भेदभाव वाला ऑथराइज़ेशन फ्रेमवर्क लागू होता है।

तीन कंपनियों के पास ग्लोबल मोबाइल पर्सनल कम्युनिकेशन बाय सैटेलाइट (जीएमपीसीएस)

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

फिल्म अभिनेता नाना पाटेकर की मृत्यु

बुधवार को रात को ढाई बजे उनकी तबियत खराब हुई तथा उन्होंने अपने मित्र को बुलाने व सूचित करने का प्रयास किया था

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर। जाने-माने एक्टर और फिल्ममेकर नाना पाटेकर का गुरुवार सुबह गोवा स्थित उनके घर पर कार्डियक अरेस्ट (दिल का दौरा पड़ने) से निधन हो गया। वे 75 साल के थे।

गोवा के मणिपाल अस्पताल में ऑंकोलॉजी के प्रमुख डॉ. सालकर के अनुसार, नाना पाटेकर ने सुबह करीब 2:30 बजे अपने दोस्त को मैसेज किया था कि उनकी तबीयत ठीक नहीं है। देर रात होने के कारण दोस्त मैसेज नहीं देख पाए, जब तक कि पाटेकर ने उन्हें फोन नहीं किया।

डॉ. सालकर ने कहा, ''करीब 2:30 बजे उन्होंने अपने दोस्त को मैसेज भेजा कि उनकी तबीयत ठीक नहीं है। लेकिन रात का समय होने के कारण दोस्त मैसेज नहीं देख पाए। फिर उन्होंने उन्हें फोन किया। वे (दोस्त) सुबह करीब 4 बजे उनके घर पहुंचे।'' ''तब उन्हें (पाटेकर को) पसीना आ रहा था... और वे होश खो रहे थे।''

डॉक्टर ने बताया कि पाटेकर मणिपाल अस्पताल के पास ही रहते थे। उनके केयरटेकर को एम्बुलेंस लाने के लिए अस्पताल भेजा गया। वे हमारी एम्बुलेंस लेकर आए और हमारी इमरजेंसी रूम टीम ने तुरंत कार्रवाई की। उन्होंने कार्डियक मसाज शुरू की, क्योंकि पाटेकर कोई प्रतिक्रिया नहीं दे रहे थे। पाटेकर को सुबह करीब 4:20-4:30 बजे हमारे अस्पताल लाया गया। हमने पूरी कोशिश की, लेकिन उन्हें मृत अवस्था में ही लाया गया था।

- पर, जब तक एम्बुलेंस आई और अस्पताल पहुँचे, बहुत देर हो चुकी थी तथा उन्हें बचाने के प्रयास विफल ही रहे।

डॉक्टर ने बताया कि सुबह करीब 5:30 बजे पाटेकर को मृत घोषित कर दिया गया।

चूंकि यह एक मेडिको-लीगल केस था, इसलिए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई। अब शव को पोस्टमार्टम के लिए गोवा मेडिकल कॉलेज ले जाया गया है।

नाना पाटेकर का शुक्रवार को पुणे में पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया जाएगा। राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, केन्द्रीय गृहमंत्री सहित, तमाम नेताओं और फिल्म जगत की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नाहरगढ़ अभ्यारण्य का वनपाल व वनरक्षक रिश्वत लेते गिरफ्तार

जयपुर, 8 अक्टूबर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की स्पेशल यूनिट-द्वितीय जयपुर ने गुरुवार को कार्रवाई करते हुए, नाहरगढ़ अभयारण्य की काला महादेव चौकी पर तैनात वनपाल और वनरक्षक को 50 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया। आरोपी वनपाल श्याम सिंह को 20 हजार रुपए तथा वनरक्षक शिवकिशोर को 30 हजार रुपए रिश्वत लेते पकड़ा गया।

- शूटिंग की सिक्योरिटी राशि वापस करने की एवज में 50 हजार की रिश्वत ले रहे थे।

एसीबी पुलिस महानिदेशक गोविन्द गुप्ता ने बताया कि परिवादी ने शिकायत दी थी कि उसने आमेर के मावठा में शूटिंग का कार्य किया था। इस कार्य से संबंधित सिक्योरिटी राशि वापस दिलाने की एवज में काला महादेव चौकी, नाहरगढ़ अभयारण्य में पदस्थ पुलिसकर्मी श्याम सिंह और शिवकिशोर रिश्वत की मांग कर रहे थे। शिकायत के अनुसार, श्याम सिंह पहले ही परिवादी से 15 हजार रुपए रिश्वत

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

गुरुग्राम का स्पोर्ट्स स्टेडियम ''गैराज'' कैसे बन गया?

इस स्टेडियम में ट्रेनिंग कर रहे कोच व खिलाड़ी महीने में दो-चार दिन अन्यत्र कोचिंग के लिए स्थान ढूंढते नज़र आते ही हैं

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर। गुरुग्राम के ताऊ देवी लाल स्टेडियम में अभ्यास कर रहे एथलीट्स चार दिनों तक स्टेडियम की सुविधा का इस्तेमाल नहीं कर पाए, क्योंकि हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को ले जाने वाला हेलिकॉप्टर स्टेडियम के मैदान में पार्क किया हुआ था।

सैनी तीन दिन के सिंगापुर दौरे पर गए थे और गुरुग्राम लौटने के बाद, उन्हें हेलिकॉप्टर से चंडीगढ़ जाना था। गुरुग्राम में फिलहाल राज्य सरकार या नागरिक उड्डयन मंत्रालय का कोई हेलिपैड नहीं है, जबकि हेलिकॉप्टर को नई दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पार्क करने में अतिरिक्त खर्च आता।

इस घटना के बाद खिलाड़ियों और कोचों ने खेल सुविधा का इस्तेमाल वीआईपी हेलिकॉप्टरों के लिए किए जाने पर चिंता जताई है। ''टाइम्स ऑफ इंडिया'' ने खिलाड़ियों के हवाले से बताया कि ऐसा पहली बार नहीं हुआ है। उनके अनुसार, लगभग हर महीने एक-दो दिन के लिए स्टेडियम में हेलिकॉप्टर खड़ा किया जाता है।

- जब भी हरियाणा के मु.मंत्री दो-चार दिन की विदेश यात्रा पर जाते हैं, उनका हैलिकॉप्टर गुरुग्राम के स्टेडियम पर पार्क रहता है।
- कारण शायद यह है कि अभी तक हरियाणा सरकार का हैलिकॉप्टर पार्क करने के लिए कोई स्थान आरक्षित या विकसित नहीं है।
- तथा हैलिकॉप्टर को पालम के हवाई अड्डे पर पार्क करना काफी महंगा सौदा है, राज्य सरकार के लिए। अतः सबकी सहूलियत इसी में मानी गई कि कुछ दिन खिलाड़ी व एथलीट अन्यत्र ट्रेनिंग कर लें तथा हैलिकॉप्टर को स्टेडियम में सुरक्षित रखा जाए।

सैनी के मीडिया सलाहकार ने टाइम्स ऑफ इण्डिया को बताया कि हेलिकॉप्टर, मशीन में खराबी आ जाने के कारण स्टेडियम में रुका था और उसे स्टैण्डबाय के तौर पर वहाँ नहीं रखा गया था।

तथापि, स्थानीय खिलाड़ियों और कोचों ने ''इंडिया टुडे डॉट इन'' को बताया कि हेलिकॉप्टरों के लिए स्टेडियम का इस्तेमाल नियमित रूप से होता है। उन्होंने कहा कि ऐसी हेलिकॉप्टर गतिविधियों के कारण स्टेडियम हर महीने करीब दो दिनों तक खिलाड़ियों के लिए बंद रहता है।

इन अलग-अलग दावों से यह सवाल उठता है कि वीआईपी हेलिकॉप्टरों के लिए स्टेडियम का इस्तेमाल कितनी बार किया जाता है और वहां ट्रेनिंग करने वाले एथलीटों पर इसका कितना असर पड़ता है।

इस सुविधा का इस्तेमाल ऐसे राज्य में खासतौर पर ध्यान देने लायक है, जहाँ खेलों की उल्लेखनीय परंपरा है और बड़े अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में भारत के पदक जीतने में राज्य का महत्वपूर्ण योगदान रहता है। 2026 के एशियाई खेलों में भारत ने कुल 85 पदक जीते, जिनमें से 32 पदक हरियाणा के खिलाड़ियों ने जीते। इनमें 14 स्वर्ण, नौ रजत और नौ कांस्य पदक शामिल थे। खेलों से पदक लेकर लौटे 207 भारतीय खिलाड़ियों में से 45 हरियाणा के थे।

गुरुग्राम की यह घटना ऐसा पहला अवसर नहीं है, जब अधिकारियों की गतिविधियों या अन्य गैर-खेल आयोजनों के कारण खेल सुविधाओं तक देश के खिलाड़ियों की पहुंच प्रभावित हुई हो। सन् 2022 में दिल्ली के त्यागराज स्टेडियम के खिलाड़ियों और कोचों ने आरोप लगाया था कि उन्हें अपना अभ्यास समय से पहले खत्म करने के लिए कहा गया था, ताकि दिल्ली के तत्कालीन प्रधान सचिव (राजस्व) संजीव खिरवार वहां अपने कुत्ते को घुमा सकें।

खिरवार ने इस बात से इनकार किया था कि उन्होंने इस कारण से खिलाड़ियों को स्टेडियम छोड़ने के लिए कहा था। वहीं, स्टेडियम के प्रशासक ने कहा था कि आधिकारिक ट्रेनिंग का समय शाम 7 बजे तक था। इस विवाद के बाद, खिरवार का तबादला लद्दाख और उनकी पत्नी तथा आईएएस

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जेडीए आयुक्त और उपायुक्त के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी

जयपुर, 8 अक्टूबर। जिला उपभोक्ता आयोग क्रम-2 ने भूमि आवंटन से जुड़े मामले में जेडीए आयुक्त सिद्धार्थ महाजन और जेडीए के जोन-9 के उपायुक्त सूर्यकांत शर्मा के गिरफ्तारी वारंट जारी किए हैं। आयोग ने पुलिस कमिश्नर को कहा है कि दोनों

- जिला उपभोक्ता आयोग ने पुलिस कमिश्नर को दोनों अधिकारियों को गिरफ्तार कर 12 अक्टूबर को पेश करने के निर्देश दिये।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'चुनाव आयोग, न्यायपालिका तथा अन्य संवैधानिक संगठनों को बार-बार चोर व भ्रष्ट कहना व मानना खतरे से खाली नहीं'

42 पूर्व न्यायाधीशों ने खुला खत लिखकर इस प्रवृत्ति पर भारी चिन्ता व्यक्त की

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विपक्ष के बढ़ते विरोध के बीच, 42 पूर्व न्यायाधीशों ने एक कड़ा खुला पत्र जारी किया है। इसमें उन्होंने चुनाव आयोग, न्यायपालिका और अन्य संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर करने के लिए चलाए जा रहे अभियान पर गंभीर चिंता जताई है।

पूर्व न्यायाधीशों ने बिना किसी ठोस सबूत के लगाए जा रहे ''वोट चोरी'' के आरोपों पर सवाल उठाया। उन्होंने चेतावनी दी कि संवैधानिक संस्थाओं को बार-बार ''चोर'' और ''समझौता करने वाला'' बताने से लोकतांत्रिक संस्थाओं पर जनता का भरोसा कमजोर हो सकता है।

पूर्व न्यायाधीशों ने पत्र में लिखा, हमारी चिंता गंभीर है। भारत की संवैधानिक संस्थाएं लगातार हमलों का सामना कर रही हैं। भारत का चुनाव आयोग इस हमले के केन्द्र में है। यहां तक कि जिस उच्च न्यायपालिका का हम बहुत सम्मान करते हैं, उसे और वैधानिक एजेंसियों को भी नहीं बख्शा गया है।

- इन पूर्व न्यायाधीशों के अनुसार, अब तक, जो भी आरोप लगाये गए हैं, उनके बारे में किसी भी न्यायालय में आरोप सही सिद्ध नहीं हुए हैं।
- पर, इन अफसरों व सरकारी अधिकारियों का बार-बार यह कहना, कि सरकार बदलेगी और तब उनकी खैर नहीं, यह अनुचित व गैर वाज़िब है।

पत्र में आगे कहा गया, ''संस्थाओं की आलोचना करना लोकतांत्रिक अधिकार है। लेकिन उन्हें नीचा दिखाना सही नहीं है।''

पूर्व न्यायाधीशों ने अपने खुले पत्र में कहा, अब सार्वजनिक मंचों से संवैधानिक अधिकारियों को ''चोर'', ''कठपुतली'' और ''समझौता करने वाला'' कहा जाता है। चुनाव कराने वाले अधिकारियों का नाम लेकर उन्हें बदनाम व शर्मिंदा किया जाता है और सत्ता बदलने पर कार्रवाई की खुली चेतावनी दी जाती है। उल्लेखनीय है कि किसी भी अदालत ने इन आरोपों को अब तक सही नहीं पाया है।''

पूर्व न्यायाधीशों ने मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (स्पेशल इन्टेन्सिव रिविजन-एसआईआर) का भी समर्थन किया। उन्होंने इसे कानून के तहत तय की गई प्रक्रिया बताया, जिसका उद्देश्य साफ और सही मतदाता सूचियां सुनिश्चित करना है। उन्होंने चेतावनी दी कि चुनावों की वैधता पर सवाल उठाने की कोशिशों से अशांति बढ़ सकती है

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जयपुर कलैक्टर दो साल से सूरज मैदान पर निर्णय क्यों नहीं ले रहे- हाईकोर्ट

जयपुर, 8 अक्टूबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने जयपुर कलेक्टर को 13 अक्टूबर को पेश होकर यह बताने को कहा है कि आदर्श नगर स्थित सूरज मैदान को आदर्श विद्या मंदिर प्रबंध समिति की ओर से किराए पर देने के

- आदर्श विद्या मंदिर प्रबंध समिति द्वारा बिना किसी अधिकार के सूरज मैदान किराये पर देने के मामले में 13 अक्टूबर को कलैक्टर से जवाब मांगा।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

योग्य पति अपनी पत्नी को सम्मान की अधिकारिणी बना देता है। –मनु

राजस्थान में कलाओं के विस्तार में ललित कला अकादमी की भूमिका

राजस्थान का नाम लेते ही आँखों के सामने रंगों, रेखाओं, आकृतियों और लोक-स्मृतियों से सजा हुआ एक विराट सांस्कृतिक संसार उभरता है। यहाँ की हवेलियों की भित्तिचित्रकारी, किशनगढ़ की बणी-ठणी, बूंदी और कोटा की चित्रशैली, मेवाड़ की लघुचित्र परंपरा, फड़ चित्रांकन, मांडणा, कठपुतली, लोकमूर्तियाँ, धातु-कला, मृण्मूर्ति और आधुनिक चित्रकला ये सभी राजस्थान की बहुरंगी कला-परंपरा के जीवंत प्रमाण हैं। इस समृद्ध विरासत को संरक्षित करने, कलाकारों को प्रोत्साहन देने तथा कला को समाज के व्यापक वर्ग तक पहुँचाने में राजस्थान ललित कला अकादमी की भूमिका अत्यंत महत्त्वपूर्ण रही है।

राजस्थान ललित कला अकादमी की स्थापना वर्ष 1957 में हुई। इसका उद्देश्य प्रदेश में ललित कलाओं का प्रचार-प्रसार करना, कलाकारों की रचनात्मक क्षमता को विकसित करना, कला-परंपराओं का संरक्षण करना और नए कलाकारों को उचित मंच उपलब्ध कराना है। अकादमी जयपुर स्थित अपने परिसर से चित्रकला, मूर्तिकला, ग्राफिक कला, छायाचित्रण, लोक एवं समकालीन कला जैसी विविध विधाओं को प्रोत्साहित करती है। यह संस्था कलाकार और समाज के बीच एक सृजनात्मक सेतु का कार्य करती है।

राजस्थान की कला-परंपरा का स्वरूप अत्यंत विस्तृत और विविधतापूर्ण है। मरुस्थलीय जीवन, लोकविश्वास, धार्मिक आख्यान, वीरगाथाएँ, प्रकृति, पशु-पक्षी, ग्रामीण जीवन और राजसी संस्कृति यहाँ की कला के प्रमुख विषय रहे हैं। विभिन्न क्षेत्रों की अपनी विशिष्ट चित्रशैलियाँ विकसित हुईं। मेवाड़ की चित्रकला में धार्मिकता और लोकजीवन की सहजता दिखाई देती है, जबकि बूंदी और कोटा की चित्रशैली में प्रकृति, शिकार और राजदरबार के दृश्य प्रमुख हैं। किशनगढ़ शैली अपनी कोमल भावाभिव्यक्ति और सौंदर्यबोध के लिए प्रसिद्ध है। शेखावाटी की हवेलियों के भित्तिचित्र सामाजिक इतिहास और लोक-संस्कृति के दस्तावेज हैं।

ऐसी समृद्ध परंपराओं को केवल संग्रहालयों तक सीमित रखना पर्याप्त नहीं है। उन्हें वर्तमान जीवन से जोड़ना भी आवश्यक है। राजस्थान ललित कला अकादमी इसी दिशा में कार्य करती है। अकादमी पारंपरिक कलाओं के साथ-साथ आधुनिक और प्रयोगधर्मी कला को भी मंच प्रदान करती है। इससे कलाकारों को अपनी जड़ों से जुड़े रहते हुए नए माध्यमों, नई तकनीकों और नए विचारों के साथ सृजन करने का अवसर मिलता है।

अकादमी की सबसे प्रमुख गतिविधियों में कला-प्रदर्शनियों का आयोजन शामिल है। वार्षिक कला प्रदर्शनी के माध्यम से प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत कलाकारों को अपनी कृतियाँ प्रदर्शित करने का अवसर मिलता है। इन प्रदर्शनियों में चित्रकला, मूर्तिकला, ग्राफिक कला और अन्य दृश्य कलाओं का समावेश होता है। अनुभवी निर्णायकों द्वारा कृतियों का चयन किया जाता है और श्रेष्ठ कलाकारों को पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं। इससे कलाकारों को पहचान, सम्मान और आर्थिक प्रोत्साहन प्राप्त होता है।

वार्षिक कला प्रदर्शनी केवल पुरस्कार देने का आयोजन नहीं होती, बल्कि यह प्रदेश के कला-परिदृश्य का वार्षिक मूल्यांकन भी प्रस्तुत करती है। इसमें यह देखा जा सकता है कि कलाकार किन विषयों पर काम कर रहे हैं, उनकी तकनीक में क्या परिवर्तन आ रहे हैं और समाज की बदलती परिस्थितियाँ कला में किस प्रकार अभिव्यक्त हो रही हैं। उदाहरण के लिए, हाल के आयोजनों में शहरी जीवन, पर्यावरण, स्त्री-अनुभव, लोकपरंपरा, बचपन, ग्रामीण जीवन और सामाजिक परिवर्तन जैसे विषयों को स्थान मिला है। इससे स्पष्ट होता है कि राजस्थान की कला परंपरा स्थिर नहीं, बल्कि निरंतर विकसित होने वाली जीवंत धारा है।

अकादमी का दूसरा महत्त्वपूर्ण योगदान युवा कलाकारों को प्रोत्साहन देना है। किसी भी कला-परंपरा की निरंतरता तभी बनी रह सकती है, जब नई पीढ़ी उससे जुड़े। अनेक युवा कलाकार प्रतिभाशाली होते हुए भी आर्थिक कठिनाइयों, उचित मार्गदर्शन और प्रदर्शन के अवसरों के अभाव में पीछे रह जाते हैं। अकादमी प्रदर्शनियों, प्रतियोगिताओं, कला शिविरों, कार्यशालाओं और पुरस्कारों के माध्यम से ऐसे कलाकारों को आगे बढ़ने का अवसर देती है।

युवा कलाकारों के लिए कला-शिविर विशेष रूप से उपयोगी होते हैं। शिविरों में विभिन्न क्षेत्रों से आए कलाकार एक-दूसरे की कार्यशैली को समझते हैं और अनुभवों का आदान-प्रदान करते हैं। वरिष्ठ कलाकारों के मार्गदर्शन से युवा कलाकारों को तकनीकी ज्ञान, विषय-विस्तार और प्रस्तुतीकरण की नई दृष्टि प्राप्त होती है। कला केवल एकांत में बैठकर चित्र बनाने की प्रक्रिया नहीं है; यह संवाद, प्रयोग और सामूहिक अनुभव से भी विकसित होती है। अकादमी के शिविर इस संवाद को संभव बनाते हैं।

अकादमी कला-व्याख्यानों, संगोष्ठियों और परिचर्चाओं के माध्यम से कला के सैद्धांतिक पक्ष को भी मजबूत करती है। कला इतिहास, आधुनिक कला, लोक कला, संरक्षण, संग्रहालय-विज्ञान, कला-बाजार और डिजिटल माध्यमों पर आयोजित कार्यक्रम कलाकारों, विद्यार्थियों और कला-प्रेमियों के लिए ज्ञानवर्धक होते हैं। इससे कला केवल प्रदर्शन की वस्तु न रहकर विचार और विमर्श का विषय बनती है।

राजस्थान की लोक और पारंपरिक कलाओं के संरक्षण में भी अकादमी की भूमिका महत्त्वपूर्ण है। मांडणा, फड़, लघुचित्र, भित्तिचित्र, लोकमूर्तिकला और पारंपरिक हस्तकला जैसी विधाएँ केवल सौंदर्य की अभिव्यक्ति नहीं हैं; उनमें समुदायों की स्मृतियाँ, धार्मिक आस्थाएँ, सामाजिक मान्यताएँ और जीवन-पद्धतियाँ भी सुरक्षित रहती हैं। आधुनिकता और बाज़ार के दबाव में अनेक पारंपरिक कलाएँ धीरे-धीरे कमजोर हो रही हैं। अकादमी इन कलाओं को प्रदर्शनियों और कार्यशालाओं के माध्यम से नए दर्शकों तक पहुँचाने का प्रयास करती है।

राजस्थान ललित कला अकादमी ने प्रदेश की कला-यात्रा में एक महत्त्वपूर्ण आधार तैयार किया है। उसने कलाकारों को मंच दिया, प्रदर्शनियों की परंपरा विकसित की, युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहित किया और कला को सार्वजनिक जीवन का हिस्सा बनाया। आज आवश्यकता है कि अकादमी अपने कार्यक्षेत्र को और व्यापक बनाए तथा कला को राजधानी से निकालकर प्रदेश के गाँवों, कस्बों और छोटे शहरों तक पहुँचाए।

लोक कला को समकालीन संदर्भों से जोड़ना भी आवश्यक है। यदि पारंपरिक कला केवल अतीत की वस्तु बनकर रह जाए, तो उसकी जीवंतता समाप्त हो सकती है। अकादमी की भूमिका इस बात में है कि पारंपरिक कलाकारों को नए विषयों, नए बाजारों और नए माध्यमों से जोड़ा जाए। पारंपरिक शैली में पर्यावरण, जल-संरक्षण, महिला सशक्तीकरण, ग्राम्य विकास और सामाजिक सद्भाव जैसे विषयों को चित्रित कराया जा सकता है। इससे लोक कला अपने मूल स्वरूप को बनाए रखते हुए वर्तमान समय से संवाद कर सकेगी।

अकादमी कलाकारों के सम्मान और प्रोत्साहन की परंपरा को भी आगे बढ़ाती है। पुरस्कार किसी कलाकार के लिए केवल आर्थिक सहायता नहीं होते, बल्कि वे उसकी साधना की सामाजिक स्वीकृति का प्रतीक होते हैं। एक कलाकार वर्षों तक अभ्यास, संघर्ष और आत्मानुशासन के बाद अपनी पहचान बनाता है। जब किसी संस्थागत मंच पर उसकी कृति को सम्मान मिलता है, तो उसका आत्मविश्वास बढ़ता है और वह अधिक गंभीरता से सृजन करता है। वरिष्ठ कलाकारों का सम्मान युवा पीढ़ी को यह संदेश देता है कि कला-साधना समाज में प्रतिष्ठित और महत्त्वपूर्ण कार्य है।

अकादमी कला-संग्रह और अभिलेखीकरण के क्षेत्र में भी उपयोगी भूमिका निभा सकती है। किसी भी प्रदेश की कला-धरोहर को सुरक्षित रखने के लिए कृतियों का संग्रह, कलाकारों का परिचय, कला-शैलियों का दस्तावेजीकरण और प्रदर्शनियों का अभिलेख आवश्यक है। राजस्थान के अनेक कलाकारों ने दशकों तक महत्वपूर्ण कार्य किया, लेकिन उनके जीवन और कृतियों का पर्याप्त दस्तावेजीकरण नहीं हो सका। अकादमी द्वारा कलाकारों की कृतियों का व्यवस्थित अभिलेख तैयार किया जाना चाहिए, ताकि आने वाली पीढ़ियाँ प्रदेश की कला-यात्रा को समझ सकें।

डिजिटल युग में अकादमी की भूमिका और भी व्यापक हो गई है। डिजिटल माध्यमों के कारण कला अब किसी एक शहर या प्रदेश तक सीमित नहीं रहती। ऑनलाइन प्रदर्शनी, डिजिटल संग्रहालय, कलाकारों की डिजिटल प्रोफाइल, आभासी दीर्घाएँ और सामाजिक माध्यमों पर कला-प्रस्तुति के माध्यम से राजस्थान के कलाकारों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय दर्शक मिल सकते हैं।

अकादमी को विद्यालयों और महाविद्यालयों के साथ भी सक्रिय संबंध स्थापित करने चाहिए। कला शिक्षा केवल चित्र बनाने की तकनीक सिखाने तक सीमित नहीं होनी चाहिए। इससे विद्यार्थियों में संवेदनशीलता, कल्पनाशक्ति, अवलोकन क्षमता और सौंदर्यबोध विकसित होता है। यदि अकादमी विद्यालयों में कला-शिविर, चित्रकला प्रतियोगिता, लोककला परिचय कार्यक्रम और कलाकारों से संवाद आयोजित करे, तो बड़ी संख्या में विद्यार्थी कला से जुड़ सकते हैं। ग्रामीण और छोटे शहरों के विद्यार्थियों तक पहुँचना इस प्रयास की विशेष प्राथमिकता होनी चाहिए।

कला के विस्तार में भौगोलिक विकेंद्रीकरण भी आवश्यक है। जयपुर राज्य का प्रमुख कला-केंद्र है, लेकिन कला केवल राजधानी तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। जोधपुर, उदयपुर, बीकानेर, कोटा, अजमेर, बूंदी, भरतपुर, अलवर, बांसवाड़ा, डूंगरपुर, जैसलमेर और श्रीगंगानगर जैसे शहरों में भी कला की समृद्ध परंपराएँ हैं। अकादमी को संभागीय और जिला स्तर पर नियमित प्रदर्शनियाँ, कार्यशालाएँ और कला संवाद आयोजित करने चाहिए। इससे छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों के कलाकारों को जयपुर तक आने की कठिनाई से मुक्ति मिलेगी।

राजस्थान में कला के विकास के लिए अन्य संस्थाओं के साथ समन्वय भी जरूरी है। जवाहर कला केंद्र, पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, भारतीय लोक कला मंडल, राजस्थान विश्वविद्यालय, कला महाविद्यालय, संग्रहालय, निजी कला दीर्घाएँ और स्वयंसेवी संस्थाएँ अपने-अपने स्तर पर कार्य कर रही हैं। यदि इन संस्थाओं के बीच साझा कार्यक्रम, संयुक्त प्रदर्शनियाँ, कलाकार विनिमय और शोध परियोजनाएँ संचालित हों, तो कला-जगत को व्यापक लाभ मिल सकता है। राष्ट्रीय ललित कला अकादमी के क्षेत्रीय केंद्रों के साथ सहयोग से राजस्थान के कलाकारों को देश के अन्य भागों में भी अवसर मिल सकते हैं। राष्ट्रीय स्तर पर ललित कला अकादमी प्रदर्शनियों, कार्यशालाओं, व्याख्यानों और कलाकार सहायता कार्यक्रमों के माध्यम से दृश्य कला को प्रोत्साहित कर सकती है।

अकादमी के सामने कुछ चुनौतियाँ हैं। कला-प्रदर्शनियों की संख्या बढ़ाना, पारदर्शी चयन प्रक्रिया बनाए रखना, कलाकारों को समय पर आर्थिक सहायता उपलब्ध कराना, ग्रामीण कलाकारों तक पहुँचना, कला-बाजार से जोड़ना और स्थायी कला-संग्रह विकसित करना समय की आवश्यकता है। अनेक कलाकार अपनी कृतियों का उचित मूल्य प्राप्त नहीं कर पाते। अकादमी को कला-विक्रय, कला-परामर्श और ऑनलाइन प्रदर्शनी के लिए भी व्यवस्था करनी चाहिए। इससे कलाकारों को आजीविका का सहारा मिलेगा और कला-सृजन अधिक व्यापक होगा।

महिला कलाकारों, दिव्यांग कलाकारों, आदिवासी समुदायों और वंचित वर्गों से आने वाले कलाकारों के लिए विशेष अवसर उपलब्ध कराना भी जरूरी है। राजस्थान के जनजातीय अंचलों में अनेक लोककलाएँ और शिल्प परंपराएँ आज भी जीवित हैं। इन कलाकारों की प्रतिभा को मुख्यधारा के कला-मंच से जोड़कर न केवल उन्हें सम्मान दिया जा सकता है, बल्कि प्रदेश की सांस्कृतिक विविधता को भी मजबूत किया जा सकता है।

राजस्थान ललित कला अकादमी ने प्रदेश की कला-यात्रा में एक महत्त्वपूर्ण आधार तैयार किया है। उसने कलाकारों को मंच दिया, प्रदर्शनियों की परंपरा विकसित की, युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहित किया और कला को सार्वजनिक जीवन का हिस्सा बनाया। आज आवश्यकता है कि अकादमी अपने कार्यक्षेत्र को और व्यापक बनाए तथा कला को राजधानी से निकालकर प्रदेश के गाँवों, कस्बों और छोटे शहरों तक पहुँचाए।

कला किसी समाज का मौन इतिहास होती है। वह उन अनुभवों को अभिव्यक्ति देती है जिन्हें शब्दों में कहना कठिन होता है। राजस्थान की कला में यहाँ की रेत, लोकजीवन, संघर्ष, आस्था, उत्सव और मानवीय संवेदना का गहरा रंग दिखाई देता है। ललित कला अकादमी इस रंग-संसार की संरक्षक ही नहीं, बल्कि उसकी नई दिशाओं की खोजी भी है। यदि अकादमी परंपरा और आधुनिकता, लोक और शास्त्र, गाँव और शहर तथा कलाकार और दर्शक के बीच सशक्त संवाद स्थापित करती रहे, तो राजस्थान की कला न केवल राष्ट्रीय स्तर पर बल्कि वैश्विक मंच पर भी अपनी विशिष्ट पहचान और प्रभाव बनाए रखेगी।

–अतिथि संपादक,
अविनाश जोशी,
वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार

मतदाता सूचियां, निर्वाचन आयोग और प्रमाण आधारित सार्वजनिक विमर्श : तथ्य, आरोप और कानून

सूर्यप्रताप सिंह राजावत

निर्वाचन आयोग के कामकाज से संबंधित प्रश्नों का परीक्षण संविधान, कानून, नियम, आधिकारिक अभिलेख, न्यायिक निर्णय और उपलब्ध प्रमाणों की कसौटी पर किया जाना चाहिए। मतदाता सूचियों, निर्वाचन आयुक्तों, मतदाता विवरणों और तकनीक को लेकर प्रश्न उठते हैं। इसलिए तथ्यों, लगाए गए आरोपों, कानूनी स्थिति और उपलब्ध प्रमाणों को स्पष्ट रूप से अलग-अलग समझना आवश्यक है।

तथ्य : मतदाता सूची की शुद्धता- मतदाता सूची की शुद्धता स्वयं एक वैधानिक आवश्यकता है। Representation of the People Act, 1950 में मतदाता के पंजीकरण, सामान्य निवास, एक से अधिक स्थानों पर पंजीकरण तथा त्रुटिपूर्ण या अपात्र प्रविष्टियों के सुधार और विलोपन से संबंधित व्यवस्था है। धारा 19 पंजीकरण का आधार प्रदान करती है। कानून एक व्यक्ति के एक से अधिक निर्वाचन क्षेत्रों में अथवा एक ही निर्वाचन क्षेत्र में एक से अधिक बार पंजीकरण को रोकता है। धारा 22 के अंतर्गत प्रविष्टि के संशोधन, स्थानांतरण या विलोपन से पहले उचित सत्यापन की आवश्यकता है। अत: अपात्र, मृत अथवा डुप्लीकेट प्रविष्टियों को हटाना वैधानिक व्यवस्था का हिस्सा है। साथ ही पात्र मतदाता का नाम गलत तरीके से न हटे, यह सुनिश्चित करना भी आवश्यक है।

आरोप या दावा : सॉफ्टवेयर का संभावित दुरुपयोग-सॉफ्टवेयर के संभावित दुरुपयोग का प्रश्न सार्वजनिक विमर्श में उठाया जाता है। तथ्य यह है कि निर्वाचन आयोग मतदाता सूची और निर्वाचन प्रशासन में तकनीक का उपयोग करता है। ERONET जैसी प्रणालियाँ निर्वाचन सूची प्रबंधन में उपयोग की जाती हैं। लेकिन यह अलग और अधिक गंभीर दावा है कि किसी सॉफ्टवेयर को किसी राजनीतिक दल या हित के पक्ष में जानबूझकर तैयार या संचालित किया गया। उपलब्ध सामग्री इस आरोप को स्थापित तथ्य के रूप में सिद्ध नहीं करती। ऐसे आरोप के लिए विशिष्ट तकनीकी या दस्तावेजी प्रमाण आवश्यक होंगे। इसलिए तकनीक की पारदर्शिता और ऑडिट-योग्यता पर प्रश्न उठाना तथा सॉफ्टवेयर को राजनीतिक रूप से पक्षपाती घोषित करना दो अलग बातें हैं।

तथ्य और कानूनी स्थिति : निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति- Anoop Baranwal v. Union of India (2023) में सर्वोच्च न्यायालय ने संसद द्वारा कानून बनाए जाने तक प्रधानमंत्री, लोकसभा में विपक्ष के नेता और भारत के मुख्य न्यायाधीश से संबंधित चयन व्यवस्था निर्धारित की थी। इसके पश्चात संसद ने Chief Election Commissioner and Other Election Commissioners (Appointment, Conditions of Service and Term of Office) Act, 2023 पारित किया। इसकी धारा 7 के अनुसार चयन समिति में प्रधानमंत्री, प्रधानमंत्री द्वारा नामित केंद्रीय मंत्रिमंडल का मंत्री तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता को रखा गया है। यह वैधानिक तथ्य है। इसके विपरीत, यह कहना कि इस परिवर्तन से निर्वाचन आयोग की स्वतंत्रता निश्चित रूप से कमजोर हुई है, एक अलग संवैधानिक दावा है। उसका मूल्यांकन कानून, संस्थागत संरचना, सुरक्षा उपायों और न्यायिक परीक्षण के आधार पर किया जाना चाहिए।

तथ्य और कानूनी स्थिति : निर्वाचन आयुक्तों का संरक्षण-2023 के अधिनियम की धारा 16 मुख्य निर्वाचन आयुक्त और अन्य निर्वाचन आयुक्तों को उनके आधिकारिक कार्यों के दौरान किए गए कुछ कार्यों, बातों या कृत्यों के संबंध में निर्धारित दीवानी अथवा आपराधिक कार्यवाही से वैधानिक संरक्षण प्रदान करती है। इसे संविधान प्रदत्त प्रत्यक्ष प्रतिरक्षा के बजाय वैधानिक संरक्षण कहना अधिक सटीक है। संरक्षण का अस्तित्व तथ्य है, जबकि उसकी वैधता और सीमा अलग कानूनी प्रश्न हैं। अनुच्छेद 324(5) मुख्य निर्वाचन आयुक्त को विशेष सुरक्षा प्रदान करता है, जबकि अन्य निर्वाचन आयुक्तों के संबंध में मुख्य निर्वाचन आयुक्त की अनुशंसा का महत्व है।

आरोप या दावा : नामों और वर्तनी के आधार पर बहिष्करण-वर्तनी के मिलान में प्रशासनिक कठिनाई दिखाई देती है। निर्वाचन आयोग के SIR 2026 सर्चपोर्टल पर उल्लेख है कि पुराने और वर्तमान मतदाता रिकॉर्ड में नामों की वर्तनी अलग हो सकती है। मतदाताओं को वैकल्पिक वर्तनी से खोज करने की सलाह दी गई है और "Maneesh" तथा "Manish" जैसे उदाहरण दिए गए हैं। नाम और अन्य विवरणों से भी खोज की सुविधा है। यह रिकॉर्ड के मिलान में वर्तनी और लिप्यंतरण की कठिनाई दर्शाता है। लेकिन इन अंतरों का जानबूझकर पात्र मतदाता को बाहर करने के लिए उपयोग किया गया, यह अलग आरोप है। ऐसे मामलों के लिए स्वतंत्र प्रमाण आवश्यक होंगे। केवल वर्तनी का अंतर जानबूझकर बहिष्करण का प्रमाण नहीं है।

तथ्य : प्रवास और सामान्य निवास-Representation of the People Act, 1950 की धारा 20(1A) स्पष्ट करती है कि सामान्य निवास स्थान से अस्थायी अनुपस्थिति मात्र व्यक्ति को सामान्य निवासी नहीं रहने वाला नहीं बनाती। इसलिए रोजगार, शिक्षा अथवा आजीविका के लिए बाहर रहने वाले व्यक्ति को केवल इस आधार पर मतदाता सूची से बाहर नहीं किया जा सकता कि वह अपने मूल स्थान पर उपस्थित नहीं है। निर्वाचन आयोग ने पंजीकरण, सुधार, निवास परिवर्तन, विलोपन पर आपत्ति और मतदाता सूची में नाम की जांच जैसी सुविधाएँ उपलब्ध कराई हैं। अत: सुधारात्मक व्यवस्था का अस्तित्व एक स्थापित तथ्य है।

आरोप या दावा : वृद्ध मतदाताओं और दस्तावेजी असंगतियों का प्रश्न- दस्तावेजी विवरणों में अंतर से मतदाता को कठिनाई की आशंका व्यक्त की जा सकती है। दस्तावेजी असंगतियों वाले नागरिकों की व्यावहारिक कठिनाइयों की जांच उचित है। लेकिन यह दावा कि वृद्ध मतदाताओं को व्यवस्थित रूप से केवल आयु के दस्तावेजी प्रमाण के कारण बाहर किया जा रहा है, उपलब्ध सामग्री से स्थापित तथ्य के रूप में नहीं कहा जा सकता। प्रशासनिक कठिनाई की संभावना और व्यवस्थित बहिष्करण के आरोप को अलग रखना आवश्यक है।

तथ्य : बिहार SIR पर सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय-बिहार की Special Intensive Revisions से संबंधित सर्वोच्च न्यायालय का 27 मई 2026 का निर्णय, Association for Democratic Reforms v. Election Commission of India, 2026, इस विमर्श में महत्वपूर्ण संदर्भ है। न्यायालय ने मतदाता सूचियों की शुद्धता से संबंधित प्रवास, मृत्यु की सूचना दर्ज न होने और डुप्लीकेट प्रविष्टियों जैसी समस्याओं पर विचार किया। मतदाता सूची की शुद्धता वास्तविक प्रशासनिक और संवैधानिक विषय है। लेकिन किसी समस्या पर न्यायिक विचार का अर्थ यह नहीं है कि निर्वाचन आयोग के विरुद्ध लगाए गए प्रत्येक आरोप स्वत: सिद्ध हो जाते हैं।

पैरा 55 में न्यायालय ने कहा कि SIR ve lees Representation of the People Act और 1960 के Rules से टकराती है और न स्वतंत्र एवं निष्पक्ष निर्वाचन की संवैधानिक अनिवार्यता से विचलित होती है। न्यायालय ने को R.P. Act की धारा 21(3) को संविधान के अनुच्छेद 324 के साथ पढ़े जाने पर प्राप्त वैधानिक एवं संवैधानिक अधिकार-क्षेत्र से उत्पन्न प्रक्रिया माना। यह न्यायिक निष्कर्ष के विधिक आधार से संबंधित है; इससे सॉफ्टवेयर के राजनीतिक दुरुपयोग या प्रत्येक हटाए गए नाम के अवैध होने जैसे अलग आरोप स्वत: सिद्ध नहीं होते।

निष्कर्ष : तथ्य, आरोप और प्रमाण-मतदाता सूची का पुनरीक्षण अपने आप में अवैध नहीं है; कानून इसकी अनुमति देता है। वास्तविक प्रश्न है कि प्रक्रिया कानून, सत्यापन और सुधार के अवसर के साथ कैसे लागू होती है। निर्वाचन आयोग से संबंधित प्रत्येक आरोप को संविधान, ँजिहूँदह दूप झदर्ज्ँ, 1950, ँ्रिंदह दंतिम्दे ँल्ते, 1960, लागू नियमों-विनियमों, निर्वाचन आयोग के निर्देशों तथा संबंधित वास्तविक प्रक्रिया के संदर्भ में जांचा जाना चाहिए।

संवैधानिक संस्थाओं की आलोचना आवश्यक है, लेकिन आलोचना और आरोप में अंतर बनाए रखना भी आवश्यक है। तथ्य को आरोप और आरोप को सिद्ध तथ्य बताना सार्वजनिक विमर्श को भ्रमित कर सकता है। इसलिए पहले कानून और नियमों को देखा जाए, फिर प्रक्रिया को समझा जाए, उसके बाद वास्तविक तथ्यों और उपलब्ध प्रमाणों का सत्यापन किया जाए और अंत में निष्कर्ष निकाला जाए। यही प्रमाण-आधारित संवैधानिक विमर्श की अपेक्षा है।

–सूर्यप्रताप सिंह राजावत,
एडवोकेट
राज. हाईकोर्ट, जयपुर

रावल लक्ष्मणसिंह के काल से जुड़ा बाबा रामदेव मंदिर और रामदेसर बेरी, सामने विराजित है डांगरा परिवार की कुलदेवी शेढल माता

अचलदास डांगरा

जैसलमेर दुर्ग केवल पीले पत्थरों से निर्मित एक ऐतिहासिक किला नहीं है, बल्कि इसकी प्रत्येक पोल, चौक, मंदिर, कुआं और हवेली अपने भीतर सदियों पुरानी आस्था, परंपरा और लोकजीवन की कहानी समेटे हुए है। दुर्ग के प्रवेश मार्ग पर स्थित अखेपोल चौक भी ऐसी ही ऐतिहासिक और धार्मिक स्मृतियों का साक्षी है, जहां लोकमान्यताओं के अनुसार रावल लक्ष्मणसिंह के काल से बाबा रामदेवजी की भक्ति, जलसेवा और कुलदेवी आराधना की परंपरा जुड़ी हुई है।

जैसलमेर दुर्ग के प्रथम प्रवेश द्वार के रूप में प्रसिद्ध अखेपोल को पार करते ही जिस चौक में प्रवेश होता है, वहां सबसे पहले दिखाई देने वाले प्राचीन धार्मिक स्थलों में बाबा रामदेवजी का मंदिर प्रमुख है। स्थानीय इतिहास और लोकमान्यताओं में इस मंदिर के निर्माण को रावल लक्ष्मणसिंह के काल से जोड़ा जाता है। रावल लक्ष्मणसिंह का शासनकाल 14वीं-15वीं शताब्दी का माना जाता है और लोकदेवता बाबा रामदेवजी भी इसी कालखंड के महान संत एवं लोकनायक माने जाते हैं।

सामने कुलदेवी शेढल माता का प्राचीन मंदिर- बाबा रामदेवजी मंदिर के ठीक सामने डांगरा परिवार की कुलदेवी शेढल माता का प्राचीन मंदिर स्थित है। स्थानीय परंपरा के अनुसार इस मंदिर का निर्माण डांगरा जयदेव द्वारा संवत 1313 में करवाया गया था। यह मंदिर जैसलमेर के माहेश्वरी समाज के डांगरा, पंसारी और गोलकिया परिवारों की प्राचीन कुलदेवी की आराधना का प्रमुख केंद्र रहा है। इस प्रकार अखेपोल चौक में आमने-सामने स्थित ये दोनों धार्मिक स्थल जैसलमेर की धार्मिक-सांस्कृतिक विरासत के दो महत्वपूर्ण पक्षों को सामने रखते हैं-एक ओर लोकदेवता बाबा रामदेवजी की लोकआस्था और दूसरी ओर कुलदेवी शेढल माता की पारिवारिक एवं सामाजिक आराधना।

रामदेसर बेरी-आस्था के साथ जलसेवा की परंपरा -अखेपोल चौक की इस धार्मिक परंपरा से जुड़ा एक अन्य महत्वपूर्ण स्मृति-चिह्न है रामदेसर बेरी, जिसे स्थानीय लोग रामदेसर कुएं के रूप में भी जानते हैं।

लोकमान्यता है कि बाबा रामदेवजी के मंदिर की स्थापना के समय श्रद्धालुओं, यात्रियों और चौक के निवासियों के लिए मीठे पानी की व्यवस्था की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए इस जलस्त्रोत का निर्माण कराया गया। इसे बाबा रामदेवजी के प्रति श्रद्धा से जोड़ते हुए रामदेसर नाम दिया गया। स्थानीय इतिहास में यह मान्यता भी मिलती है कि रामदेसर बेरी का निर्माण रावल लक्ष्मणसिंह के समय अथवा राजपरिवार के संरक्षण में कराया गया था। हालांकि इस संबंध में उपलब्ध ऐतिहासिक प्रमाणों का स्वतंत्र दस्तावेजी सत्यापन आवश्यक है, लेकिन लोकस्मृति में रामदेसर बेरी और बाबा रामदेव मंदिर का संबंध लंबे समय से जीवित है।

दुर्ग में प्रवेश के साथ ही आस्था का संदेश -जैसलमेर दुर्ग की स्थापत्य योजना में प्रवेश द्वारों का विशेष महत्व रहा है। अखेपोल से भीतर प्रवेश करने वाला व्यक्ति इसी चौक में पहुंचता है। पुराने समय में ऐसे चौक केवल आवागमन के स्थान नहीं थे, बल्कि सुरक्षा, सामाजिक गतिविधियों और धार्मिक जीवन के भी महत्वपूर्ण केंद्र हुआ करते थे। अखेपोल चौक की बनावट और स्थिति को देखते हुए यह स्थान दुर्ग के सामाजिक एवं सांस्कृतिक जीवन में महत्वपूर्ण रहा होगा। आज भी यहां पहुंचने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए प्राचीन मंदिरों की उपस्थिति जैसलमेर की उस परंपरा का परिचय देती है जिसमें धर्म, जल और लोकजीवन एक-दूसरे से जुड़े हुए थे।

रामदेसर बेरी से जल मंदिर तक-सेवा की परंपरा कायम - समय के साथ दुर्ग के इस हिस्से में परिस्थितियां बदलीं। बाबो भली करे संस्था की देखरेख में बाबा रामदेवजी मंदिर के पुनरुद्धार का कार्य हुआ। मंदिर के सामने स्थित ऐतिहासिक रामदेसर बेरी को श्रद्धालुओं की सुविधा और चौक के विकास की दृष्टि से बंद किया गया तथा यहां विशाल चौक का स्वरूप विकसित किया गया। इसी क्रम में स्वर्गीय बद्री प्रसाद डांगरा की स्मृति में उनके परिवारजनों द्वारा शीतल पेयजल की सुविधा के लिए जल मंदिर का निर्माण कराया गया। यह परिवर्तन केवल एक पुराने जलस्त्रोत के स्थान पर नई व्यवस्था खड़ी करने की कहानी नहीं है। इसे व्यापक अर्थ में देखें तो यह जैसलमेर की उस पुरानी परंपरा की निरंतरता है जिसमें धार्मिक स्थलों के साथ पेयजल और जनसेवा को भी महत्व दिया जाता था।

इतिहास की परतों में दर्ज एक जीवंत चौक -अखेपोल चौक को यदि ध्यान से देखा जाए तो यहां इतिहास की कई परतें एक साथ दिखाई देती हैं-प्राचीन दुर्ग, प्रवेश द्वार, बाबा रामदेवजी का मंदिर, सामने स्थित शेढल माता का मंदिर, रामदेसर बेरी की स्मृति और वर्तमान में निर्मित जल मंदिर। यही इसकी सबसे बड़ी विशेषता है। एक ओर रावल लक्ष्मणसिंह के काल से जुड़ी लोकमान्यता है, दूसरी ओर संवत 1313 से जुड़ी शेढल माता मंदिर की परंपरा और तीसरी ओर वर्तमान पीढ़ी द्वारा जलसेवा के रूप में निभाई जा रही सामाजिक जिम्मेदारी। जैसलमेर की ऐतिहासिक विरासत का वास्तविक अर्थ केवल पत्थरों और स्थापत्य को सुरक्षित रखना नहीं है। इन स्थानों से जुड़ी लोकस्मृतियों, धार्मिक परंपराओं, जलस्त्रोतों और जनसेवा की भावना को भी सुरक्षित रखना उतना ही आवश्यक है।

अखेपोल चौक इसी जीवंत विरासत का उदाहरण है-जहां सदियों पुरानी आस्था आज भी वर्तमान की सेवा भावना से जुड़ती दिखाई देती है। 25 साल की स्थानीय पत्रकारिता के अनुभव से देखें तो जैसलमेर दुर्ग की ऐसी छोटी-छोटी स्मृतियां ही उसके बड़े इतिहास को जीवंत बनाती हैं। रामदेसर बेरी की स्मृति और उसके स्थान पर निर्मित जल मंदिर इस बात का उदाहरण हैं कि समय बदल सकता है, व्यवस्थाएं बदल सकती हैं, लेकिन लोकसेवा और आस्था की परंपरा पीढ़ियों तक आगे बढ़ सकती है।

–अचलदास डांगरा,
वरिष्ठ पत्रकार, जेठापाड़ा
जैसलमेर

राशिफल शुक्रवार 9 अक्टूबर, 2026

पंडित अनिल शर्मा

अश्विन मास, कृष्ण पक्ष, चतुरदशी तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत-2083, उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र रात्रि 9:20 तक, ब्रह्म योग रात्रि 11:21 तक, विष्टि करण प्रात: 9:56 तक, चन्द्रमा आज कन्या राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति– सूर्य-कन्या, चन्द्रमा-कन्या, मंगल-कर्क, बुध-कन्या, गुरू-कर्क, शुक्र-तुला, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज भद्रा प्रात: 9:56 तक है। आज चौदस का श्राद्ध, विज शस्त्रादि से मृतकों का श्राद्ध है।

श्रेष्ठ चौघड़िया– चर सूर्योदय से 7:54 तक, लाभ अमृत 7:54 से 10:47 तक, शुभ 12:14 से 1:41 तक, शर 4:25 से

LIMITED PERIOD OFFERS

CASH DISCOUNT UP TO ₹2500~

INSTANT DISCOUNT UP TO ₹10000^ SBI card HDFC BANK pine labs

LOW RATE OF INTEREST 6.99%*

EXCLUSIVE CORPORATE OFFER UP TO ₹3200~

For bulk / institutional inquiries, please write to us at : institutionalsales@heromotocorp.com | Available in CSD

INDIA'S FIRST 5 YEAR WARRANTY* *Conditions apply

Hero GoodLife Stand a chance to win 24 Carat Gold Coin and many more assured benefits@

Also Available on: Flipkart amazon.in

Hero MotoCorp Ltd. Regd. Office: The Grand Plaza, Plot No.2, Nelson Mandela Road, Vasant Kunj Phase - II, New Delhi - 110070, India. | CIN: L35911DL1984PLC017354 | For further information, contact your nearest Hero MotoCorp authorized outlet or visit us on www.HeroMotoCorp.com. Accessories and features shown may not be a part of standard fitment. Always wear a helmet while riding a two-wheeler. ~Offer amount and combination of offer may vary for model/variant and states and it is applicable on select models only, for a limited time period or till stock lasts. *Finance offer is at the sole discretion of the Financer, subject to its respective T&Cs, Available at select dealerships. ^T&C apply, Offer available only on limited stores. @Limited period offer, T&C apply.

TOLL FREE 1800 266 0018

अधिकृत डीलर: सीकर: देव हीरो, आरटीओ चौक के पास, 9289922874, मटोरिया हीरो, 9289922392, झुन्झूनूं: अजय हीरो, 9289922203, चुरू: महालक्ष्मी हीरो, डीटीओ ऑफिस के पास, 9289922872, एसोशिएट डीलर: सीकर: श्री श्याम मोटर्स, (चाला) 9602616888, झुन्झूनूं: हैप्पी मोटर्स, बुहाना 9828580799, अजय हीरो, 9289922203, चिड़ावा: इन्डीका मोटर्स, 9414080651, चुरू: अशोका मोटर्स, 8949434435, महालक्ष्मी हीरो 9289922872, सुजानगढ़: तोदी मोटर्स, 9413177555, फतेहपुर शेखावटी: जय भवानी मोटर्स, 8107115421, नवलगढ़: गणपति ऑटोमोबाईल, 9414491842, श्री माधोपुर: श्री गुरूजी मोटर्स, 9928404786, लक्ष्मणगढ़: श्री बालाजी ऑटोमोबाईल, 9413858378, अजीतगढ़: श्री त्रिवेणी मोटर्स, 9414323389, रतनगढ़: जय आदित्य ऑटोमोबाईल्स, 9602910100, पिलानी: प्रदीप मोटर्स, 9602764951, नीम का थाना: बन्सिया ऑटोमोबाईल्स, 8003671799, सुल्ताना: नितिन मोटर्स, 8696332222, राजगढ़: सुबेश एन्टरप्राइजेज, 9116588885, गुढ़ा गौड़जी: शेखावाटी मोटर्स, 9529363953, छापर: भगवती मोटर्स, 9414956013, सिंघाना-झुंझुनू: ऑटो वर्ल्ड, 9413565209, सालासर: आदित्य मोटर्स, 9414402180, मुकुंदगढ़: श्रीराम मोटर्स, 8290554641, खाटू: हरिओम मोटर्स, 9887081642, सांडवा: बेनीवाल ऑटोमोबाइल्स, 9414422944, कातर छोटी: लिम्बा मोटर्स, 9782151100, पाटन: हिंदुस्तान ऑटोमोबाइल्स, 9829412885, राजलदेसर: ए डी ऑटो सेल्स, 9414676377, सूरजगढ़: फ्रेंड्स ऑटोमोबाइल, 9887476447, बिदासर: चामरिया ऑटोमोबाइल्स, 7023443781.

सीकर में हिस्ट्रीशीटर सहित 25 बदमाशों ने 'एसपी ग्रुप' के संदीप पिलानिया की हत्या की

बदमाशों ने फावड़े से संदीप पिलानिया के सिर, मुंह और छाती सहित अन्य जगह चोटें मारी

- हमलावरों ने युवक के साथी आनंद शर्मा का पीछा कर उसके भी हाथ-पैर तोड़ दिए, 25 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज करवाया
- स्मैक-एमडी व हथियार तस्करी सहित अन्य अवैध कार्यों में दोनों गैंग के बदमाशों के बीच आपसी रंजिश चल रही थी

सीकर, (निसं)। सीकर में एक बार फिर गैंगवार में विरोधी गैंग ने एसपी गैंग के सरगना संदीप पिलानिया की हत्या कर दी। स्मैक व एमडी तस्करी व हथियार तस्करी सहित अन्य अवैध कार्यों में आपसी रंजिश होने पर बदमाशों ने एसपी गैंग के सरगना संदीप पिलानिया की विरोधी गैंग ने फावड़े से हमला कर हत्या कर दी।

मृतक ने अपने नाम से ही एसपी गैंग बना रखी थी। बदमाशों ने मृतक के सिर मुंह, छाती सहित अन्य जगह चोटें मारी। घटना बुधवार रात एक बजे के बीच रसीदपुरा के पास नायरा पेट्रोल पंप की है। आरोपियों ने युवक के साथी आनंद शर्मा का पीछा कर उसके भी हाथ-पैर तोड़ दिए। परिजन, ग्रामवासी व मृतक संदीप के दोस्त एसके हॉस्पिटल की मोर्चरी के बाहर आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर धरना दे रहे हैं। मामले में मृतक के छोटे भाई कुलदीप पुत्र नेमीचंद निवासी अजीतपुरा ने एक हिस्ट्रीशीटर व छह नामजद आरोपियों सहित करीब 25 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है। मृतक के पिता नेमीचंद आर्मी में हवलदार है।

सदर थाना पुलिस के अनुसार मृतक के भाई कुलदीप की ओर से दी एफआइआर में बताया कि संदीप पिलानिया (34) पुत्र नेमीचंद पिलानिया निवासी अजीतपुरा अपने प्रवीण, सोयल, आनंद, मोहित और मुकेश के साथ साथ बुधवार रात 12.30 बजे भढ़ाडर में वर्कशॉप से चला था। बदमाशों ने उनका पीछा करना शुरू कर दिया था। गाड़ी में पेट्रोल डलवाने के लिए वह भढ़ाडर स्थित नायरा पेट्रोल पंप पर गया। वहां गाड़ी घुमाते समय सामने से एक गाड़ी चालक ने टक्कर मारी, जिससे संदीप की गाड़ी बंद हो गई। इतने में तीन गाड़ियां और आई और उन्होंने भी संदीप की गाड़ी के टक्कर मारी। गाड़ियों में 20 से 25 बमाश सवार थे। हमलावरों में हिस्ट्रीशीटर जितेंद्र लोसल, नितेश उर्फ वीरू, उमेश बगड़िया उर्फ पोलक, अरबाज खान लक्ष्मणगढ़, कालू खेड़ी, सुमित सहित अन्य लोग शामिल थे।

संदीप व उसके साथी भागने लगे तो हिस्ट्रीशीटर जितेंद्र लोसल, उमेश बगड़िया उर्फ पोलक सहित अन्य आरोपियों ने संदीप पिलानिया व आनंद शर्मा उर्फ आनंद चैनपुरा को पकड़ लिया और फावड़ा, लाठी, सरियों व रॉड से जमकर मारपीट की। इससे संदीप पिलानिया की मौके पर मौत हो गई। आनंद शर्मा पुत्र रामोतार शर्मा निवासी सिंगनोर, गुढा, झुंझुनूं, हाल निवास पुरोहितजी की ढाणी वार्ड नंबर 46 सीकर पर सरियों व रॉड से जानलेवा हमला कर दिया। आनंद के बाएं पैर तीन फ्रैक्चर है। वहीं बाएं हाथ में कोहनी, कंधा व अंगुली में भी फ्रैक्चर है। उसका सीकर के निजी हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है, वह गाड़ी चलाता है।

शादी का झांसा देकर महिला से दुष्कर्म का आरोप

मारपीट कर धर्म परिवर्तन का दबाव बनाने का भी आरोप लगाया, मामला दर्ज

अलवर, (निसं)। अलवर के एनईबी थाना क्षेत्र में एक महिला से ब्लैकमेल कर दुष्कर्म करने, मारपीट करने और जबरन धर्म परिवर्तन का दबाव बनाने का मुकदमा दर्ज हुआ है। कोर्ट के आदेश (इस्तगासा) के बाद थाना पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पीड़िता ने अपनी शिकायत में बताया कि मेरे बेटे के दोस्त का भाई मौसम खान मेरे घर आया। आरोपी ने मुझे नौकरी दिलाने का आश्वासन दिया और कहा कि वह उसे अपने साथ सहायक के रूप में काम पर रखेगा। पीड़िता ने बताया कि 12 सितंबर 2024 को मैं अपने बेटे की तलाश में आरोपी के साथ दिल्ली गई थी। वहां दिल्ली के एक होटल में आरोपी ने दो कमरे बुक कराए और चालाकी से मुझे अलग कमरे में रुकने पर मजबूर किया। रात को खाने में नशीला पदार्थ मिलाकर मुझे बेसुध कर दिया और उसके साथ दुष्कर्म किया। इस दौरान आरोपी ने मेरी अश्लील फोटो भी खींच ली। होश आने पर जब पीड़िता ने विरोध किया तो आरोपी ने फोटो वायरल कर बदनाम करने की धमकी दी। इसके बाद आरोपी लगातार ब्लैकमेल कर दुष्कर्म करता रहा। पीड़िता का आरोप है कि आरोपी मौसम खान मुझ पर जबरन धर्म परिवर्तन करने के लिए भी दबाव बनाता था। मना करने पर आरोपी ने पीड़िता से मारपीट की और उसके मुंह पर तकिया लगाकर जान से मारने का प्रयास किया। इसके अलावा भी आरोपी ने घर में घुसकर पीड़िता से मारपीट की। मेरे बेटे को जान से मारने और जातिसूचक शब्द कहकर धमकी दे चुका है। कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने आरोपी मौसम खान के खिलाफ गंभीर धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। मामले की जांच पुलिस उप अधीक्षक मनीषा मीना को सौंपी गई है।

जोधपुर में ज्वैलरी दुकान सहित तीन जगहों पर चोरी

जोधपुर, (कासं)। कमिश्नरेट के तीन पुलिस थाना क्षेत्रों में नकबजनों ने दो दुकानों और एक मंदिर में सैंध लगाकर वहां से ज्वैलरी, सामान और दानपेटी आदि चोरी कर लिए। संबंधित थाना पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर अब जांच आरंभ की है।

बनाड़ पुलिस ने बताया कि खसरा नंबर 16 मैन बनाड़ रोड निवासी श्याम सुंदर पुत्र रतनसिंह ने रिपोर्ट दी कि उसकी एक ज्वैलरी शॉप बनाड़ रोड पर नवरतन ज्वैलर्स के नाम से आई है। जहां पर गत रात में चोरों ने दुकान के शटर के ताले तोड़कर चांदी के आभूषण, बर्तन आदि चोरी कर ले गए। बनाड़ पुलिस अब सीसीटीवी फुटेज से चोरों का पता लगाने का प्रयास कर रही है। दूसरी तरफ मंडोर पुलिस के अनुसार जूनी बागर महामंदिर निवासी मुकेश पुत्र नारायण सिंह ने रिपोर्ट दी कि उसका एक 100 केवी का जनरेटर सुरपुरा रोड बालाजी नर्सरी पर रखा हुआ था, जोकि अज्ञात चोर चुराकर ले गया। फिलहाल जनरेटर का पता नहीं लगा है। वहीं लूणी पुलिस ने बताया कि कांकाणी निवासी गजेंद्र सिंह पुत्र मोहनसिंह ने रिपोर्ट दी कि रातड़ीनाडी में नागणेच्या माता का मंदिर आया है, जहां पर चोरों ने सैंध लगाकर दानपेटी चोरी कर ली। इसमें एक लाख तक की नगदी भरी थी।

परबतसर क्षेत्र के सीडीयास गांव के जंगल में नर पैंथर का शव मिला

- सूचना पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और शव को रेंज परिसर लाया गया
- मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम के बाद अधिकारियों की मौजूदगी में पैंथर का अंतिम संस्कार किया गया

परबतसर, (निसं) क्षेत्र के सीडीयास गांव के जंगल में नर पैंथर का शव मिलने से वन विभाग में हड़कंप मच गया। सूचना पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और शव को सुरक्षित रेंज परिसर लाया गया। मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाने के बाद अधिकारियों की मौजूदगी में पैंथर का अंतिम संस्कार किया गया।

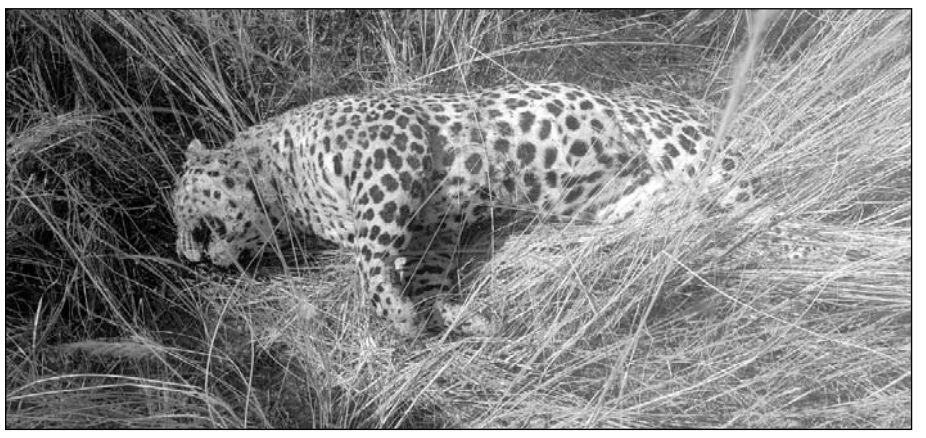

परबतसर के सीडीयास गांव के जंगल में पैंथर का शव मिला।

जानकारी के अनुसार क्षेत्रीय वन अधिकारी कार्यालय परबतसर रेंज के अधीन वन क्षेत्र में सीडियास के जंगल में एक नर पैंथर का शव मिला। सूचना मिलते ही रेंजर राकेश मालाकार के नेतृत्व में राहुल सोहन सारण, बलबीर, लक्ष्मण सिंह सहित वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। टीम ने मौके का जायजा लेने के बाद पैंथर के शव को सुरक्षित तरीके से रेंज परिसर पहुंचाया। वन विभाग के अनुसार प्रथम दृष्टया पैंथर की मौत आपसी संघर्ष के कारण होने की आशंका है। इसके बाद पशु चिकित्सा अधिकारियों के गठित मेडिकल बोर्ड ने रेंज परिसर में मृत पैंथर का पोस्टमार्टम किया। पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद वन्यजीव संरक्षण नियमों और उच्च अधिकारियों के दिशा-निर्देशों के अनुसार अधिकारियों को मौजूदगी में पैंथर के शव का अंतिम संस्कार किया गया। वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार पैंथर की मौत का वास्तविक और सटीक कारण मेडिकल बोर्ड की अंतिम पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट होगा।

अरावली क्षेत्र में लगातार देखी जा रही है मूवमेंट :-परबतसर क्षेत्र पहाड़ी और अरावली की पर्वत श्रृंखला से जुड़ा हुआ है। किनसरिया पहाड़ी से मांडण, हुलदाणी, मेहगांव रोड, पीर साहब की पहाड़ी होते हुए सीडियास-कुंडीयास तक के जंगल एवं पहाड़ी क्षेत्र में अक्सर पैंथर की मूवमेंट देखी जाती है। कुछ दिन पहले भी मेहगांव के आसपास के जंगलों में पैंथरों की मौजूदगी देखी गई थी। इस दौरान पैंथरों ने कई गायों का शिकार किया था, जिसकी सूचना वन विभाग को दी गई थी। ऐसे में क्षेत्र में पैंथर की लगातार मौजूदगी को लेकर ग्रामीणों में भी चिंता बनी हुई है।

फैक्टरी से 450 टन अवैध बजरी का स्टॉक जब्त

- पहाड़ी गांव के पास से भी अवैध बजरी परिवहन करते हुए दो ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त किये

टोंक, (निसं)। जिला पुलिस अधीक्षक रोशन मीना के निर्देशन में चलाये गये विशेष अभियान अवैध बजरी खनन व परिवहन व भंडारण के विरूद्ध पीपलू वृताधिकारी विनोद कुमार के नेतृत्व में पुलिस बरोनी थाना टीम ने कार्रवाई करते हुए एस.एम. सीमेन्ट प्रोडक्टस नामक फैक्टरी पर करीब 450 टन अवैध बजरी भण्डार को जब्त किया गया तथा बुधवार रात्रि के दौरान पहाड़ी गांव के पास से दो ट्रैक्टर-ट्रॉली अवैध बजरी परिवहन करते हुए जब्त किये गये।

बरोनी थानाधिकारी ने बताया कि अवैध बजरी भण्डारण की सूचना पर बरथल तिराहे के पास स्थित एस.एम. सीमेन्ट प्रौडक्टस नामक सीमेन्ट पॉल पाईप फैक्टरी पर फैक्टरी चैकिंग की गई तो फैक्टरी परिसर मे तीन जगह पर करीब 450 टन बजरी का भण्डारण पाया गया, जिसके बाद स्टॉक को जब्त कर फैक्टरी संचालक को नोटिस जारी करते हुए सात दिन में आवश्यक दस्तोवज पेश करने हेतु निर्देशित किया गया। वहीं अन्य टीम ने बुधवार रात्रि के दौरान पहाडी गांव के पास से दो ट्रैक्टर ट्रोली मय अवैध बजरी के जब्त किया गया है।

Rajasthan State Road Development And Construction Corporation Ltd.,JAIPUR

No.NIT/2026-27/8158-66 **अल्पकालीन ई-निविदा सूचना संख्या 413/2026-27** Date:07.10.2026

निम्नलिखित कार्य के लिए केन्द्र/राज्य सरकार के अभियांत्रिकी विभागों एवं उनके अधिकृत संगठनों में पंजीकृत एवं अनुभवी संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया हेतु ऑनलाइन निविदायें आमंत्रित की जाती है-

कार्य का विवरण	कार्य की अनुमानित लागत (रू.)
Construction of Synthetic Atheletic Track at District Stadium, Dungarpur. UBN: RRC2627WSOB00674	464.52 Lakh
Construction of Multipurpose Indoor Hall at District Stadium, Dungarpur. UBN: RRC2627WSOB00675	304.96 Lakh

निविदा से सम्बन्धित प्रपत्र में निविदा शुल्क, धरोहर राशि, डाउनलोड करने व खोलने की तारीख सहित सम्पूर्ण विवरण एवं संशोधन वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.nic.in तथा http://pwd.rajasthan.gov.in/rsrdc पर देखा जा सकता है। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर्ड करवाना आवश्यक है। महाप्रबंधक

कार्यालय नगर निगम, उदयपुर

टाउनहॉल लिंक रोड, उदयपुर (राज.) 313001

दुरभाष सं. 0294-2421255, 2420013, Helpline no.0294-2426262,

Email:- ceoudr.lsg@rajasthan.gov.in electricalumc50@gmail.com Website :- https://udaipurmc.org/

क्रमांक :-ननिउ/ विद्युत/2026-27/542 दिनांक :- 06.10.2026

ई-बोली आमन्त्रण सूचना संख्या - ई 10/2026-27

नगर निगम कार्यालय उदयपुर द्वारा विद्युत शाखा से सम्बंधित विभिन्न विकास कार्य जिसकी कुल अनुमानित लागत राशि 159.46 लाख हेतु ई-प्रोक्यूरमेन्ट के माध्यम से ऑनलाईन निविदा दिनांक 20.10.2026 समय सायं 6.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। विस्तृत जानकरी www.eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।

UBN No. UNP2627WSRC00105 आयुक्त

राज.संवाद/सी/26/11514 नगर निगम, उदयपुर

झालावाड़ केन्द्रीय सहकारी बैंक लिमिटेड

प्रधान कार्यालय,"सहकार भवन, झालावाड़" एन एच -52, झालरापाटन -326023

क्रमांक :- जेकेएसबी/फा.( )स्टोर/2026-27/ दिनांक :- 06/10/2026

निविदा सूचना

बैंक शाखाओं में OFFICE FURNITURE & STEEL STORAGE ITEMS हेतु NIT NO.-004/2026-27 द्वारा निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र निर्धारित दिनांक 25/10/2026 को सायं 02:00 बजे तक निर्धारित निविदा अनुसार बैंक प्रधान कार्यालय, सहकार भवन, NH-52, झालरापाटन-326023 में भिजवाये जा सकते है। विस्तृत जानकारी बैंक की वेबसाईट http://www.ccbjhalawar.bank.in तथा SPPP Portal - http://sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

NIB Code - JKS2627A0014, UBN NO.- JKS2627GLOB00014

राज.संवाद/सी/26/11498 प्रबंध निदेशक

कार्यालय अधिशाषी अभियंता

जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, ग्रामीण खण्ड भीलवाड़ा

पुर रोड, भीलवाड़ा, फोन नं. 01482-240044

कमांक/अअ/भील/ग्रा.खण्ड/2025-26/2586-87 दिनांक :-30.09.2026

निविदा सूचना संख्या 47-50/2026-27

NIB Code: PHE2627A2974, PHE2627A2976

राजस्थान के राज्यपाल महोदय, की ओर से इस कार्यालय द्वारा 04 कार्यो हेतु सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से ई- टेण्डरिंग के माध्यम से निविदा आमंत्रित की जाती है। जिसका समस्त विवरण वेबसाईट http:/eproc.rajasthan.gov.in व SPPP.rajasthan.gov.in से प्राप्त किया जा सकता है।

UBN NO: PHE2627WSRC06272, 74, 79-80 अधिशाषी अभियंता जन स्वा. अभि. विभाग, ग्रामीण खण्ड भीलवाडा

DIPR/C/17338/2026

जोधपुर में आईटीआई के ऑफिस में आग लगी

जोधपुर, (कासं)। काजरी रोड आईटीआई सर्किल स्थित राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में गुरुवार सुबह डिप्टी डायरेक्टर ऑफिस में अचानक आग लग गई। सूचना पर फायर ब्रिगेड की तीन गाड़ियां मौके पर पहुंची और करीब 20 मिनट में आग पर काबू पा लिया गया। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। गनीमत रही कि आग लगने के समय ऑफिस बंद था और वहां कोई मौजूद नहीं था।

जानकारी के अनुसार घटना सुबह करीब 8 बजे की है। आग पहले ऑफिस में लगी थी और फिर वायरिंग के जरिए बरामदे तक पहुंच गई। डिप्टी डायरेक्टर डॉ. जगदीश प्रसाद ने बताया कि आग की सूचना पर संस्थान के अधिकारी एवं कर्मचारी मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पाने के प्रयास शुरू किए। आग के कारण डिप्टी डायरेक्टर ऑफिस में रखे कंप्यूटर, टीवी, फर्नीचर, बिजली उपकरण, मॉडम, सीलिंग, दरवाजे और कैमरा सिस्टम सहित अन्य सामान जल गया है। इसके अलावा मुख्य भवन की बिजली वायरिंग और अन्य कमरों में लगे बिजली उपकरण व एसी आदि को भी नुकसान पहुंचा है।

जोधपुर से पेशी से लौट रहे झाड़ोल एसएचओ की सड़क हादसे में मौत, कॉन्स्टेबल घायल

- एसएचओ बुद्धराम विश्नोई जोधपुर हाईकोर्ट में पेशी के बाद कार से उदयपुर लौट रहे थे
- जोधपुर के चामू थाना क्षेत्र में सामने की गाड़ी की हेडलाइट आंखों पर पड़ने से खड़ी ट्रैक्टर-ट्रॉली से कार टकराई गई थी
- बुद्धराम बिश्नोई चामू के ही रहने वाले थे और दो महीने पहले ही उनका ट्रांसफर बांसवाड़ा से उदयपुर के झाड़ोल में हुआ था

उदयपुर/जोधपुर, (कास)। उदयपुर जिले के झाड़ोल थाना एसएचओ बुद्धराम विश्नोई की बुधवार देर रात सड़क हादसे में मौत हो गई। वे जोधपुर हाईकोर्ट में पेशी के बाद कार से उदयपुर लौट रहे थे। हादसा जोधपुर के चामू थाना क्षेत्र में रात 12 बजे हुआ। वहीं हादसे में कार ड्राइवर भी घायल हो गया, जिसे एंबुलेंस से प्राथमिक उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया।

पुलिस के अनुसार थानाधिकारी की कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़ी ट्रैक्टर-ट्रॉली से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार का बोनट और छत टूटकर बिखर गई। एसएचओ ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि ड्राइवर कॉन्स्टेबल घायल हो गया। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को चामू के सरकारी हॉस्पिटल की मोर्चरी में रखवाया। घायल कॉन्स्टेबल का अस्पताल में इलाज चल रहा है।

चामू थानाधिकारी हनुमान बिश्नोई ने बताया जांच में पता लगा है कि उनकी कार अनियंत्रित हुई थी। रात के समय सामने से आ रही गाड़ी की हेडलाइट आंखों पर पड़ने से सड़क किनारे खड़ी ट्रैक्टर-ट्रॉली नहीं दिखी जिससे कार उससे भिड़ गई। बिश्नोई ने बताया कि बुद्धराम बिश्नोई चामू के ही रहने वाले थे और दो महीने पहले ही उनका ट्रांसफर बांसवाड़ा से उदयपुर के झाड़ोल में हुआ था।

कार्यालय अधीक्षक, सुपरस्पेशियलिटी चिकित्सालय

राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय एवं संलग्न चिकित्सालय समूह, रंगबाडी रोड, कोटा (राज.) पिनकोड-324005

क्रमांक : प.()/ लेखा/क्रय/न्यूरोसर्जरी / 2026-27/872 दिनांकः 29.09.2026

ONLINE OPEN BOLI NO: 12/2026-27(E-Tender)

UBN: CMK2627GLO B00167

सुपर स्पेशियलिटी चिकित्सालय कोटा एवं चिकित्सा महाविद्यालय कोटा से सम्बद्ध चिकित्सालयों के Neurosurgery Department हेतु Implant, Consumable Items, Aneurysm Clip (Sugita type), Instruments, Electric Drill (Manman) etc. के क्रय हेतु द्विवार्षिक दर संविदा जिसकी अनुमानित लागत राशि रूपये 3.70 करोड़ (अक्षरे तीन करोड़ सत्तर लाख रूपये) अतिरिक्त के मूल निर्माताओं / अधिकृत विक्रेताओं / वितरकों / सदभावी व्यवहारियों से ई-उपापन प्रक्रिया से दिनांक 29.9.2026 प्रातः 10 बजे से दिनांक 29.10.2026 को सायं 5.00 बजे तक ऑन लाइन बोली आमंत्रित की जाती है। समस्त बोली एवं बोली प्रपत्र दिनांक 29.09.2026 सांय 05.00 बजे से दिनांक 29.10.2026 सांय 05.00 बजे तक ऑन लाइन आमंत्रित की जाती है। बोली से संबंधित समस्त विवरण वेबसाइट www.eproc.rajasthan.gov.in, www.education.rajasthan.gov.in/gmckota एवं sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

अधीक्षक

DIPR/C/17170/2026 एस.एस.एच., कोटा (राज.)

Office of Executive Engineer

PHED, Division Nadbai

No.F()EE/NDB/2026-27/1208 Date: 30/09/2026

Notice Inviting Bid No.40-44/2026-27

NIB No. 40-44 bids for Repair and maintenance works (05 works), Costing Rs 20.8 Lacs is invited on behalf of the Governor of Rajasthan from eligible enlisted in appropriate class contractors of PHED, Rajasthan and meeting eligibility criteria. Contractors enlisted with other departments of Government of Rajasthan and enlisted with CPWD/Postal/ Telecom/ Railway/ MES/ other State Government/ Central Government undertakings/ organization in class equivalent to "A/AA" class of Rajasthan (as applicable) and meeting prescribed eligibility criteria may also apply. Details of this Bid notification can also be seen in NIB exhibited on' web site www. http:/ /sppp.rajasthan.gov.in .Tander selling and receiving date 14.10.2026 up to 4:00pm. & Bids are to be opened at 02:00 PM on 15.10.2026. NIBCode :PHE2627A2865 UBNNO:PHE2627WSOB06061, PHE2627WSOB06062, PHE2627WSOB06064, PHE2627WSOB06066, PHE2627WSOB06067

Avlok Kumar Meena
Executive Engineer
PHED, Division Nadbai

DIPR/C/17208/2026

बीकानेर में शुरू होने वाली सिरेमिक लैब को जयपुर ले जाने की तैयारी

बीकानेर के क्ले खान मालिकों को क्ले, अन्य खनिजों और सिरेमिक प्रोडक्ट की जांच के लिए यूपी व गुजरात जाना पड़ता है

- सरकार की बजट घोषणा में जयपुर में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर माइनिंग एंड मिनरल की घोषणा की गई थी, इस लैब को गुपचुप तरीके से उसी में समाहित किया जा रहा है

बीकानेर, (निसं)। लंबे प्रयासों के बाद बीकानेर में शुरू होने वाली सिरेमिक लैब को जयपुर ले जाने की तैयारी कर ली गई है। सरकार की बजट घोषणा में जयपुर में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर माइनिंग एंड मिनरल की घोषणा की गई थी। बीकानेर की सिरेमिक लैब को गुपचुप तरीके से उसी में समाहित किया जा रहा है।

बीकानेर में क्ले की करीब 200 खानें हैं। इन खान मालिकों को क्ले अन्य खनिजों और सिरेमिक प्रोडक्ट की गुणवत्ता की जांच के लिए यूपी के अलीगढ़ में खुर्जा, गुजरात के अहमदाबाद, मोरबी जिलों में जाना पड़ता है। इसे देखते हुए सालों से सिरेमिक लैब शुरू करने की आवश्यकता जताई जा रही थी और वर्ष, 24-25 के बजट में सरकार ने इसकी घोषणा भी कर दी। बीकानेर के बीटीयू में सिरेमिक लैब खोलना तय किया गया और सरकार से इसके लिए बजट की पहली किस्त में करीब 2 करोड़ रुपए का बजट भी मिल गया। लेकिन, अब बीकानेर की सिरेमिक लैब को गुपचुप तरीके से जयपुर ले जाने की तैयारी कर ली गई है। वर्ष, 2025-2026 के बजट में सरकार ने जयपुर में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर माइनिंग एंड मिनरल्स की घोषणा की थी। बीकानेर की सिरेमिक लैब को उसी में समाहित किया जा रहा है, जबकि उपयोगिता बीकानेर में ज्यादा है।

इस संबंध में खान एवं भूविज्ञान विभाग की विशिष्ट शासन सचिव नम्रता वृष्णि ने लैब संचालन गवर्निंग काउंसिल के सचिव और खान निदेशक को अवगत करा दिया है। इस दौरान बीकानेर को सिरेमिक लैब के उपकरण खरीदने के लिए मिले दो करोड़ रुपए भी भवन की उपलब्धता नहीं होने के कारण लैप्स हो गए। नए सिरे से बजट के प्रस्ताव भेजे गए जो ठंडे बस्ते में पड़े हैं। गौरतलब है कि बीकानेर में लैब संचालन के लिए गर्वनिंग काउंसिल और एग्जीक्यूटिव कमेटी का गठन भी कर लिया गया था। गवर्निंग काउंसिल में खान एवं पेट्रोलियम विभाग के प्रमुख शासन सचिव और खान निदेशक अध्यक्ष व सचिव के रूप में शामिल थे।

मेजर उपकरणों के लिए 4.8 करोड़ रुपए के प्रस्ताव भेजे थे : बीकानेर में सिरेमिक लैब शुरू करने के लिए आधुनिक उपकरण खरीदे जाने थे। मेजर उपकरण एक्सआरएफ (एक्स-रे फोरेसेंस), पार्टिकल साइज एनालाइजर, डीएससी और डाइलेटोमीटर की जरूरत होती है। इसके अलावा दो साल की मैनपॉवर के लिए 20-25 लाख रुपये और सिविल वर्क और इलेक्ट्रिक मेंटेनेंस के लिए 15-20 लाख रुपए सहित कुल 4.8 करोड़ रुपए के प्रस्ताव जयपुर भेजे गए थे। सरकार से दो करोड़ रुपए का बजट भी मिला जो लैप्स हो गया था।

के.बी. गुप्ता, सिरेमिक व्यवसायी ने कहा कि बीकानेर में क्ले की करीब 200 खानें हैं। इनका 60-70 प्रतिशत माल मोरबी जाता है। खरीदार, इंडस्ट्रियल खान मालिकों से क्ले की गुणवत्ता की रिपोर्ट मांगते हैं। खान मालिकों को दूसरे राज्यों की लैब से टेस्टिंग करवानी पड़ती है। जहां कहीं सिरेमिक प्रोडक्ट तैयार होते हैं तो उनकी भी लैब में टेस्टिंग रिपोर्ट तैयार की जाती है। बीकानेर के गजनेर में सिरेमिक हब बनना है इंडस्ट्री पनपने की पूरी संभावना है। जयपुर से ज्यादा सिरेमिक लैब की जरूरत बीकानेर में है। बीकानेर में लैब होने से आसपास के राज्य भी अपने प्रोडक्ट की टेस्टिंग यहां करवाएंगे और सरकार को रेवेन्यू मिलेगी।

राजीव कश्यप, एग्जीक्यूटिव कमेटी के सदस्य सचिव और अतिरिक्त निदेशक भूविज्ञान का कहना है कि बीकानेर में सिरेमिक लैब के संबंध में खान निदेशक को पत्र लिखकर मार्गदर्शन मांगा गया है। इस संबंध में अभी कोई स्पष्ट जवाब नहीं मिला है। दुबारा बजट के प्रस्ताव भेजे गए थे, लेकिन जवाब नहीं मिला।

नदबई में डॉक्टर और दलाल रिश्वत लेते ट्रैप

एसीबी की टीम ने वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. शशिकान्त शर्मा और उसके दलाल त्रिलोकचन्द शर्मा को गिरफ्तार किया।

- आरोप है कि मेडिकल रिपोर्ट में हैवी एमएलसी बनाने के नाम पर डॉक्टर ने दलाल के जरिए रुपये मांगे थे

भरतपुर, (निसं)। नदबई से भ्रष्टाचार का बड़ा मामला सामने आया है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की धौलपुर चौकी ने ट्रैप कार्रवाई करते हुए राजकीय चिकित्सालय नदबई के वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. शशिकान्त शर्मा और उसके दलाल त्रिलोकचन्द शर्मा उर्फ चीनू को 35 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया। आरोप है कि रिपोर्ट में हैवी एमएलसी बनाने के नाम पर डॉक्टर ने दलाल के जरिए 35 हजार रुपये की मांग की गई थी।

जानकारी के अनुसार परिवादी ने नदबई थाने में मारपीट का केस दर्ज कराया था, जिसमें परिजनों की मेडिकल रिपोर्ट नदबई अस्पताल में होनी थी। आरोप है कि मेडिकल रिपोर्ट में हैवी एमएलसी बनाने के नाम पर डॉक्टर ने दलाल के जरिए 35 हजार रुपये की मांग की। शिकायत पर एसीबी ने गोपनीय सत्यापन कराया, जिसमें आरोप सही पाए गए। इसके बाद एसीबी टीम ने जाल बिछाया। दलाल चीनू को रिश्वत लेते पकड़ा गया और राशि उसकी पैंट की जेब से बरामद हुई, जबकि डॉक्टर को सरकारी आवास से डिटेन किया गया है।

जयपुर विकास प्राधिकरण

इन्दिरा सर्किल, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर-302004

क्रमांकः जविप्रा/अधि.अभि.जोन-सी-1/2026-27/डी-87 दिनांक : 01.10.2026

बिड सूचना संख्या अधि.अभि.जोन-सी-1/02/2026-27

आयुक्त जयपुर विकास प्राधिकरण की ओर से कार्य **"Fencing work of JDA properties in Zone C-1 area, Jaipur"** कार्य में राशि रू. 24.97 लाख के लिए दिनांक 12.10.2026 सायं 6.00 बजे तक मोहरबन्द निविदा आमंत्रित की जाती है। विस्तृत विवरण को, जो कि निविदा प्रपत्र में उपलब्ध है, अद्योहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में अथवा राजस्थान सरकार के उपापन पोर्टल www.sppp.rajasthan.gov.in एवं जयपुर विकास प्राधिकरण की वेबसाईट www.jda.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

(UBN No.: JDA2627AO350)

निविदादाता को निविदा में भाग लेने हेतु आवश्यक है कि :-

1. जयपुर विकास प्राधिकरण की वेबसाइट www.jda.rajasthan.gov.in पर पंजीकृत हो। निविदा शुल्क व आर.आई.एल.एल. प्रक्रिया शुल्क केवल ऑन लाईन ही देय होगी। बिड सिक्युरिटी के संबंध में निविदा में भाग लेने हेतु विहित प्रारूप (संलग्न) में घोषणा भर कर संलग्न करें।
2. ऑनलाईन निविदा में भाग लेने हेतु राजस्थान सरकार के पोर्टल www.eproc.rajasthan.gov.in पर पंजिकृत हो

राज.संवाद/सी/26/11484 अधिशाषी अभियन्ता जोन-सी-1

डंपर की टक्कर से बाइक सवार छात्र की मौत

जयपुर। दौलतपुरा थाना क्षेत्र में गुरुवार शाम तेज रफ्तार डंपर की टक्कर से बाइक सवार कॉलेज छात्र की मौत हो गई। हादसा पोखरिया वाला पुलिया के पास शाम करीब 5:30 बजे हुआ। डंपर की टक्कर के बाद छात्र सड़क पर गिर गया और डंपर के पिछले पहिए की चपेट में आ गया। हादसे में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान प्रशांत जांगिड़ (20) के रूप में हुई है। वह सोनी का बाग, विद्याधर नगर निवासी धर्मेंद्र कुमार जांगिड़ का पुत्र था और एमिटी यूनिवर्सिटी में बीबीए का छात्र था।दौलतपुरा थानाधिकारी महेंद्र सिंह यादव ने बताया कि हादसे की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और डंपर व मोटरसाइकिल को कब्जे में ले लिया। दुर्घटना के बाद डंपर चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश कर रही है। पुलिस ने शव को कांवटिया अस्पताल के मुर्दाघर में रखवाया है। शुक्रवार को पोस्टमार्टम कराया जाएगा। पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है।

आरआईसी प्रबंधन पर भाई-भतीजावाद के आरोप, हंगामा

जयपुर । राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर (आरआईसी) में गुरुवार को कथित अव्यवस्थाओं और प्रबंधन की कार्यप्रणाली को लेकर हंगामा हो गया। कार्यक्रम से जुड़े लोगों ने प्रबंधन पर भाई-भतीजावाद के आरोप लगाते हुए विरोध जताया। इस दौरान व्यवस्थाओं को लेकर भी नाराजगी सामने आई।

विरोध कर रहे लोगों का आरोप है कि सेंटर में कार्यक्रमों के आयोजन, सुविधाओं के आवंटन और अन्य व्यवस्थाओं में पारदर्शिता का अभाव है। कुछ लोगों ने प्रबंधन पर चुनिंदा लोगों को प्राथमिकता देने और नियमों के समान रूप से पालन नहीं करने के आरोप लगाए। इसके चलते सेंटर परिसर में काफी देर तक असहज स्थिति बनी रही। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर जैसे महत्वपूर्ण संस्थान में कार्यक्रमों के संचालन और प्रबंधन में पारदर्शी व्यवस्था होनी चाहिए। उनका कहना था कि किसी भी संस्था में व्यक्तिगत पसंद-नापसंद के बजाय निर्धारित नियमों और प्रक्रियाओं के आधार पर निर्णय लिए जाने चाहिए। हंगामे के दौरान सेंटर की व्यवस्थाओं को लेकर भी सवाल उठाए गए। आरोप लगाया गया कि आयोजन संबंधी समन्वय, प्रवेश व्यवस्था और अन्य सुविधाओं में पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जा रहा है, जिससे कार्यक्रमों में आने वाले लोगों को परेशानी होती है।

'बेहतर बीज से बढ़ेगी सरसों की उपज'

जयपुर/सीकर । सरसों की बुवाई का समय नजदीक है। ऐसे में किसानों के लिए बेहतर गुणवत्ता वाले बीज का चयन और वैज्ञानिक तरीके से खेती करना उपज व आमदनी बढ़ाने में महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। एफआईसीसीआई-सीसीएस एनआईएएम की 'भारत के सरसों क्षेत्र की क्षमता का दोहन: प्रौद्योगिकी, उत्पादकता और किसान समृद्धि' रिपोर्ट में राजस्थान और हरियाणा की सरसों खेती का अध्ययन किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार सरसों उत्पादन बढ़ाने के लिए रकबा बढ़ाने के बजाय प्रति हेक्टेयर उत्पादकता बढ़ाने पर जोर देना जरूरी है। राजस्थान में सरसों की उपज 2021-22 में 1716 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर से घटकर 2025-26 में 1552 किलोग्राम रह गई, जबकि हरियाणा में 1914 से बढ़कर 2,146 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर हो गई। राजस्थान के किसानों के अनुभवों में भी संकर बीज के फायदे सामने आए हैं।

सेवानिवृत्त शिक्षिका से 80 लाख रु. साइबर ठगी में एक और बदमाश गिरफ्तार

जयपुर । अजमेर निवासी सेवानिवृत्त शिक्षिका को डिजिटल अरेस्ट का भय दिखाकर 80 लाख रुपए ठगने वाले अंतरराज्यीय साइबर गिरोह के खिलाफ केंद्रीय साइबर पुलिस थाना (आर4सी) जयपुर ने कार्रवाई करते हुए फलोदी निवासी आरोपी बजरंग को गिरफ्तार किया है। वारदात के करीब दो साल बाद हुई इस गिरफ्तारी के साथ पुलिस इस मामले में अब तक गिरोह के 29 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस (साइबर क्राइम) विजय कुमार सिंह ने बताया कि महानिदेशक पुलिस राजीव कुमार शर्मा के निर्देशन में साइबर अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत कार्रवाई की गई। जांच में आरोपी की भूमिका बैंक खातों, सिम और ठगी की रकम के लेनदेन से जुड़ी सामने आई। पुलिस के अनुसार पीड़िता ने शिकायत में बताया था कि 14 नवंबर 2024 को उसके पास एक अज्ञात व्यक्ति का फोन आया। उसने खुद को पुलिस और साइबर अपराध शाखा का अधिकारी बताया। आरोपी ने महिला को डराया कि उसके पहचान दस्तावेजों का इस्तेमाल कर 25 बैंक खातों में संदिग्ध लेनदेन किया गया है।

झालाना का ''राणा'' कहां गया?

12 दिन बाद भी वन विभाग के हाथ खाली, सर्च ऑपरेशन जारी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। झालाना लेपर्ड सफारी की पहचान बन चुके लेपर्ड राणा के लापता होने के 12 दिन बाद भी वन विभाग को उसका कोई सुराग नहीं मिला है। बुधवार को वन विभाग की टीमें दिनभर झालाना जंगल के अलग-अलग हिस्सों में राणा की तलाश करती रहीं, लेकिन कोई ठोस संकेत नहीं मिला।

- **झालाना के जंगलों में उगी घनी घास में राणा की तलाश मुश्किल हुई, अब अतिरिक्त कैमरों से होगी निगरानी**

लगातार तलाश के बावजूद राणा का पता नहीं चलने से वन्यजीव प्रेमियों की चिंता बढ़ गई है।राणा की तलाश के लिए डीएफओ आशीष व्यास, एसीएफ जितेंद्र सिंह शेखावत और रेंजर विजयपाल यादव के नेतृत्व में टीम ने जंगल के संभावित क्षेत्रों में सर्च ऑपरेशन चलाया।

एमएनआईटी के आसपास के क्षेत्र में भी वन विभाग की टीमें निगरानी कर रही हैं। विभाग अब राणा की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए अतिरिक्त कैमरा ट्रैप लगाने की तैयारी कर रहा है।

झालाना के जंगलों में लेपर्ड ''राणा'' की तलाश में वन विभाग की टीमें जुटी हुई हैं।

बारिश के बाद बढ़ी घास बनी चुनौती

डीएफओ आशीष व्यास के अनुसार हाल में हुई बारिश के बाद झालाना जंगल में घास काफी बढ़ गई है। घनी और ऊंची घास के कारण लेपर्ड की तलाश चुनौतीपूर्ण हो गई है। जंगल का क्षेत्रफल बड़ा होने के कारण प्रत्येक हिस्से की निगरानी में भी समय लग रहा है। ऐसे में कैमरा ट्रैप और अन्य निगरानी माध्यमों से राणा की मौजूदगी का पता लगाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

निगरानी और स्टाफ पर सवाल

राणा के लगातार लापता रहने के बीच झालाना जंगल की निगरानी व्यवस्था और स्टाफ की कमी का मुद्दा भी उठ रहा है। वन्यजीव प्रेमियों का कहना है कि जंगल में निगरानी व्यवस्था मजबूत करने के साथ स्टाफ की कमी दूर करने की जरूरत है। वहीं सफारी ट्रैक के रखरखाव का काम भी किया जाना है। वन विभाग के अनुसार झालाना में निगरानी व्यवस्था को और मजबूत किया जा रहा है। राणा की तलाश के लिए अतिरिक्त कैमरे लगाए जाएंगे। साथ ही स्टाफ की कमी दूर करने की दिशा में भी कार्ययोजना तैयार की जा रही है।

झालाना की पहचान बन चुके राणा के 12 दिन से दिखाई नहीं देने के बाद वन विभाग लगातार सर्च ऑपरेशन चला रहा है। जंगल के विभिन्न हिस्सों के साथ एमएनआईटी क्षेत्र में भी निगरानी की जा रही है। कैमरा ट्रैप के जरिए उसकी गतिविधियों का पता लगाने का प्रयास जारी है। फिलहाल राणा का कोई ठोस सुराग नहीं मिला है।

जर्जर बालगृह में रह रहे 80 बच्चों को अन्यत्र शिफ्ट करने की मांग

पीडब्ल्यूडी ने भवन को ''उपयोग के लिए असुरक्षित'' बताया, हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर

जयपुर। सेठी कॉलोनी स्थित सरकारी ऑब्जर्वेशन होम, प्लेस ऑफ सेफ्टी और स्पेशल होम की जर्जर इमारत में रह रहे करीब 80 बच्चों की सुरक्षा का मामला राजस्थान हाईकोर्ट की खंडपीठ में पहुंच गया है। एडवोकेट वैष्णवी के माध्यम से अनंत मिश्रा ने जनहित याचिका दायर कर बच्चों को तत्काल सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट करने की मांग की है। मामले में एडवोकेट वैष्णवी और एडवोकेट अनुतोष मिश्रा पिटीशनर की ओर से काउंसिल हैं। इस प्रकरण पर 5 अक्टूबर को न्यायाधीश महेन्द्र गोयल व न्यायाधीश भुवन गोयल ने सुनवाई की थी। अदालत ने इस मामले में राज्य सरकार से जवाब तलब किया है।

ज्ञात रहे कि अनंत मिश्रा अक्टूबर 2024 से डीएलएसए जयपुर में असिस्टेंट लीगल एड डिफेंस काउंसिल हैं। उन्होंने 15 सितंबर 2026 को सात लॉ इंटर्न्स के साथ परिसर का निरीक्षण किया था। याचिका के अनुसार परिसर में ऑब्जर्वेशन होम, प्लेस ऑफ सेफ्टी, स्पेशल होम और जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड-1 व 2 संचालित हैं। यहां करीब 80 चिल्ड्रन इन कॉन्फ्लिक्ट विद लॉ रहते हैं।

पीडब्ल्यूडी रिपोर्ट में दरारें, कमजोर नींव और खुली सरिया

याचिका में 26 मई 2026 की पीडब्ल्यूडी कमेटी की निरीक्षण रिपोर्ट का हवाला दिया गया है। इसमें भवन की स्ट्रक्चरल कंडीशन गंभीर बताते हुए कई हिस्सों में दरारें, कमजोर फाउंडेशन, जंग लगी खुली सरिया, बारिश के पानी का रिसाव तथा जर्जर प्लास्टर व टाइल्स का उल्लेख है। दीवारों में करीब डेढ़ से दो इंच तक चौड़ी दरारें भी बताई गई हैं। सीवर, टॉयलेट और बाथरूम की खराब स्थिति से सफाई व स्वास्थ्य को लेकर भी चिंता जताई गई।

10 जून 2026 की रिपोर्ट में भवन को डिलैपिडेटेड और स्ट्रक्चरल रूप से वीक बताते हुए उपयोग के लिए असुरक्षित बताया गया। इसके बाद 11 जून को ऑब्जर्वेशन होम के सुपरिंटेंडेंट ने संबंधित विभाग को पत्र लिखकर बच्चों की सुरक्षा के लिए इसे दूसरी जगह शिफ्ट करने का अनुरोध किया और दुर्घटना की आशंका जताई।

अधिकारियों को शिकायत देने के बाद हाईकोर्ट पहुंचे

याचिका के अनुसार 18 सितंबर 2026 को एडिशनल चीफ सेक्रेटरी और कमिश्नर, डायरेक्टोरेट ऑफ चाइल्ड राइट्स को भी रिप्रेजेंटेशन देकर बच्चों को सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट करने की मांग की गई, लेकिन प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई।

याचिका में जुवेनाइल जस्टिस एक्ट, 2015 के तहत बच्चों के बेस्ट इंटरेस्ट, सुरक्षा, गरिमा और सुरक्षित वातावरण के प्रावधानों तथा राजस्थान हाईकोर्ट के 27 जनवरी 2016 के निर्देशों का हवाला दिया गया है। हाईकोर्ट से तीनों संस्थानों को तत्काल सुरक्षित और उपयुक्त स्थान पर स्थानांतरित करने तथा सुनवाई के दौरान अंतरिम रूप से बच्चों को सुरक्षित जगह शिफ्ट करने के निर्देश देने की मांग की गई है।

'पीएम-जनमन से जनजातीय क्षेत्रों में विकास को गति'

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (पीवीटीजी) को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम-जनमन) के तहत आधारभूत सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। बारां जिले के किशनगंज, शाहबाद सहित 8 ब्लॉकों में सहरिया पीवीटीजी समुदाय को आवास, सड़क, पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली और आंगनबाड़ी जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। राजस्थान में सहरिया पीवीटीजी की आबादी करीब 1.30 लाख है, जो बारां की 149 ग्राम पंचायतों के 324 राजस्व गांवों में निवास करती है।पीएम-जनमन के तहत प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण में 14,671 आवास पूर्ण हो चुके हैं। 4 हजार से अधिक परिवारों को नल कनेक्शन और 16 हजार से अधिक पात्र वंचित परिवारों को विद्युत कनेक्शन जारी किए गए हैं। जनजातीय क्षेत्रों में सड़क संपर्क मजबूत करने के लिए 22 सड़कों का काम भी पूरा हो चुका है।

पीएम-जनमन के तहत 15 मल्टीपर्पज सेंटर, 51 आंगनबाड़ी केंद्र और 51 वन-धन केंद्र संचालित हैं। दो छात्रावासों का कार्य पूरा हो चुका है, जबकि 19 अन्य छात्रावास जून 2027 तक पूरे किए जाएंगे। आरएसएलडीसी ने 621 लोगों को कौशल विकास प्रशिक्षण दिया है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की 8 मोबाइल मेडिकल यूनिट (एमएमयू) दूरस्थ जनजातीय क्षेत्रों में सेवाएं दे रही हैं।

कांग्रेस का चुनाव आयोग के खिलाफ प्रदर्शन सुर्खियों में बने रहने की कोशिश : मदन राठौड़

जयपुर, । भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने दिल्ली में कांग्रेस के चुनाव आयोग के खिलाफ प्रदर्शन को लेकर कहा कि यदि कांग्रेस को आयोग से शिकायत है तो निर्धारित प्रक्रिया के तहत 5 से 7 लोगों का प्रतिनिधिमंडल समय लेकर अधिकारियों से मिल सकता है। इसके बजाय 300-400 लोगों को लेकर प्रदर्शन करना केवल राजनीतिक नौटंकी और सुर्खियों में बने रहने का प्रयास है। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रदर्शन से न तो निर्वाचन आयुक्त के खिलाफ कार्रवाई होगी और न चुनाव प्रक्रिया पर कोई प्रभाव पड़ेगा। राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस लोकतांत्रिक और संवैधानिक संस्थाओं पर विश्वास रखते हुए निर्धारित प्रक्रिया के तहत अपनी बात रखे। उन्होंने आरोप लगाया कि विरोध प्रदर्शनों के जरिए जनता में भ्रम पैदा करने और उसे भड़काने का प्रयास किया जा रहा है।

- **भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने कहा कि, ''300-400 लोगों के साथ प्रदर्शन राजनीतिक नौटंकी है।'' उन्होंने राहुल गांधी के द्वारा महिला पुलिसकर्मी से व्यवहार पर भी सवाल उठाए।**

राहुल गांधी के व्यवहार पर सवाल

राठौड़ ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के महिला पुलिसकर्मी के साथ व्यवहार को लेकर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक जीवन में रहने वाले नेताओं से मर्यादित और गरिमापूर्ण आचरण की अपेक्षा होती है। महिला पुलिसकर्मी की पीठ पर हाथ रखने को उन्होंने निंदनीय बताते हुए कहा कि ऐसा व्यवहार संस्कारों और मर्यादा के अभाव को दर्शाता है।

राठौड़ कांग्रेस की एकजुटता पर निशाना साधा

कांग्रेस नेताओं के एकजुटता के दावों पर मदन राठौड़ ने कहा कि ''हम सब एक हैं'' कहने की जरूरत उसी को पड़ती है, जिसके मन में संदेह होता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता एक फोटो फ्रेम के लिए साथ खड़े हो रहे हैं, जबकि उनके बयानों और गतिविधियों से पार्टी के भीतर की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो रही है। रंधावा द्वारा सचिन पायलट से बयान देने की बात और मना करने पर उन्हें पकड़कर लाने की चर्चा का हवाला देते हुए उन्होंने सवाल किया कि क्या कांग्रेस नेता सचिन पायलट को बच्चा समझते हैं।

300 कि.मी. पीछा कर दो वाहन चोर दबोचे

जयपुर। आमेर पुलिस ने वाहन चोरी की वारदात का खुलासा करते हुए दो शातिर वाहन चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने करीब 150 सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालने के बाद चोरी किए गए महिंद्रा ट्रैक्टर-टैंकर का करीब 300 किलोमीटर तक पीछा किया और भीलवाड़ा से दोनों आरोपियों को दबोच लिया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी का ट्रैक्टर-टैंकर बरामद कर लिया है। पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर करन शर्मा ने बताया कि आमेर थाना पुलिस ने वाहन चोरी की वारदात का खुलासा करते हुए पीयूष खोयर (32) निवासी रामगंज जयपुर तथा कैलाश मीणा (41) निवासी आमेर जयपुर को गिरफ्तार किया गया है।

शोक जताया

जयपुर । राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने भारतीय फिल्म अभिनेता नाना पाटेकर के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। बागडे ने कहा कि नाना पाटेकर केवल अभिनेता ही नहीं थे वह समाज को जागरूक करने, राष्ट्र प्रेम जगाने से जुड़े अहम व्यक्तित्व थे। उनका निधन हिंदी और मराठी फिल्म जगत की अपूरणीय क्षति है।

सकारात्मक नजरिया और सत्यनिष्ठा फोटोजर्नलिज्म की कसौटी : मंत्री खर्रा

जयपुर । यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने कहा कि सोशल मीडिया और एआई के बढ़ते प्रभाव के दौर में फोटोजर्नलिज्म में सकारात्मक नजरिया और सत्यनिष्ठा बनाए रखना जरूरी है। वे ईमैजिन फोटो जर्नलिस्ट सोसायटी की ओर से आरआईसी में आयोजित 12वें जयपुर फोटोजर्नलिज्म सेमिनार में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने जेन जी फोटोजर्नलिस्टों से नकारात्मक नजरिए से दूर रहने का आग्रह किया। सेमिनार में इंडिया टुडे के उपसंपादक रोहित परिहार ने पत्रकारों और फोटोजर्नलिस्टों के लिए आत्मरक्षा को प्राथमिकता देने की बात कही। डॉ. रमा माया सोलंकी ने ईमानदारी और गहन अध्ययन को सफलता का आधार बताया। अयोध्या प्रसाद गौड़ ने एआई से तैयार फर्जी फोटो और समाचार सामग्री से सावधान रहने की सलाह दी। दैनिक भास्कर के स्टेट एडिटर मुकेश माथुर ने कहा कि ग्राउंड रिपोर्टिंग, साक्षात्कार और फोटोग्राफी में मानवीय भूमिका को एआई प्रतिस्थापित नहीं कर सकता। हेमजीत मालू, पुरुषोत्तम दिवाकर, धरम कुलरिया, अंशुमान शास्त्री, नीरू यादव और विशाल स्वामी ने भी फोटोजर्नलिज्म में तकनीकी बदलाव और नए आयामों पर विचार रखे। सोसायटी की डायरेक्टर लीला दिवाकर ने आभार जताया।

शिखर सम्मेलन में शामिल हुईं उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी

नई दिल्ली। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने नई दिल्ली में केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी की अध्यक्षता में आयोजित विभागीय शिखर सम्मेलन में सहभागिता की। इस दौरान उन्होंने राजस्थान सहित विभिन्न राज्यों में महिला सशक्तिकरण, बाल कल्याण, बालिका शिक्षा, पोषण एवं आंगनबाड़ी सेवाओं के क्षेत्र में किए जा रहे उल्लेखनीय कार्यों और नवाचारों को साझा किया।उपमुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में मातृशक्ति को सशक्त बनाने, बेटियों की शिक्षा को बढ़ावा देने तथा बच्चों के स्वस्थ एवं सुरक्षित भविष्य के निर्माण के लिए निरंतर प्रभावी प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने राजस्थान सरकार की प्राथमिकताओं को रेखांकित करते हुए कहा कि प्रदेश की हर बेटी को शिक्षा और आगे बढ़ने के समान अवसर उपलब्ध कराना सरकार का संकल्प है। साथ ही प्रत्येक महिला और बच्चे के लिए सुरक्षित, स्वस्थ एवं उज्ज्वल भविष्य सुनिश्चित करने की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है। शिखर सम्मेलन में महिला एवं बाल विकास से जुड़े विभिन्न विषयों, योजनाओं, नवाचारों और राज्यों में किए जा रहे कार्यों पर चर्चा हुई।

एसआईआर और ''वोट चोरी'' के खिलाफ कांग्रेस का प्रदर्शन

10 अक्टूबर को 50 हजार कार्यकर्ता करेंगे दिल्ली कूच : डोटासरा

जयपुर (कासं)। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में कथित गड़बड़ी और वोट चोरी के आरोपों के खिलाफ कांग्रेस के देशव्यापी आंदोलन के तहत गुरूवार को प्रदेशभर के जिला मुख्यालयों पर प्रदर्शन हुए। जयपुर में शहर कांग्रेस की ओर से कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शनकारियों ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की। प्रदर्शन में समाजवादी पार्टी और वामदलों के कार्यकर्ताओं ने भी हिस्सा लिया।

प्रदर्शन में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, प्रदेश प्रभारी पुखराज पाराशर, पूर्व मंत्री बीडी कल्ला, विधायक रफीक खान सहित कई कांग्रेस नेता मौजूद रहे। करीब डेढ़ घंटे तक केंद्र की मोदी सरकार के खिलाफ नारेबाजी की गई। प्रदर्शन के चलते कलेक्ट्रेट के आसपास

यातायात प्रभावित रहा और जाम की स्थिति बन गई।

प्रदर्शन के बाद डोटासरा और जूली ने कार्यकर्ताओं से 10 अक्टूबर को दिल्ली कूच करने का आ ान किया। डोटासरा ने कहा कि दिल्ली में आंदोलन कर रहे नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के साथ सम्मानजनक व्यवहार नहीं किया जा रहा है। राहुल गांधी केवल कथित वोट चोरी की जांच और दोषियों को हटाने की मांग कर रहे हैं। उनकी बात सुनी जानी चाहिए।

डोटासरा ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी और इंडिया गठबंधन के सांसद मुख्य चुनाव आयुक्त से मिलने जा रहे थे, लेकिन उन्हें मिलने नहीं दिया जा रहा और सड़कों पर घसीटा जा रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस गांधीवादी तरीके से आंदोलन करेगी। डोटासरा ने कहा कि कांग्रेस ने देश की आजादी के लिए अंग्रेजों से लड़ाई लड़ी और उन्हें देश से बाहर किया, ऐसे में मोदी-शाह क्या चीज हैं।

उन्होंने कहा कि 10 अक्टूबर को दिल्ली के जंतर-मंतर पर बड़ा आंदोलन होगा। डोटासरा ने दावा किया कि राजस्थान से करीब 50 हजार कार्यकर्ता दिल्ली कूच करेंगे। उन्होंने कहा कि आंदोलन इतना बड़ा होगा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इस्तीफा तक देना पड़ा सकता है।

एसआईआर में कथित गड़बड़ी और वोट चोरी के आरोपों के खिलाफ कांग्रेस ने जयपुर कलेक्ट्रेट पर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का पुतला फूंका।

'क्या चुनाव आयुक्त विदेशी हैं?'

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि देश के नेता प्रतिपक्ष के साथ मारपीट और धक्का-मुक्की की जा रही है तथा उन्हें सड़कों पर घसीटा जा रहा है। उन्होंने सवाल किया, क्या चुनाव आयुक्त विदेशी हैं, जो उनसे नहीं मिल सकते? जूली ने कहा कि देश का आम जनप्रतिनिधि और आम नागरिक भी चुनाव आयोग जाकर मिल सकता है।

जूली ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार गुंडागर्दी कर रही है और विरोध करने वालों के चारों तरफ पुलिस का पहरा लगा दिया जाता है। उन्होंने कहा कि संविधान ने लोगों को विरोध करने का अधिकार दिया है। जब सरकार लोगों की बात नहीं सुनती तो जनता को मजबूती से सड़कों पर उतरना पड़ता है।

'राहुल गांधी से बात करें चुनाव आयुक्त'

पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने कहा कि उन्होंने पहले कभी नहीं देखा कि देश के नेता प्रतिपक्ष को सड़कों पर घसीटा जा रहा हो और उनके साथ धक्का-मुक्की की जा रही हो।

उन्होंने सवाल उठाया कि सरकार की जिम्मेदारी नहीं है कि नेता प्रतिपक्ष की सुरक्षा बढ़ाई जाए। खाचरियावास ने कहा कि सरकार किसी की बात नहीं सुन रही है, ऐसे में देश कैसे चलेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि जंतर-मंतर पर भी किसी को खड़ा नहीं होने दिया जा रहा। उन्होंने कहा कि सरकार की जिम्मेदारी है कि कोई मंत्री राहुल गांधी से जाकर बात करे। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को भी राहुल गांधी से बात करनी चाहिए और नेता प्रतिपक्ष को विश्वास में लिया जाना चाहिए।

वरिष्ठ पत्रकार प्रो.रमेश जैन का निधन

जयपुर । राजस्थान में पत्रकारिता एवं जनसंचार शिक्षा के पुरोधा, शिक्षाविद्, लेखक एवं वरिष्ठ पत्रकार प्रो. रमेश जैन का 84 वर्ष की आयु में बुधवार रात निधन हो गया। गुरुवार को उनके अंतिम संस्कार में पत्रकारिता एवं उच्च शिक्षा जगत से जुड़े लोगों, विद्यार्थियों और गणमान्य नागरिकों ने श्रद्धांजलि दी। प्रो. जैन राजस्थान में पत्रकारिता शिक्षा के प्रथम प्रोफेसर रहे। राजस्थान विश्वविद्यालय तथा वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा में पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के अध्यक्ष रहे। उनका पत्रकारिता जीवन 1967 में दैनिक राष्ट्रदूत से शुरू हुआ। इसके बाद हिन्दुस्तान समाचार समिति, जयपुर और नई दिल्ली में समाचार सम्पादक (डेस्क इंचार्ज) के रूप में कार्य किया। वर्ष 1981 से 1988 तक राजस्थान विश्वविद्यालय के पत्राचार अध्ययन संस्थान में पत्रकारिता विभाग के प्रभारी एवं सहायक प्रोफेसर रहे और पत्रकारिता में पीजी डिप्लोमा शुरू कराया। 1988 से 2002 तक वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय में विभागाध्यक्ष रहते हुए बीजेएमसी, एमजेएमसी और पत्रकारिता एवं जनसंचार में पीएचडी पाठ्यक्रम शुरू कराए। प्रो. जैन ने पत्रकारिता एवं जनसंचार पर 35 से अधिक पुस्तकें लिखीं। ''जनसंचार विश्वकोश'' और ''हिन्दी पत्रकारिता का आलोचनात्मक इतिहास'' उनकी प्रमुख कृतियां रहीं। उन्हें भारतेन्दु हरिश्चन्द्र राष्ट्रीय पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया।

एसआईआर की निष्पक्ष जांच की मांग

जयपुर। वेलफेयर पार्टी ऑफ इंडिया, राजस्थान ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया और मतदाता सूची में बदलावों को लेकर पारदर्शिता व जवाबदेही की मांग की है। पार्टी महासचिव ए. सुब्रमणि ने कहा कि मतदाता सूची लोकतंत्र की बुनियाद है और किसी पात्र नागरिक का नाम हटना उसके मतदान के संवैधानिक अधिकार को प्रभावित करता है। उन्होंने एसआईआर के दौरान पुराने दस्तावेज और रिकॉर्ड जुटाने, विशेषकर 2002 की मतदाता सूची के आधार पर पात्रता साबित करने की प्रक्रिया पर चुनाव आयोग से स्पष्ट जवाब मांगा। पार्टी ने सवाल उठाया कि यदि पात्र नागरिक को बाद में नाम दोबारा जुड़वाने का अवसर दिया जा सकता है तो पहले नाम हटाने की जरूरत क्यों पड़ी। प्रदेश अध्यक्ष वकार अहमद ने मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियों और 'वोट चोरी' के आरोपों की स्वतंत्र, निष्पक्ष व विश्वसनीय जांच की मांग की।

सार-समाचार

आचार संहिता के बीच अवैध शराब पर पुलिस की कार्रवाई, 89 पव्वे जब्त

मुकुंदगढ़ (निसं)। पंचायत आम चुनाव-2026 की आदर्श आचार संहिता के दौरान अवैध शराब की बिक्री के खिलाफ मुकुंदगढ़ थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 89 पव्वे अवैध देशी शराब जब्त की है। पुलिस ने मौके से हेमसिंह पुत्र शेरसिंह (40), निवासी नाहरसिंघानी, थाना मुकुंदगढ़ को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार पुलिस अधीक्षक कावेंद्र सिंह सागर के निर्देश पर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुख्यालय देवेंद्र सिंह राजावत के मार्गदर्शन, नवलगढ़ वृत्ताधिकारी सुगन सिंह के सुपरविजन तथा मुकुंदगढ़ थानाधिकारी गोपालसिंह थालोर के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। पुलिस टीम को मुखबिर से सूचना मिली थी कि नाहरसिंघानी से कैरू जाने वाले रास्ते पर अवैध रूप से देशी शराब बेची जा रही है। सूचना पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मौके पर पहुंचकर हेमसिंह को पकड़ा। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 89 पव्वे अवैध देशी शराब बरामद हुए, जिन्हें पुलिस ने जब्त कर लिया। आरोपी को गिरफ्तार कर मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। कार्रवाई करने वाली टीम में मुकुंदगढ़ थानाधिकारी गोपालसिंह थालोर, एएसआई कुलदीप सिंह, एएसआई सुरेंद्र कुमार, हेड कांस्टेबल विकास कुमार, कांस्टेबल रवि कुमार तथा कांस्टेबल शिवप्रसाद शामिल रहे।

रतनगढ़ में सीवरेज परियोजना पर सामुदायिक बैठक आयोजित

रतनगढ़ (निसं)। आरयूआईडीपी की ओर से वार्ड 10 स्थित रैगर बस्ती के गंगा माता मंदिर परिसर में सीवरेज परियोजना को लेकर सामुदायिक बैठक आयोजित हुई। पार्षद जुगल किशोर की अध्यक्षता में हुई बैठक में जयपुर कैप से आए डिप्टी टीम लीडर अनिल सिंह एवं सामुदायिक विशेषज्ञ सौरभ पांडे ने परियोजना की प्रगति, घरेलू कनेक्शन के लाभ एवं जनभागीदारी की जानकारी दी।पार्षद व मोहल्लेवासियों ने शेष घरों को शीघ्र सीवरेज कनेक्शन से जोड़ने की मांग की। अनिल सिंह ने शिकायत के लिए टोल-फ्री नंबर एवं नगरपालिका स्थित उपभोक्ता सेवा केंद्र की जानकारी दी। बैठक का संचालन प्रवीण सिंह राठौड़ ने किया।

सेवा सेतु अभियान में आवासन मंडल की विभिन्न छूटों का लाभ 16 तक

हनुमानगढ़ (निसं)। सेवा सेतु अभियान-2026 के तहत राजस्थान आवासन मंडल द्वारा आवंटियों को विभिन्न प्रकार की छूट एवं सुविधाएं 16 अक्टूबर, 2026 तक उपलब्ध कराई जा रही हैं। आर्थिक दृष्टि से कमजोर आय वर्ग (ईडब्ल्यूएस) एवं अल्प आय वर्ग (एलआईजी) के ऐसे आवंटी, जिन्होंने मासिक किश्त समय पर जमा नहीं कराई है, उन्हें ब्याज एवं शास्ति में 100 प्रतिशत छूट का लाभ दिया जा रहा है। आवासन मंडल के सभी श्रेणी के आवासों पर लीज राशि एकमुश्त जमा कराने पर बकाया लीज राशि में 60 प्रतिशत छूट तथा लीज राशि पर शास्ति में 100 प्रतिशत छूट दी जा रही है। राजस्थान आवासन मंडल, हनुमानगढ़ के आवासीय अभियंता विनोद पचार ने बताया कि मंडल द्वारा पंजीयन के बाद किए जाने वाले नामांतरण में नामांतरण शुल्क पर भी 50 प्रतिशत छूट का प्रावधान किया गया है। पूर्व में मासिक किश्त समय पर जमा नहीं कराने वाले आवंटियों को आवासन मंडल की ओर से समय-समय पर नोटिस जारी किए गए थे। अब सेवा सेतु अभियान के तहत ऐसे आवंटियों को ब्याज एवं शास्ति में छूट का लाभ दिया जा रहा है।

784 गर्भवती और 3426 बच्चों को जीवनरक्षक टीके लगाए

सीकर (निसं)। स्वास्थ्य विभाग की ओर से जिले की गर्भवती महिलाओं की सेहत पर लगातार नजर रखी जा रही है। विभाग की ओर से गुरूवार को मनाए गए मातृ शिशु स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस पर स्वास्थ्य कर्मियों व चिकित्सकों ने गर्भवती की सेहत का परीक्षण किया। वहीं बच्चों को विभिन्न बीमारियों से बचाव के टीके लगाए गए। जिला व ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों ने टीकाकरण स्थल व चिकित्सा संस्थानों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। जिला प्रजनन एवं शिशु स्वास्थ्य अधिकारी डॉ विशाल सिंह ने बताया कि एमसीएचएन दिवस पर स्वास्थ्य कर्मियों ने बच्चों को पीलिया, टीबी, हैपेटाइटिस बी, गलघोंटू, काली खांसी, निमोनिया, टिटनेस, मैनिनजाइटिस खसरा और रूबले, रोटा, दस्त आदि रोगों से बचाव के लिए टीके लगाए और गर्भवती महिलाओं को प्रसवपूर्व देखभाल के बारे में जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि गुरूवार को जिले में 405 टीकाकरण सेशन पर 784 गर्भवती महिलाओं तथा 3 हजार 426 बच्चों को टीके लगाए गए।

छात्र आत्महत्या प्रकरण में न्याय की मांग

तारानगर (निसं)। राजस्थान शिक्षक संघ शाखा ने गुरुवार को निजी स्कूल में अध्ययनरत छात्र तरुण मेघवाल आत्महत्या प्रकरण की न्यायिक जांच करवाने, दोषी के विरुद्ध आवश्यक कार्यवाही करने व पीड़ित परिवार को उचित न्याय दिलवाने की मांग को लेकर कलेक्टर के नाम एसडीएम को ज्ञापन दिया। ज्ञापन देने वालों में संगठन अध्यक्ष भगवानाराम घोटड़, जेठाराम पटीर, सुरेश जोईया, काशीराम मेघवाल, राजेश कलिया, प्रताप कलिया, विनोद मेहरा, ग्यारसीलाल गोठवाल, हरपाल सिंह, धर्मेंद्र रोलन, सुनील खींची, मुकेश छापरवाल, मुंशीलाल मेहरा, ताराचंद, धर्मपाल, गिरधारी बामणिया आदि शामिल थे।

सीकर जिले में मकान मालिक ने नाबालिग लड़की का बलात्कार किया

सीकर (निसं)। सीकर जिले में 15 साल की नाबालिग लड़की से रेप का मामला सामने आया है। रेप करने वाला कोई और नहीं बल्कि मकान मालिक ही है, जिसने 3 दिन तक नाबालिग लड़की को बंधक बनाकर रेप किया। घटना के बारे में किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी। नाबालिग लड़की की मां ने पुलिस में मुकदमा दर्ज करवाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। 15 साल की नाबालिग लड़की की मां ने पुलिस में शिकायत देकर बताया कि वह पिछले करीब 2 साल से सीकर जिले में एक किराए के मकान पर अपनी 15 साल की बेटी के साथ रहती है। हाल ही में उनका मकान मालिक उनकी बेटी को अपने साथ लेकर चला गया था। बेटी उसके चंगुल से बचकर आई। इसके बाद वह सहमी सी रही। इसके बाद जब मां ने उससे पूछा तो उसने बताया कि अंकल उसे अपने साथ लेकर गए और 3 दिन तक बंधक बनाकर एक जगह रेप किया। घटना के बारे में किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी। अब पुलिस ने पॉक्सो सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोपी मकान मालिक के एक साथी ने भी इस वारदात में उसका सहयोग किया। इसके खिलाफ भी पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। मामले की जांच रैंक के ऑफिसर कर रहे हैं।

झुंझुनूं में उपभोक्ता न्याय के प्रहरी बने मनोज कुमार मील

झुंझुनूं (निसं)। उपभोक्ता अधिकारों की रक्षा और त्वरित न्याय के संकल्प के साथ जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग, झुंझुनूं में लगातार न्यायिक सेवा दे रहे आयोग के अध्यक्ष मनोज कुमार मील ने 2500 दिवस की सेवा-न्यायिक कार्यावधि पूरी कर एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। सदस्य एवं अध्यक्ष के रूप में अपनी सेवा अवधि के दौरान मील के कार्यकाल में 5058 प्रकरणों का निस्तारण हुआ। उनकी इस उपलब्धि पर गुरूवार को जागरूक उपभोक्ताओं और युवाओं ने आयोग परिसर में रंगोली बनाकर आभार जताया।

झुंझुनूं उपभोक्ता आयोग में 2500 दिवस की सेवा पूरी होने पर रंगोली बनाकर उपभोक्ता जागरूकता का संदेश देते जागरूक उपभोक्ता व युवा।

- झुंझुनूं उपभोक्ता आयोग के अध्यक्ष के नाम अनूठी उपलब्धि, सदस्य रहे उसी आयोग में अध्यक्ष बनने वाले देश के पहले व्यक्ति का दावा, जागरूक उपभोक्ताओं ने रंगोली बनाकर आभार जताया

मनोज कुमार मील ने 4 दिसंबर 2019 को जिला उपभोक्ता आयोग, झुंझुनूं में सदस्य के रूप में शपथ लेकर कार्यभार संभाला था। करीब साढ़े तीन वर्ष तक सदस्य के रूप में सेवाएं देने के बाद राजस्थान उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली चयन समिति की अभिशंषा पर राजस्थान सरकार के उपभोक्ता मामले विभाग के नियुक्ति आदेश के तहत 14 मार्च 2023 को उन्होंने इसी आयोग के अध्यक्ष का पदभार ग्रहण किया तथा संविधान की शपथ ली। सदस्य से उसी आयोग के अध्यक्ष बनने का अनूठा रिकॉर्ड - मनोज कुमार मील की उपलब्धि इसलिए भी विशेष बताई जा रही है कि सदस्य के रूप में कार्य करते हुए उसी उपभोक्ता आयोग के अध्यक्ष पद पर नियुक्त होने वाले देश के पहले और एकमात्र व्यक्ति होने का रिकॉर्ड उनके नाम दर्ज है। अब सदस्य एवं अध्यक्ष के रूप में लगातार 2500 दिवस की सेवा-न्यायिक कार्यावधि पूरी करना भी उनके कार्यकाल की एक और उल्लेखनीय उपलब्धि बन गया है। मील के कार्यकाल में उपभोक्ता न्याय को केवल अदालत तक सीमित रखने के बजाय आमजन तक पहुंचाने पर भी जोर दिया गया। आयोग में न्याय टेबल, रात्रि उपभोक्ता चौपाल, उपभोक्ता न्यायोत्सव और अवकाश दिवस पर सुनवाई जैसे नवाचार किए गए। इन प्रयासों का उद्देश्य आम उपभोक्ता को उसके अधिकारों और कानूनी संरक्षण के प्रति जागरूक करने के साथ न्यायिक प्रक्रिया को अधिक सुलभ बनाना रहा।

इसी क्रम में प्रथम राष्ट्रीय उपभोक्ता संसद के आयोजन को भी उनके कार्यकाल की प्रमुख उपलब्धियों में शामिल किया गया।

उपभोक्ता संरक्षण को जनजागरूकता से जोड़ते हुए खरीदारी के समय बिल लेने, उपभोक्ता अधिकारों के प्रति सजग रहने तथा किसी प्रकार की अनुचित स्थिति में कानूनी संरक्षण लेने के लिए लोगों को प्रेरित किया गया। 3.50 लाख लोगों को दिलाई उपभोक्ता अधिकारों की शपथ - उपभोक्ता न्यायोत्सव के तहत करीब 3.50 लाख लोगों को उपभोक्ता संरक्षण के प्रति जागरूक करते हुए शपथ दिलाई गई।

मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग पर कांग्रेस का विरोध मार्च, पुतला दहन

चूरू (कासं)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार बुधवार को चूरू जिला कांग्रेस कमेटी तथा चूरू शहर एवं देहात ब्लॉक कांग्रेस कमेटियों के संयुक्त तत्वावधान में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया गया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जिला मुख्यालय स्थित आपणी योजना कार्यालय के पास विरोध मार्च निकालकर मुख्य चुनाव आयुक्त का पुतला दहन किया।

इस दौरान कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार और निर्वाचन आयोग के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग उठाई।विरोध प्रदर्शन को संबोधित करते हुए चूरू जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष एवं सुजानगढ़ विधायक मनोज मेघवाल ने कहा कि कांग्रेस पार्टी देश में मताधिकार की रक्षा और संवैधानिक व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के लिए संघर्ष कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग में अन्य आयुक्तों की आपत्तियों को दरकिनार कर निर्णय लिए जा रहे हैं। उन्होंने मतदाता सूची के पुनरीक्षण और कांग्रेस द्वारा उठाए जा रहे कथित 'वोट चोरी' के मुद्दे का उल्लेख करते हुए मुख्य निर्वाचन आयुक्त के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

मेघवाल ने मुख्य चुनाव आयुक्त की गिरफ्तारी की मांग भी उठाई। रतनगढ़ विधायक पूसाराम गोदारा ने कहा कि भाजपा सरकार द्वारा प्रशासन को आगे करके विपक्षी नेताओं तथा छात्र-छात्राओं के साथ जिस तरह का व्यवहार किया जा रहा है।

उत्तर पश्चिम रेलवे

ई-निविदा सूचना

डी.आर.एम. / बिजली, उ. प. रे. जोधपुर द्वारा भारत के राष्ट्रपति के वास्ते एवं मंडल की ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा आंमत्रित करते है। **1. सम्पूर्ण जानकारी के लिए वेबसाइट का पता : http://www.ireps.gov.in 2. ई-निविदाएं प्रस्तुत करने की तिथि व समय : 29.10.2026 को 15.00 बजे तक 3. ई-निविदाएं खोलने की तिथि व समय : 29.10.2026 को 15.00 बजे के बाद निविदा संख्या : 09R2/2026-27 कार्य का विवरण** : Electrical work in c/w provision of S&T service building for interlocking of 08 Nos. of manned LC gates i.e. LC-143, 147A, 147, 137 in MTD-JU Section, LC-25, 18,16 in LN-MJ section and LC-80 in RTGH-DNA section over Jodhpur Division. **अनुमानित लागत :** रू. 2173257.76 विस्तृत जानकारी हेतु कृपया http://www.ireps.gov.in पर विजिट करें ।

1446-DE/26

हमें /NWRailways NWRailways_पर फॉलो करें

सिंहोड़ को पंचायत समिति में शामिल करने पर विरोध

खेतड़ी (निसं)। नवगठित पंचायत समिति बबाई में ग्राम पंचायत सिंहोड़ को शामिल किए जाने के प्रस्ताव के विरोध में राजीविका महिला सदस्यों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं ग्रामीणों ने मोर्चा खोल दिया है। ग्रामीणों ने जिला कलैक्टर एवं उपखंड अधिकारी के नाम ज्ञापन सौंपकर सिंहोड़ ग्राम पंचायत को पंचायत समिति खेतड़ी में ही यथावत रखने की मांग की। साथ ही मांग नहीं माने जाने पर आंदोलन की चेतावनी दी। ज्ञापन में बताया गया कि ग्राम पंचायत सिंहोड़ वर्तमान में पंचायत समिति खेतड़ी के अधीन आती है। अब नवगठित पंचायत समिति बबाई में सिंहोड़ को शामिल करने का प्रस्ताव सामने आया है। ग्रामीणों का कहना है कि सिंहोड़ को बबाई पंचायत समिति में शामिल करने से क्षेत्र के लोगों की परेशानियां बढ़ जाएंगी। उन्हें विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ लेने, प्रमाण-पत्र बनवाने तथा पंचायत समिति स्तर के अन्य कार्यों के लिए अधिक दूरी तय करनी पड़ेगी।

एसआईआर में गड़बड़ी के आरोपों पर कांग्रेस ने 'काला दिवस' मनाया

झुंझुनूं (निसं)। एसआईआर में कथित गड़बड़ियों तथा चुनावी तंत्र के दुरूपयोग के आरोपों को लेकर कांग्रेस ने गुरूवार को देशव्यापी 'काला दिवस' मनाया। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के निर्देश एवं प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आव्हान पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी झुंझुनूं एवं गिडानिया के संयुक्त तत्वावधान में जिला कलेक्ट्रेट पर विरोध प्रदर्शन किया गया। इस दौरान कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का पुतला दहन कर चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली के प्रति विरोध दर्ज कराया। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी एवं इंडिया गठबंधन के सांसदों के साथ दिल्ली में शांतिपूर्ण प्रदर्शन के दौरान पुलिस द्वारा किए गए कथित दुर्व्यवहार के विरोध में नारेबाजी की। कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि चुनाव प्रक्रिया को लेकर विपक्ष की ओर से उठाए जा रहे सवालों का समाधान पारदर्शिता एवं निष्पक्षता के साथ किया जाना चाहिए। झुंझुनूं ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अजमत अली ने कहा कि विपक्ष के नेताओं के साथ हुआ कथित दुर्व्यवहार संविधान और लोकतंत्र की भावना के विपरीत है। कांग्रेस इस मुद्दे को लेकर सड़क से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक आवाज उठाती रहेगी। नगर परिषद सभापति अब्दुल्ला अगवान ने कहा कि राहुल गांधी और इंडिया गठबंधन के सांसद लोकतंत्र एवं संविधान की रक्षा को लेकर लगातार अपनी बात रख रहे हैं। उन्होंने कहा कि विपक्ष की ओर से उठाए जा रहे सवालों का जवाब दिया जाना चाहिए और शांतिपूर्ण आंदोलनों को दबाने के बजाय लोकतांत्रिक तरीके से संवाद किया जाना चाहिए। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कहा कि लोकतंत्र में शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन विपक्ष का संवैधानिक अधिकार है। उन्होंने चुनाव व्यवस्था में पारदर्शिता एवं निष्पक्षता सुनिश्चित करने की मांग उठाई। प्रदर्शन में उपसभापति वीरेंद्र डारा, पूर्व पालिका अध्यक्ष तैयब अली, पूर्व उपसभापति राकेश झाझड़िया, ओबीसी कांग्रेस जिला अध्यक्ष संतोष सैनी, पार्षद उमर कुरेशी, जुल्फिकार खोखर, एडवोकेट अख्तर, राहुल जेदिया, तौफीक सैयद, जुबेर सैयद, राजकुमार डिठावाल, पूर्व पार्षद आजम भाटी, पूर्व पार्षद इलियास, पूर्व पार्षद कैलाश कुमावत, मंडल अध्यक्ष ताराचंद सैनी, एडवोकेट दीपक सिलाईच, यूथ कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष मोहम्मद सोहेल, युवा कांग्रेस महासचिव दिलशाद, तनवीर फारूकी, मोहम्मद आवेश शाहिद सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

- सीईसी ज्ञानेश कुमार का पुतला फूंका, राहुल गांधी व इंडिया गठबंधन के सांसदों से कथित दुर्व्यवहार के विरोध में आक्रोश जताया

वन्य जीवों के संरक्षण पर प्रेज़ेंटेशन दिया

लक्ष्मणगढ़ शेखावाटी। मोहिनी देवी गोयनका महिला महाविद्यालय में गुरुवार को वनस्पति विज्ञान विभाग और जीव विज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वाधान में जैव विविधता और वन्यजीवों के संरक्षण पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं ने पोस्टर के माध्यम से प्रेजेंटेशन दिया। जैव विविधता का महत्व, इसके प्रकार, इसके विनाश के कारण, और संरक्षण के उपायों, वन्यजीवों का संरक्षण जलीय जीवों का संरक्षण, पर्यावरण प्रदूषण और जैव विविधता पर इसका प्रभाव आदि पर छात्राओं ने विचार अभिव्यक्त किया। इस अवसर पर छात्राओं को एक डॉक्यूमेंट्री दिखाई गई जिसमें गिद्धों के संरक्षण और उनके विलुप्त प्रजाति को बचाए जाने के प्रयासों की जानकारी दी गई। जीव विज्ञान के प्रवक्ता पंकज बराडिया ने जैव विविधता के लिए किए जा रहे विश्व स्तर पर प्रयासों की जानकारी छात्राओं को दी।

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी महोदय चूरू (राज.)

प्रकरण संख्या वर्ष सुनवाई तिथि

सुरेंद्र जांगिड़ विरूद्ध जयपाल सिंह आदि

वास्ते :

1. आनंद कुमार पुत्र श्री मना लाल ब्राह्मण निवासी प्रतिभा नगर, चूरू
2. ओंकारमल पुत्र श्री मना लाल ब्राह्मण निवासी प्रतिभा नगर, चूरू
3. दुर्गा देवी पत्नी श्री मना लाल ब्राह्मण निवासी प्रतिभा नगर, चूरू
4. बुधरमल पुत्र श्री मना लाल ब्राह्मण निवासी प्रतिभा नगर, चूरू
5. रामेश्वर लाल पुत्र श्री मना लाल ब्राह्मण निवासी प्रतिभा नगर, चूरू
6. श्रीमती नंदू देवी पत्नी स्व. श्री सांवरमल ब्राह्मण निवासी प्रतिभा नगर, चूरू

समस्त हाल निवासी, Glory Plaza, Police Bazar, Shop no BF-1, Shilong-793001

सूचित हो कि वादी सुरेन्द्र जांगिड़ ने रोही ग्राम झारिया तहसील चूरू भूमियां खसरा संख्या 459 तादादी 3.6042 हेक्टेयर, खसरा संख्या 460 तादादी 0.2908 हैक्टेयर, खसरा संख्या 548 तादादी 1.3405 हैक्टेयर एवं खसरा संख्या 549 तादादी 7.1705 हैक्टेयर कुल कीता 4 तादादी 12.4060 हैक्टेयर की बावत एक विभाजन का वाद अन्तर्गत धारा 53 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 के तहत प्रस्तुत किया है जिसकी सुनवाई 15-10-2026 दिनांक 15.10.2026 को निश्चित की गई है। यदि इस सम्बन्ध में आपको कोई ऐतराज हो अथवा अपना पक्ष रखना चाहते है तो उक्त नियत तिथि को प्रातः 10 बजे स्वंय अथवा अधिवक्ता के जरिये उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत करें यदि आप ऐसा करने में असफल रहेगें तो उक्त वाद की सुनवाई और उसका निपटारा एक पक्षीय रूप से किया जायेगा। यह आज्ञा तारीख 29.09.2026 को न्यायालय की मुद्रा लगाकर की गई।

मोहर अदालत

आज्ञा से
न्यायालय उपखण्ड अधिकारी
चूरू

शेखावाटी साहित्य संगम में मातृशक्ति से राष्ट्ररक्षा तक पर मंथन

सीकर (निसं)। पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय, सीकर के संयुक्त तत्वावधान में गुरूवार को झुंझुनूं के न्यू राजस्थान बालिका महाविद्यालय में 'शेखावाटी साहित्य संगम-2026' का आयोजन हुआ। साहित्य एवं संस्कृति के इस संगम में महिला सशक्तिकरण, मातृशक्ति के योगदान, राष्ट्रीय सुरक्षा और युवाओं की जिम्मेदारी जैसे विषयों पर वक्ताओं ने विचार रखे। कार्यक्रम के दौरान शेखावाटी की गौरवशाली परंपराओं से लेकर बदलते सामाजिक परिवेश और राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका पर गहन चर्चा हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की आराधना एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। मानसिंह, गेंदलाल, डॉ. शुचि चौहान, डॉ. रोहित जैन, शिक्षाविद् गुलजारीलाल कालेर, लोकेश एवं दुर्गावती ने दीप प्रज्वलित किया। कार्यक्रम का संचालन प्रमेंद्र कुल्हार ने किया। पहले सत्र में सुबह 10:15 बजे 'महिला सशक्तिकरण बदलाव की एक नई दिशा' विषय पर संवाद हुआ। सत्र का संचालन सरोज ने किया। शिक्षाविद् एवं सामाजिक विचारक डॉ. रोहित कुमार जैन तथा शिक्षाविद् एवं लेखिका डॉ. शुचि चौहान ने महिला उत्थान और सशक्तिकरण के विभिन्न पहलुओं पर विचार रखे।

- महिला सशक्तिकरण, शेखावाटी की गौरवशाली परंपरा और राष्ट्रीय सुरक्षा में युवाओं की भूमिका पर वक्ताओं ने विचार रखे

वक्ताओं ने शेखावाटी की मातृशक्ति के गौरवशाली इतिहास का उल्लेख करते हुए कहा कि महिलाओं ने सामाजिक, शैक्षिणक और अन्य क्षेत्रों में अपनी प्रभावी भूमिका निभाई है। वर्तमान समय में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी को समाज में सकारात्मक बदलाव का महत्वपूर्ण आधार बताया गया। सत्र में महिला सम्मान, अवसरों की समानता और समाज निर्माण में मातृशक्ति की भूमिका पर भी विचार-विमर्श हुआ। दूसरे सत्र का विषय 'रक्षा, राष्ट्रीय सुरक्षा और युवाओं की जिम्मेदारी' रहा। इसका समन्वय श्रीराम ने किया। बीएसएफ के सेवानिवृत्त आईजी मदन सिंह राठौड़ एवं सेवानिवृत्त भारतीय सेना अधिकारी कर्नल देव आनंद लोहामरोड़ ने युवाओं से संवाद करते हुए राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर जानकारी साझा की। सत्र में ऑपरेशन सिंदूर, धारा 370 हटने के बाद के हालात, भारतीय सेना में शेखावाटी के जवानों की ऐतिहासिक एवं शौर्यपूर्ण भूमिका तथा सेना में युवतियों की बढ़ती भागीदारी जैसे विषयों पर चर्चा हुई। वक्ताओं ने युवाओं को राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारियों और राष्ट्रीय सुरक्षा के महत्व से अवगत कराया। आयोजन टोली के सदस्य राहुल सिंह कबीरसर ने बताया कि झुंझुनूं के बाद शेखावाटी साहित्य संगम का आयोजन 9 से 11 अक्टूबर तक सीकर में होगा। उन्होंने बताया कि 9 अक्टूबर को राजस्थान के राज्यपाल कार्यक्रम में शामिल होंगे।

ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर कांग्रेस का प्रदर्शन

चिड़ावा (निसं)। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन गुरुवार को चिड़ावा में भी देखने को मिला। राहुल गांधी, प्रियंका वाड्रा सहित कांग्रेस एवं इंडिया गठबंधन के नेताओं के साथ कथित दुर्व्यवहार के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उपखंड कार्यालय परिसर में प्रदर्शन किया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग करते हुए केंद्र सरकार और भाजपा के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन का नेतृत्व पिलानी विधानसभा क्षेत्र के विधायक पितराम सिंह काला, चिड़ावा पालिकाध्यक्ष सुमित्रा सैनी एवं पूर्व प्रधान शेर सिंह नेहरा ने किया। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि लोकतांत्रिक तरीके से अपनी आवाज उठाने वाले प्रदर्शनकारियों के साथ मारपीट एवं गलत व्यवहार किया जाना लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए गंभीर चिंता का विषय है।

वक्ताओं ने चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता को लेकर सवाल उठाते हुए वोटों की चोरी के आरोप लगाए और केंद्र सरकार की नीतियों पर जमकर निशाना साधा।

उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में जनता के मत की स्वतंत्रता और उसकी विश्वसनीयता सर्वोच्च है। यदि चुनाव प्रक्रिया को लेकर जनता के मन में संदेह पैदा हो रहा है तो सरकार और चुनाव आयोग को इसका जवाब देना चाहिए। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि विपक्ष की आवाज को दबाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने इसे लोकतंत्र की हत्या बताते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के तत्काल इस्तीफे की मांग की।

प्रपत्र सं. 7 (देखिए नियम 21)

कार्यालय सहायक आयुक्त (द्वितीय) देवस्थान विभाग, जयपुर

राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को (नाम, वर्णन तथा निवास स्थान)

मुकदमा नं. 229/2026

चूंकि प्रार्थी श्री निरंजन सिंह पुत्र श्री रिछपाल सिंह निवासी 10/170 मिग बी, न्यू हाऊसिंग बोर्ड, पुलिस लाईन के पास झुंझुनूं जिला झुंझुनूं राजस्थान ने सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत समग्र विकास संस्थान झुंझुनूं तहसील झुंझुनूं जिला झुंझुनूं राजस्थान के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।

अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हों प्रस्तुत करें।

और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नही की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 07.10.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय की मोहर के अधीन जारी किया गया।

आइंदा तारीख पेशी- 15.12.2026

सहायक आयुक्त (द्वितीय)
देवस्थान विभाग, जयपुर

संत की मौत में हत्या का मामला दर्ज एवं जांच शुरू

रतनगढ़ (निसं)। रतनगढ़ तहसील के गांव सांगासर में दो संतों के बीच हुए विवाद के बाद एक संत की मौत के मामले में गुरुवार को करीब 50 घंटे बाद शव को समाधि से बाहर निकालकर जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया। मृतक के परिजनों की रिपोर्ट पर पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

- संत की मौत के मामले में 50 घंटे बाद समाधि से शव निकाला, शव को समाधि से बाहर निकालकर जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया

पुलिस के अनुसार हरियाणा के सिरसा जिले के धौलपालिया निवासी हंसराज ने रिपोर्ट दी कि उसका भाई बन्नानाथ वर्ष 2004 में संन्यास लेकर साधु बन गया था। वह रावतसर स्थित बालकनाथ के आश्रम में रह रहा था। बाद में उसे सांगासर स्थित बजरंगनाथ के पास छोड़ दिया गया। परिजनों का संपर्क नहीं होने पर जानकारी जुटाई गई तो बन्नानाथ की मौत होने की बात सामने आई। रिपोर्ट में मारपीट कर हत्या करने तथा बिना परिजनों को सूचना दिए शव को समाधि देने का आरोप लगाया गया है। पुलिस ने बालकनाथ, बजरंगनाथ, मुकेशनाथ, लूणनाथ, लक्ष्मीनारायण सहित अन्य के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया है। शव निकालने की मांग को लेकर बुधवार को ग्रामीणों ने सालासर सड़क मार्ग पर जाम भी लगाया था। पुलिस की समझाइश के बाद जाम खुलवाया गया।

ऑस्ट्रेलिया-यूके के पार्सल का झांसा, 8.07 लाख की साइबर ठगी

बिसाऊ (निसं)। विदेश से पार्सल आने और उसे एयरपोर्ट-कस्टम में पकड़े जाने का डर दिखाकर लाखों रूपए की साइबर ठगी करने वाले गिरोह के खिलाफ बिसाऊ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने दो अलग-अलग साइबर ठगी के मामलों में असम और बिहार से तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दोनों मामलों में आरोपियों ने व्हाट्सएप कॉल के जरिए विदेश से पार्सल भेजने तथा कस्टम, इनकम टैक्स और सीबीआई की कार्रवाई का भय दिखाकर पीड़ितों से कुल 8 लाख 7 हजार 600 रूपए ऑनलाइन ट्रांसफर करवाए थे। कार्रवाई पुलिस अधीक्षक झुंझुनूं कावेन्द्र सिंह सागर के निर्देश पर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुख्यालय देवेंद्र सिंह राजावत के मार्गदर्शन तथा वृताधिकारी झुंझुनूं ग्रामीण नरेश कुमार के सुपरविजन में की गई। थानाधिकारी उमाशंकर के नेतृत्व में गठित टीम ने साइबर ठगी के मामलों की पड़ताल करते हुए आरोपियों तक पहुंच बनाई।

- बिसाऊ पुलिस ने असम-बिहार तक दबिश देकर तीन साइबर ठगों को दबोचा, ठगी के मामले में पूछताछ जारी की

पहले मामले में महनसर निवासी शीशराम ने 6 अगस्त को बिसाऊ थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट के अनुसार 3 अगस्त को उसकी पत्नी के मोबाइल पर एक व्यक्ति ने व

मैंने तत्काल प्रभाव से श्रीलंका की टेस्ट टीम की कप्तानी छोड़ दी है।मेरी ईमानदार राय है कि अब यह जिम्मेदारी अगली पीढ़ी को सौंप दी जानी चाहिए। – धनंजय डी सिल्वा

श्रीलंकाई टेस्ट कप्तान, अपने संन्यास को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी — कगिसो रबाडा

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की मौजूदा विजेता दक्षिण अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ गुरुवार से डरबन में शुरू होने वाले पहले टेस्ट के लिए अपनी अंतिम एकादश घोषित कर दी है। तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा को टीम में जगह नहीं मिली है, जबकि एनरिक नॉर्टजे की टेस्ट क्रिकेट में वापसी हुई है। रबाडा चोट से उबरने और अपनी फिटनेस हासिल करने की प्रक्रिया में हैं। उन्होंने इस वर्ष मई के अंत में इंडियन प्रीमियर लीग में गुजरात टाइटंस की ओर से खेलने के बाद से किसी भी स्तर पर क्रिकेट नहीं खेला है।

क्या आप जानते हैं ?... एशियाई खेलों में 5 भारतीय खिलाड़ियों ने पदकों की हैट्रिक लगाई, जबकि 23 खिलाड़ियों ने 2-2 पदक जीते।

अंडर-19 एशिया कप में भारत-पाक 8 नवंबर को

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर। एशियन क्रिकेट काउंसिल ने अंडर-19 एशिया कप 2026 का शेड्यूल जारी कर दिया है। टूर्नामेंट 5 नवंबर से ओमान में शुरू होगा और 14 नवंबर को फाइनल खेला जाएगा। इस बार 8 टीमें खिताब के लिए उतरेंगी और सभी मुकाबले मस्कट स्थित ओमान क्रिकेट अकादमी के ग्राउंड-1 और ग्राउंड-2 पर खेले जाएंगे। भारत अपने अभियान की शुरुआत 6 नवंबर को नेपाल के खिलाफ करेगी। इसके दो दिन बाद 8 नवंबर को पाकिस्तान से मुकाबला होगा। ग्रुप स्टेज में भारत का आखिरी मैच 10 नवंबर को यूएई के खिलाफ होगा। टूर्नामेंट 50-ओवर फॉर्मेट में होगा और कुल 15 मुकाबले खेले जाएंगे। भारत को ग्रुप-ए में पाकिस्तान, यूएई और नेपाल के साथ रखा गया है। वहीं ग्रुप- बी में बांग्लादेश, अफगानिस्तान, श्रीलंका और मलेशिया शामिल हैं।

5 नवंबर को श्रीलंका-मलेशिया से शुरुआत

टूर्नामेंट का पहला मुकाबला 5 नवंबर को श्रीलंका अंडर -19 और मलेशिया अंडर -19 के बीच होगा। इसी दिन ग्रुप- बी में बांग्लादेश और अफगानिस्तान की टीमें भी आमने-सामने होंगी। दोनों मुकाबले सुबह 10:30 बजे शुरू होंगे। श्रीलंका-मलेशिया मैच ओमान क्रिकेट अकादमी ग्राउंड-2 और बांग्लादेश-अफगानिस्तान मैच ओमान क्रिकेट अकादमी ग्राउंड-1 पर खेला जाएगा।

हीरानंद बने भारतीय वुशू संघ के निर्विरोध राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

जयपुर, 8 अक्टूबर। राजस्थान वुशू संघ के अध्यक्ष एवं जयपुर निवासी हीरानंद कटारिया को भारतीय वुशू संघ का निर्विरोध राष्ट्रीय उपाध्यक्ष निर्वाचित किया गया है। मेरठ में 8 अक्टूबर को आयोजित भारतीय वुशू संघ की वार्षिक साधारण सभा में एक्ट-2025 के तहत चुनाव संपन्न हुए। चुनाव अधिकारी अजय वी. नायक की देखरेख में सभी पदों पर निर्विरोध निर्वाचन हुआ। भारतीय वुशू संघ के अध्यक्ष पद पर भूपेंद्र सिंह बाजवा, महासचिव पद पर सुहेल अहमद और कोषाध्यक्ष पद पर मुरलीधर चौधरी निर्विरोध निर्वाचित हुए। भारतीय ओलंपिक संघ के ऑब्जर्वर के रूप में अमिताभ शर्मा मौजूद रहे। कटारिया के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनने पर राजस्थान वुशू संघ के मुख्य संरक्षक विनोद सिंह शेखावत, संरक्षक राजाराम मील, गोपाल सैनी, राजकुमार शर्मा, भगवान सहाय जाटवा, चेयरमैन के.सी. घुमरिया, महासचिव ममता वर्मा, कोषाध्यक्ष विजय सिंह शेखावत सहित संघ के पदाधिकारियों ने बधाई दी।

सीनियर पुरुष राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए 18 सदस्यीय टीम घोषित

जयपुर, 8 अक्टूबर। झांसी (उत्तर प्रदेश) में आयोजित होने वाली 16वीं हॉकी इंडिया सीनियर पुरुष राष्ट्रीय प्रतियोगिता में राजस्थान की टीम दमखम दिखाएगी। हॉकी राजस्थान के अध्यक्ष महिपाल सिंह ने बुधवार को प्रतियोगिता के लिए राजस्थान की टीम की घोषणा की।अलवर के मनीष चौधरी को टीम की कमान, जबकि हनुमानगढ़ के लवीश को उपकप्तान बनाया गया है। हॉकी राजस्थान के महासचिव देवेन्द्र सिंह शेखावत ने बताया कि टीम में लवीश, कुणाल कोंडल, अनुराग सुथार, मयूर टांक, साहिल राजोरिया, हरप्रीत सिंह, शैलेश पंचोली, अंकित रावत, गौरव भारद्वाज, मनीष गहलोत, आमिर, पवन कुमार यादव, हर्षवर्धन सिंह, नवीन, पुनीत, महिपाल सिंह, मनीष चौधरी और अभिषेक श्रोत्रिय को शामिल किया गया है। टीम के कोच रीतेश सैनी और मैनेजर चंद्रांश शर्मा होंगे।

पीयूष की घातक गेंदबाजी, देवेंद्र शेखावत क्रिकेट क्लब ने जीता मुकाबला

जयपुर, 8 अक्टूबर। अंडर-14 मानसून कप क्रिकेट प्रतियोगिता में देवेंद्र शेखावत क्रिकेट क्लब ने जानकीनंदन क्रिकेट अकादमी को 86 रन से हराकर मुकाबला अपने नाम किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए देवेंद्र शेखावत क्रिकेट क्लब ने 37.5 ओवर में 191 रन बनाए। लोकेश ने 43 और आयुष प्रजापत ने 42 रन की उपयोगी पारियां खेलीं। जानकीनंदन क्रिकेट अकादमी की ओर से फरदान अली ने तीन विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी जानकीनंदन क्रिकेट अकादमी की टीम 36.2 ओवर में 105 रन पर ऑलआउट हो गई। युवराज ने सर्वाधिक 28 रन बनाए। देवेंद्र शेखावत क्रिकेट क्लब की ओर से पीयूष सैनी और मुदित मीणा ने तीन-तीन विकेट लेकर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। शानदार गेंदबाजी के लिए पीयूष सैनी को मैन ऑफ द मैच चुना गया।

भुवनेश्वर कुमार की टीम इंडिया में वापसी

सितांशु कोटक ने अनुभव और आईपीएल फॉर्म को बताया वजह

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर। सहायक कोच सितांशु कोटक ने बृहस्पतिवार को यहां कहा कि भुवनेश्वर कुमार के अपार अनुभव और पिछले दो आईपीएल सत्र में उनकी शानदार फॉर्म ने उन्हें न्यूजीलैंड सीरीज के लिए भारत की टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम में वापस जगह दिलाई है। छत्तीस वर्षीय अनुभवी तेज गेंदबाज आखिरी बार नवंबर 2022 में न्यूजीलैंड सीरीज में भारत के लिए खेले थे। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के लिए शानदार प्रदर्शन के बाद भुवनेश्वर ने राष्ट्रीय टीम में वापसी की। उन्होंने 2025 और 2026 में आरसीबी की लगातार खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने इन दो सत्र में 45 विकेट लिए थे (2025 में 17 और 2026 में 28)। भारतीय टीम वेस्टइंडीज के खिलाफ जारी पांच मैच की सीरीज के बाद न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज खेलेगी। कोटक ने संकेत दिया कि चयनकर्ताओं को शायद युवा गेंदबाजी ग्रुप में अनुभव जोड़ने की जरूरत महसूस हुई होगी। कोटक ने यहां वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच की पूर्व संध्या पर मीडिया से बातचीत में कहा, ''चयनकर्ताओं पर निर्भर करता है। लेकिन मैं आपको अपनी सोच के आधार पर जवाब दे सकता हूं।

आर्कटिक ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंची पी.वी. सिंधु, तन्वी शर्मा बाहर

वांता (फिनलैंड), 8 अक्टूबर। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने गुरुवार को जापान की रिको गुंजी को हराकर आर्कटिक ओपन के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया, जबकि तन्वी शर्मा को शीर्ष वरीयता प्राप्त थाईलैंड की रत्चानोक इंतानोन के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा।

छठी वरीयता प्राप्त सिंधु ने गुंजी के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करते हुए 21-9, 21-12 से आसान जीत दर्ज की। अब क्वार्टर फाइनल में उनका सामना शीर्ष वरीयता प्राप्त इंतानोन से होगा। इस मुकाबले की विजेता खिलाड़ी सेमीफाइनल में जगह बनाएगी।

इंतानोन ने दूसरे दौर के मुकाबले में तन्वी शर्मा को 21-18, 21-7 से हराया। तन्वी ने पहले गेम में चुनौती पेश की, लेकिन दूसरे गेम में इंतानोन ने दबदबा बनाते हुए सीधे गेम में मुकाबला अपने नाम कर लिया।

सिंधु और इंतानोन के बीच आमने-सामने के रिकॉर्ड में थाई खिलाड़ी का पलड़ा भारी है। दोनों के बीच अब तक 14 मुकाबले हुए हैं, जिनमें इंतानोन ने 10 और सिंधु ने चार मुकाबले जीते हैं। दोनों खिलाड़ियों की पिछली भिड़ंत 2022 में इंडोनेशिया मास्टर्स में हुई थी, जहां इंतानोन ने सिंधु को 21-12, 21-10 से हराया था।

बीसीसीआई के मुख्य चयनकर्ता पद से हटे अगरकर

भारत की सफलता का श्रेय अगरकर और सिलेक्शन कमेटी को : चेतन

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर। भारत के पूर्व क्रिकेटर चेतन शर्मा ने अजीत अगरकर को बधाई दी, जब 4 अक्टूबर को बीसीसीआई की सीनियर पुरुष चयन समिति के चेयरमैन के तौर पर उनका कार्यकाल आधिकारिक रूप से समाप्त हो गया। गौरतलब है कि अगरकर ने जुलाई 2023 में यह जिम्मेदारी संभाली थी और उन्होंने कार्यकाल बढ़ाने की मांग नहीं की थी। चेतन शर्मा, जो खुद बीसीसीआई सिलेक्शन कमिटी के चेयरमैन रह चुके हैं, ने अजीत अगरकर के कार्यकाल की तारीफ़ की। उन्होंने भारत की सफलता का श्रेय अगरकर और सिलेक्शन कमिटी को दिया और एक शानदार कार्यकाल के बाद यह पद छोड़ने पर उन्हें बधाई दी। मैं कहूंगा कि अजीत ने बहुत अच्छा काम किया है। असल में यह पूरी टीम की कोशिश है। पांच सेलेक्टर होते हैं, इसलिए मैं उन सभी पांचों सेलेक्टर को बधाई देना चाहता हूं जो वहां थे, और खासकर चीफ सेलेक्टर को, जिनकी इसमें अहम भूमिका थी। मेरी शुभकामनाएं उनके साथ हैं। उन्होंने आगे कहा कि देखिए, लोग आते हैं और जाते हैं। किसी की भी कुर्सी पक्की नहीं होती, लेकिन जब आप उस कुर्सी पर होते हैं और अच्छा काम करके जाते हैं, तो बहुत खुशी होती है। इसलिए अजीत अगरकर को बधाई और मैं उन्हें उनकी अगली पारी के लिए शुभकामनाएं देता हूं, चाहे वह किसी भी क्षेत्र में हो। अगरकर के कार्यकाल में भारत ने तीन आईसीसी ट्रॉफ़ी ट्रॉफी - 2024 में आईसीसी मेन्स टी20 वर्ल्ड कप, 2025 में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफ़ी और 2026 में आईसीसी मेन्स टी20 वर्ल्ड कप।

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर वेदराल्ड के सिर में चोट, दिमाग पर असर

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर। ऑस्ट्रेलिया के ओपनर जेक वेदराल्ड के सिर में चोट लगी है। वे शेफील्ड शील्ड ट्रॉफी के पहले मैच में विक्टोरिया के खिलाफ फील्डिंग के दौरान बाउंड्री पर मेटल बोर्ड से टकरा गए। मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में बुधवार को टक्कर के बाद वेदराल्ड ठीक थे। उन्होंने दिनभर फील्डिंग भी की। लेकिन, रात में सिर की चोट गंभीर हो गई। सुबह मेडिकल टेस्ट के बाद उन्हें मैच से बाहर कर दिया गया।

खेल मंत्रालय ने आईयूएसएफ को दी राष्ट्रीय खेल महासंघ के रूप में अस्थायी मान्यता

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर। खेल मंत्रालय ने भारत में विश्वविद्यालय खेलों के विकास के लिए भारतीय यूनिस्पोर्ट्स महासंघ को अस्थायी मान्यता प्रदान कर दी है। नवगठित संस्था के लिए संबद्धता की शर्तों में ढील दी गई है। इससे भारतीय विश्वविद्यालय संघ पर प्रश्नचिह्न लग गया है जिसको प्रशासनिक खामियों के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था। आईयूएसएफ को राष्ट्रीय खेल प्रशासन अधिनियम के प्रावधानों के अनुरूप अपने संविधान में संशोधन करने और अगले छह महीनों में एफआईएसयू से मान्यता हासिल करने का निर्देश दिया गया है।

पंजाब किंग्स के हेड कोच रिकी पोंटिंग की बढ़ी चुनौती, जेम्स होप्स और ब्रैड हैडिन ने छोड़ा पद

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर। जेम्स होप्स और ब्रैड हैडिन ने इंडियन प्रीमियर लीग में पंजाब किंग्स के फ़ास्ट-बॉलिंग कोच और फ़ील्डिंग कोच के पद से इस्तीफ़ा दे दिया है। होप्स के हाल ही में क्वींसलैंड और ब्रिस्बेन हीट के हेड कोच बनने और हैडिन के न्यू साउथ वेल्स का हेड कोच बनने के बाद उनके जाने की उम्मीद पहले से ही थी।

इन इस्तीफ़ों के बाद पंजाब किंग्स के हेड कोच रिकी पोंटिंग के सामने अपने सपोर्ट स्टाफ़ में कई खाली पद भरने की चुनौती होगी। इन बदलावों के बीच, साईराज बहुतुले, जो आईपीएल 2026 में पंजाब किंग्स के स्पिन-बॉलिंग कोच थे, अब भारतीय पुरुष टीम के साथ यही भूमिका निभाने के लिए चले गए हैं। पंजाब किंग्स के लिए आईपीएल 2026 का सफ़र निराशाजनक रहा। कप्तान श्रेयस अय्यर और हेड कोच रिकी पोंटिंग की अगुवाई में टीम ने सीज़न के शुरुआती आधे हिस्से में पॉइंट्स टेबल पर दबदबा बनाए रखा-लगातार छह मैच जीते और लगभग एक महीने तक टॉप पर रही-लेकिन बाद के हिस्से में टीम का प्रदर्शन गिर गया।

शुरुआत में छह जीत, एक नो रिजल्ट और लगातार सात मैचों में बिना हारे रहने के रिकॉर्ड के साथ, पंजाब किंग्स 13 पॉइंट्स लेकर टेबल में सबसे ऊपर थी। हालाँकि, बल्ले और गेंद दोनों से खराब रणनीतिक फैसलों और कई कैच छोड़ने की वजह से टीम का फॉर्म खराब हो गया, जिससे लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ जीत दर्ज करने से पहले उन्हें लगातार छह हार का सामना करना पड़ा।

देशभर के 500 खिलाड़ी जोधपुर में खेलेंगे साइकिल पोलो

जोधपुर, 8 अक्टूबर। जोधपुर में 15 से 18 नवम्बर तक राष्ट्रीय साइकिल पोलो प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। प्रतियोगिता में देश के 20 राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों से करीब 500 खिलाड़ी, प्रशिक्षक, प्रबंधक एवं खेल अधिकारी भाग लेंगे। शिवराज सिंह के निर्देशन में आयोजित होने वाला यह आयोजन देश के सबसे बड़े साइकिल पोलो खेल आयोजनों में शामिल होगा। प्रतियोगिता में विश्व विजेता भारतीय पुरुष खिलाड़ी भी हिस्सा लेंगे।

अंडर-19 वीनू मांकड़ ट्रॉफी में राजस्थान के यथार्थ भारद्वाज का शानदार शतक

जयपुर, 8 अक्टूबर। बीसीसीआई की अंडर-23 वीनू मांकड़ ट्रॉफी में राजस्थान को मध्य प्रदेश के खिलाफ बेहद करीबी मुकाबले में 6 रन से हार का सामना करना पड़ा। राजकोट में खेले गए मुकाबले में मध्य प्रदेश ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 9 विकेट पर 351 रन बनाए। अर्णव शारदा ने 60 और सेजल भाड़े ने 51 रन बनाए। राजस्थान की ओर से अभिषेक मूंड और सुमित सैनी ने तीन-तीन तथा कुशाग्र ओझा ने दो विकेट लिए।

जवाब में राजस्थान की टीम 50 ओवर में 8 विकेट पर 345 रन ही बना सकी।यथार्थ भारद्वाज ने शानदार 119 रन की शतकीय पारी खेली, जबकि कुशाग्र ओझा ने 83 रन बनाए। अभय शर्मा और रजत बघेल ने 38-38 रन का योगदान दिया। अभिषेक मूंड 20 और सुमित सैनी 13 रन बनाकर नाबाद रहे। मध्य प्रदेश के सृजन दह्यत ने दो विकेट लिए।

सीके नायडू ट्रॉफी के लिए राजस्थान टीम घोषित

राजस्थान सीनियर चयन समिति ने राष्ट्रीय अंडर-23 सीके नायडू ट्रॉफी के लिए राजस्थान की 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है।सिकर के हिमांशु नेहरा को टीम की कमान, जबकि आयुष अमेरिया को उपकप्तान बनाया गया है। टीम में अमोल चेलानी और मीनाफ शेख विकेटकीपर के रूप में शामिल हैं। राजस्थान अपना पहला मुकाबला 12 से 15 अक्टूबर तक हिमाचल प्रदेश के खिलाफ हिमाचल प्रदेश में खेलेगा। इसके बाद 19 से 22 अक्टूबर तक जयपुर में बंगाल से मुकाबला होगा।

राजस्थान अंडर-23 टीम घोषित : हिमांशु नेहरा कप्तान, आयुष अमेरिया उपकप्तान, सौरभ गोदारा - अलवर, अमोल चेलानी (विकेटकीपर) - अलवर, दीपेंद्र सिंह - बाड़मेर, सचिन कैथ - भरतपुर, सर्वज्ञ पानेरी - भीलवाड़ा, जयवर्धन सिंह गेहलोत - भीलवाड़ा, आयुष अमेरिया (उपकप्तान) - जयपुर, पुरोहित चगन सिंह - जालोर, राजीव दुकतावा - जोधपुर, प्रणमय चपलोत - राजसमंद, पार्थ यादव - सीकर, अंकित रोहिल्ला - सीकर, हिमांशु नेहरा (कप्तान) - सीकर, करण सिंह राणावत - उदयपुर, मीनाफ शेख (विकेटकीपर) - उदयपुर।

राज्य विजेता जयपुर अंडर-17 बालिका टीम का सम्मान

जयपुर, 8 अक्टूबर। हाल ही में जोधपुर में संपन्न हुई 70वीं राज्य स्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता में जयपुर की अंडर-17 बालिका टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम किया। फाइनल मुकाबले में जयपुर की टीम ने मेजबान जोधपुर को 2-1 से पराजित कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं, अंडर-19 बालिका वर्ग में भी जयपुर टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन किया और कांस्य पदक हासिल किया। जयपुर लौटने पर विजेता अंडर-17 टीम के खिलाड़ियों का जयपुर जिला बैडमिंटन संघ द्वारा स्वागत एवं सम्मान किया गया। संघ के सचिव मनोज दासोत एवं सिलेक्शन कमेटी के वाइस चेयरमैन अतुल गुप्ता ने खिलाड़ियों का माल्यार्पण कर अभिनंदन किया। इस अवसर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली टीम की सभी खिलाड़ियों को प्रोत्साहन स्वरूप योनेक्स टी-शर्ट एवं मोमेंटो भेंट किए गए।

जयपुर अंडर-17 बालिका टीम: पर्ल पारीक, ओजस्विता दुबे, प्रियांशी चौधरी, मानसी सैनी, रक्षणदा बिष्ट। जयपुर जिला बैडमिंटन संघ के पदाधिकारियों ने खिलाड़ियों को उनकी उपलब्धि पर बधाई देते हुए भविष्य की प्रतियोगिताओं के लिए शुभकामनाएं दीं।

दिल्ली में राजस्थान के निशानेबाजों का कमाल, जीते स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक

इंडिया ओपन शॉटगन शूटिंग चैम्पियनशिप में प्रदेश के खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

जयपुर, 8 अक्टूबर। नई दिल्ली स्थित डॉ. करणी सिंह शूटिंग रेंज में 5 से 13 अक्टूबर तक आयोजित 11वीं इंडिया ओपन शॉटगन प्रतियोगिता एवं बरेटा गोल्ड कप-2026 में राजस्थान के निशानेबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कई स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक अपने नाम किए हैं। क्ले पिजन स्कीट जूनियर एवं यूथ पुरुष वर्ग में तनुज राज सिंह ने दो रजत पदक जीते, जबकि महिला स्कीट स्पर्धा में प्रमदा राठौड़ ने रजत पदक हासिल किया। क्ले पिजन ट्रैप एनआर यूथ एवं जूनियर महिला वर्ग में इनाया यादव ने स्वर्णिम प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण पदक जीते। जूनियर पुरुष ट्रैप वर्ग में युगांधर देव सिंह ने रजत तथा यूथ पुरुष वर्ग में कांस्य पदक अपने नाम किया। वहीं यूथ पुरुष वर्ग में सदव्यदक्ष ने स्वर्ण पदक जीतकर राजस्थान का गौरव बढ़ाया। पुरुष ट्रैप स्पर्धा में प्रिंस नंदवानी ने कांस्य और सूबी खान ने रजत पदक जीता। मास्टर्स पुरुष वर्ग में भवानी सिंह कालवी ने रजत तथा जितेंद्र सिंह सिसोदिया ने कांस्य पदक हासिल किया। राजस्थान राइफल एसोसिएशन ने सभी पदक विजेताओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

एशियन पैरा गेम्स में 111 से अधिक पदकों का लक्ष्य, भारतीय पैरा एथलीट्स को दिया गया विदाई संदेश

नई दिल्ली/जयपुर, 8 अक्टूबर। एशियन पैरा गेम्स 2026 के लिए भारतीय पैरा एथलीट्स के दल का विदाई समारोह नई दिल्ली स्थित आईटीसी मौर्या होटल में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। उन्होंने भारतीय खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए एशियन पैरा गेम्स में देश का गौरव बढ़ाने के लिए शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में पैरालंपिक कमेटी ऑफ इंडिया के अध्यक्ष देवेंद्र झाझरिया, डॉ. नरेंद्र सिंह, इंडिया पैरा एथलेटिक्स फेडरेशन के अध्यक्ष, एम3एम फाउंडेशन की ट्रस्टी डॉ. पायल कनोड़िया, कैप्टन एवं फ्लाइंग-बेयरर प्रमोद भगत सहित कोच, स्पोर्ट्स एडमिनिस्ट्रेटर्स और खेल मंत्रालय के अधिकारी उपस्थित रहे।

खिताब से एक कदम दूर वयम-श्रेयांष की जोड़ी

अंडर-15 डबल्स के फाइनल में कर्नाटक की जोड़ी को हराकर मचाया धमाल

जयपुर, 8 अक्टूबर। राजस्थान के वयम लाम्बा और श्रेयांष चौधरी की जोड़ी ने ऑल इंडिया सब जूनियर रैंकिंग बैडमिंटन प्रतियोगिता के अंडर-15 बालक युगल वर्ग के फाइनल में जगह बना ली। दूसरी वरीयता प्राप्त वयम-श्रेयांष ने सेमीफाइनल में कर्नाटक के तीसरी वरीयता प्राप्त गौतम एस. नायर और सिद्धार्थ एस. नायर की जोड़ी को 16-14, 15-13 से शिकस्त दी। इससे पहले क्वार्टर फाइनल में उन्होंने झारखंड के समविथ रमेश और महाराष्ट्र के आदित्य योल की जोड़ी को तीन गेम के रोमांचक मुकाबले में 15-17, 15-11, 16-14 से हराया।

एकल वर्ग में वयम लाम्बा का सफर क्वार्टर फाइनल में थम गया। तेलंगाना के छठी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी ने उन्हें 15-10, 15-13 से पराजित किया। वहीं राजस्थान के आनंद मदेरणा और युवराज सिंह की जोड़ी को भी क्वार्टर फाइनल में गौतम-सिद्धार्थ की जोड़ी ने 15-12, 15-7 से हराया। अंडर-17 मिश्रित युगल में आर्यन भट्टा और जोयल राना ने राजस्थान के अंशुमान चौधरी और महाराष्ट्र की सरायू रंजाने को 15-9, 3-15, 15-12 से मात दी।

अंडर-15 बालिका एकल में केरल की शीर्ष वरीयता प्राप्त एलिसा ने आंध्र प्रदेश की लक्ष्मी साई को 15-8, 18-16 से हराया, जबकि पंजाब की तीसरी वरीयता प्राप्त इनायत गुलाटी ने पश्चिम बंगाल की दूसरी वरीयता प्राप्त आर्यमा चक्रवर्ती को 20-21, 15-11, 15-11 से शिकस्त दी। अंडर-17 बालिका सेमीफाइनल में तमिलनाडु की लक्षा धनेश ने पंजाब की महविश कौर को 15-9, 15-8 से हराया। अंडर-15 बालक एकल के सेमीफाइनल में तमिलनाडु के लिनेश वैभव और तेलंगाना के चिन्मय वानखेड़े ने जीत दर्ज की। अंडर-17 बालक एकल में तमिलनाडु के मोहित दर्शन महेश कुमार ने तेलंगाना के श्रीचेतन शौर्य को 15-11, 15-11 से पराजित किया।

सेमीफाइनल में हारने वाले खिलाड़ियों को भारतीय हैंडबॉल संघ के सचिव एवं साउथ एशियन हैंडबॉल कमेटी के चेयरमैन तेजराज सिंह, एसडीएमएच के प्रशासनिक अधिकारी जॉर्ज थॉमस तथा राजस्थान बैडमिंटन संघ के उपाध्यक्ष एवं जिला बैडमिंटन संघ के सचिव मनोज दासोत ने पदक प्रदान किए। वयम लाम्बा और श्रेयांष चौधरी पिछले छह वर्षों से सवाई मानसिंह स्टेडियम में कोच यादवेंद्र सिंह शेखावत से प्रशिक्षण ले रहे हैं।

खाकी अब घोड़े पर सवार, पोलो के मैदान में राजस्थान पुलिस की एंट्री

उद्घाटन मैच में ब्लू टीम ने रेड को 6-2 से हराया

जयपुर, 8 अक्टूबर। राजस्थान पुलिस ने खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक और कदम बढ़ाते हुए अपनी नवगठित घुड़सवारी पोलो टीम की शुरुआत की। राजस्थान पुलिस अकादमी के हॉकी ग्राउंड में गुरुवार को आयोजित समारोह में पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा ने बॉल रोलिंग कर टीम और उद्घाटन मुकाबले का शुभारंभ किया। इसके बाद टीम रेड और टीम ब्लू के बीच प्रदर्शन मैच खेला गया, जिसमें घोड़ों की रफ्तार और खिलाड़ियों के कौशल ने दर्शकों का रोमांच बढ़ाया। टीम ब्लू ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए टीम रेड को 6-2 से हराया। डीजीपी शर्मा ने कहा कि टीम को नियमित प्रशिक्षण और सभी आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जाएंगे तथा भविष्य में विभिन्न प्रतियोगिताओं में उतारा जाएगा। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एवं मुख्य खेल अधिकारी रूपिंदर सिंह ने बताया कि टीम को नियमित अभ्यास के जरिए बड़ी प्रतियोगिताओं के लिए तैयार किया जा रहा है। समारोह में राजस्थान पुलिस ऑर्केस्ट्रा बैंड की भी शुरुआत की गई। इस अवसर पर डीजीपी यातायात मालिनी अग्रवाल, राजस्थान पोलो क्लब के सचिव दिग्विजय सिंह, पूर्व पोलो खिलाड़ी कर्नल कुलदीप सिंह सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौजूद रहे।

टेबल टेनिस : मानुष शाह और मानव ठक्कर चीन स्मैश के सेमीफाइनल में

बीजिंग, 8 अक्टूबर। भारत के मानुष शाह और मानव ठक्कर ने गुरुवार को डब्ल्यूटीटी चीन स्मैश 2026 के पुरुष युगल सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। भारतीय जोड़ी ने क्वार्टर फाइनल में चीन के लियांग जिंगकुन और शियांग पेंग को सीधे गेमों में 3-0 से हराया। दूसरी वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी ने 19 मिनट तक चले मुकाबले में 11-9, 11-5, 11-4 से जीत दर्ज की। मानुष और मानव ने मुकाबले के आगे बढ़ने के साथ अपना दबदबा बढ़ाया और लगातार तीन गेम जीतकर अंतिम चार में जगह बनाई। अब सेमीफाइनल में उनका सामना स्वीडन के एंटोन कालबर्ग और क्रिस्टियन कार्लसन तथा दक्षिण कोरिया के लिम जोंगहून और ओ जुनसोंग की जोड़ी के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से होगा। मानुष शाह गुरुवार को मिश्रित युगल सेमीफाइनल में भी उतरेंगे। वह दिया चिताले के साथ मिलकर चीनी ताइपे की लिन युन-जू और चेंग आई-चिंग की जोड़ी का सामना करेंगे।

स्टर्नहेगन का पोलो में दमदार दांव, मेफेयर को हराकर फाइनल में एंट्री

सवाई मान गार्ड कप के पहले सेमीफाइनल में 10-8 से जीत, जोशुआ स्ज़ासार ने दागे 7 गोल

जयपुर, 8 अक्टूबर। वार्षिक जयपुर पोलो सीजन 2026 के तहत खेले जा रहेसवाई मान गार्ड कप (8 गोल)में टीम स्टर्नहेगन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में प्रवेश कर लिया। पीपीसी ग्राउंड पर खेले गए पहले सेमीफाइनल में स्टर्नहेगन ने मेफेयर पोलो को रोमांचक मुकाबले में10-8 से पराजितकिया। स्टर्नहेगन की जीत के नायक डेनजोशुआ स्ज़ासाररहे, जिन्होंने अकेले7 गोलदागकर टीम को जीत दिलाई। एलन शॉन माइकल ने 2 और डीनो धनखड़ ने 1 गोल किया। टीम में अशोक चांदना भी शामिल रहे। मेफेयर पोलो की ओर से शमशीर अली ने 7 और हुर्र अली ने 1 गोल किया। टीम में लोकेंद्र सिंह धीरावत और प्रताप सिंह कानोता भी खेले। आज रात दूसरा सेमीफाइनल : सवाई मान गार्ड कप का दूसरा सेमीफाइनल'इवोक 2026' एग्जीबिशन मैचके रूप में शुक्रवार को राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर रात 7 बजे खेला जाएगा। इसमें टीम जयपुर और टीम नेवी पोलो आमने-सामने होंगी। टूर्नामेंट का फाइनल शनिवार, 10 अक्टूबर को शाम 7 बजे राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर फ्लडलाइट्स में होगा।

उदयपुर की दीर्घकालीन जल सुरक्षा की महत्वपूर्ण कड़ी है, देवास तृतीय व चतुर्थ- भजनलाल

देवास-चतुर्थ के तहत 390 एमसीएफटी क्षमता के बांध तथा 4.15 किमी लंबी टनल का निर्माण हो रहा है

जयपुर, 8 अक्टूबर। उदयपुर की दीर्घकालीन जल सुरक्षा की दिशा में बेहद अहम, देवास परियोजना के तृतीय और चतुर्थ चरण के अन्तर्गत बांध एवं टनल का निर्माण कार्य तेजी से जारी है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के दूरदर्शी नेतृत्व में इस अंतर-बेसिन जल हस्तांतरण परियोजना के अन्तर्गत, साबरमती बेसिन का जो अमूल्य जल व्यर्थ बहकर अरब सागर में चला जाता था, उसे बनास बेसिन की ओर अपवर्तित कर उदयपुर की जल व्यवस्था से जोड़ने का अभिनव प्रयोग किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

देवास-चतुर्थ परियोजना के अंतर्गत, गोगुंदा तहसील के अंबावा गांव के पास 390 एमसीएफटी क्षमता के बांध तथा 4.15 किलोमीटर लंबी टनल का निर्माण किया जा रहा है। यहां से जल का अपवर्तन देवास-तृतीय परियोजना की ओर किया जाएगा। इसी प्रकार नाथियाथल गांव के पास 703 एमसीएफटी क्षमता के देवास-तृतीय बांध का निर्माण किया जा रहा है। इस बांध से जल को 10.50 किलोमीटर लंबी टनल के माध्यम से मौजूदा देवास-द्वितीय (आकोदड़ा बांध) तक आवश्यकतानुसार पिछोला झील में अपवर्तित किया जाएगा।

इस परियोजना के तृतीय एवं चतुर्थ चरण से उदयपुर शहर के लिए प्रतिवर्ष लगभग 1000 एमसीएफटी अतिरिक्त जल उपलब्ध होगा। इससे शहर की बढ़ती पेयजल आवश्यकता को पूरा करने के साथ ही, पिछोला एवं फतहसागर झीलों में जल स्तर बनाए रखने में भी सहायता मिलेगी। साथ ही, इससे पर्यटन गतिविधियों, ईको-टूरिज्म से जुड़ी आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा।

राज्य सरकार के संवेदनशील निर्देशों के क्रम में परियोजना से प्रभावित परिवारों को निकटस्थ ही पुनर्वासित करने के प्रयास किये जा रहे हैं। इन परिवारों के लिए आवासीय भूखंड एवं आवश्यक मूलभूत सुविधाओं की सुविधा भी सुनिश्चित की जा रही है, ताकि उनका सुरक्षित एवं व्यवस्थित पुनर्वास हो सके।

उल्लेखनीय है कि उदयपुर की जल सुरक्षा के लिए 1974 में देवास का प्रथम चरण शुरू हुआ था। इसके बाद देवास-द्वितीय वर्ष 2015 में पूर्ण हुआ, जिसके अंतर्गत आकोदड़ा बांध एवं सुरंग प्रणाली के माध्यम से गुरूत्व प्रभाव द्वारा जल को उदयपुर की पिछोला झील तक पहुंचाने की व्यवस्था विकसित हुई। इसी दीर्घकालीन जल सुरक्षा की महत्वपूर्ण कड़ी देवास-तृतीय एवं देवास-चतुर्थ परियोजनाएं हैं।

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बताया कि देवास के तृतीय व चतुर्थ चरण से उदयपुर शहर के लिए प्रति वर्ष लगभग 1000 एमसीएफटी अतिरिक्त जल उपलब्ध होगा। इससे शहर की बढ़ती पेयजल आवश्यकता की पूर्ति के लिए पिछोला एवं फतह सागर झीलों में जल स्तर बनाए रखने में सहायता मिलेगी।**

गुरुग्राम का ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अधिकारी रिंकू दुग्गा का तबादला अरुणाचल प्रदेश कर दिया गया था।

दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम के खिलाड़ियों ने भी वहां होने वाले संगीत कार्यक्रमों के कारण अभ्यास में बार-बार होने वाली परेशानी की शिकायत की है। अक्टूबर 2024 में दिलजीत दोसांझ के कन्सर्ट के बाद एथलेटिक्स ट्रैक 10 दिनों तक बंद रहा। इस दौरान सफाई और मरम्मत का काम चलने के कारण, खिलाड़ियों को वॉर्म-अप ट्रैक पर अभ्यास करना पड़ा।

2025 में यह मामला फिर सामने आया, जब खिलाड़ियों और कोचों ने स्टेडियम के इस्तेमाल को लेकर स्पष्टता मांगी, क्योंकि उस समय स्टेडियम को ट्रैविस स्कॉट के कन्सर्ट के लिए तैयार किया जा रहा था। लगातार मिल रही शिकायतों के बाद, स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इण्डिया ने जेएलएन स्टेडियम में गैर-खेल आयोजनों के लिए सख्त स्टैण्डर्ड ऑपरेटिंग प्रोजीजर एस.ओ.पी. लागू किए। इनमें यह सुनिश्चित करने के प्रावधान भी शामिल थे कि ऐसे आयोजनों से खिलाड़ियों के अभ्यास या प्रतियोगिताओं पर असर न पड़े।

'पुरानी भारतीय कम्पनियाँ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ऑथराइज़ेशन के साथ यूनिफाइड लाइसेंस हैं: स्टारलिंक सैटेलाइट कम्युनिकेशंस, जियो सैटेलाइट कम्युनिकेशंस और वनवैब इंडिया कम्युनिकेशंस (भारती समर्थित यूटेलसैट वनवैब)। लाइसेंस की शर्तों के तहत, यूज़र्स और डेटा की सुरक्षा के लिए तीनों कंपनियों की सुरक्षा जांच एक साथ चल रही है। जांच पूरी होने के बाद हर कंपनी स्पेक्ट्रम आवंटन के लिए आवेदन कर सकती है। अभी तक किसी ने यह प्रक्रिया पूरी नहीं की है, इसलिए कोई भी कमर्शियल तौर पर लॉन्च नहीं कर सकता। तकनीकी रूप से, ये तीनों अंतरराष्ट्रीय या हाइब्रिड कंपनियां मुख्य रूप से लो-अर्थ-ऑर्बिट (एलईओ) सिस्टम पर निर्भर हैं। इनकी डेटा पहुंचने की गति पारंपरिक जियोस्टेशनरी सैटेलाइट की तुलना में बेहतर होती है। स्टारलिंक सबसे बड़ा सैटेलाइट नेटवर्क संचालित करता है। इसके हजारों सैटेलाइट लगभग 480 से 570 किलोमीटर की ऊंचाई पर हैं। यह आम तौर पर 25 से 220 एमबीपीएस की इंटरनेट स्पीड देता है। इसमें सैटेलाइट के बीच लेजर लिंक और छोटे यूजर टर्मिनल हैं, जो डायरैक्ट-टु-होम इस्तेमाल के लिए उपयुक्त हैं।

वनवैब एक छोटा एलईओ फ्लीट (लगभग 1200 कि.मी. की ऊँचाई पर 650 सैटेलाइट्स) ऑपरेट करता है, जिसे मुख्य रूप से एंटरप्राइज, समुद्री, एविएशन और सरकारी इस्तेमाल के लिए ऑप्टिमाइज़ किया गया है: इसमें मास मार्केट टर्मिनल्स पर कम ज़ोर दिया गया है। जियो सैटेलाइट, जो शुरु में एसईएस की मल्टी-ऑर्बिट क्षमता (एमईओ सहित) का इस्तेमाल कर रहा है, लगभग 650 कि.मी. की ऊँचाई पर करीब 1600 सैटेलाइट्स का एक स्वदेशी एलईओ कॉन्स्टलेशन विकसित कर रहा है, जिसका लक्ष्य पूरे भारत में बड़ी क्षमता वाली सेवा देना है।

तीनों एलईओ तकनीकें पुराने जीईओ सिस्टम से कहीं बेहतर हैं। इसलिए, सैटेलाइट ब्रॉडबैंड को, जमीनी ब्रॉडबैंड का पूरी तरह से विकल्प मानने के बजाय, मुख्य रूप से ग्रामीण, दूरदराज और आपदा संभावित क्षेत्रों के लिए मौजूदा इंटरनेट सेवाओं के पूरक के रूप में देखा जा रहा है।

यह विवाद दिखाता है कि घरेलू प्रतिस्पर्धा के बीच भारत विदेशी सैटेलाइट सिस्टम को लेकर सावधानी से आगे बढ़ रहा है। जब तक सुरक्षा जांच पूरी नहीं होती और स्पेक्ट्रम आवंटित नहीं किया जाता, तब तक सभी लाइसेंसधारकों की व्यावसायिक सेवा शुरू करने पर रोक रहेगी।

नाहरगढ़ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ले चुका था और इसके बाद 20 हजार रुपए की मांग कर रहा था। वहीं, शिवकिशोर 30 हजार रुपए मांग रहा था। शिकायत के सत्यापन के बाद पुलिस अधीक्षक एसीबी जयपुर पीयूष दीक्षित के सुपरविजन में टीम गठित की गई। टीम ने गुरुवार को ट्रेप कार्रवाई करते हुए, श्याम सिंह को 20 हजार और शिवकिशोर को 30 हजार रुपए रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया।

जेडीए आयुक्त और उपायुक्त ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अधिकारियों को गिरफ्तार कर 12 अक्टूबर को पेश किया जाए। आयोग ने ये आदेश कृष्णा के अवमानना परिवाद पर सुनवाई करते हुए दिए।

परिवाद से जुड़े अधिवक्ता उमेश श्रृंगी ने बताया कि परिवादी ने जेडीए की निलय कुंज आवास योजना में आवेदन किया था, जिसकी लॉटरी में उसे भूखंड संख्या 454 आवंटित किया गया, लेकिन एक साल में भी भूखंड का कब्जा नहीं देने पर परिवादी ने जिला उपभोक्ता आयोग पर परिवाद पेश किया। चार साल की सुनवाई के बाद साल 2016 में उपभोक्ता आयोग ने जेडीए को आदेश दिए कि वह परिवादी को आवंटित भूखंड का कब्जा पत्र जारी करे। इस आदेश को जेडीए ने पहले राज्य आयोग और उसके बाद नेशनल कमीशन सहित, सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी, लेकिन किसी स्तर पर जेडीए को राहत नहीं मिली। दूसरी ओर, आदेश की पालना नहीं होने पर परिवादी की ओर से साल 2020 में जिला आयोग के समक्ष अवमानना याचिका पेश कर कार्रवाई की गुहार की गई। परिवादी के अधिवक्ता ने बताया कि आयोग ने जिस भूखंड संख्या 454 को आवंटित करने करने का आदेश दिया था, जेडीए ने उसे किसी अन्य व्यक्ति को आवंटित कर दिया। इसके बाद परिवादी को भूखंड संख्या 194 आवंटित करने का आश्वासन दिया, लेकिन इसे भी बाद में किसी अन्य व्यक्ति को आवंटित कर दिया। वहीं परिवादी को निलय कुंज योजना फेज-द्वितीय में भूखंड संख्या 7 आवंटित किया गया। जिसकी संपूर्ण राशि परिवादी ने जमा करा दी, लेकिन जेडीए ने उसकी आगे से चौडाई को काटकर स्वरूप ही बदल दिया, जिससे परिवादी को वास्तविक व पूर्ण कब्जा प्राप्त नहीं हो सका।

भारी मुनाफे के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

था। इसके बाद विदेश में कारोबार होने और भारी मुनाफा दिलाने का झांसा देकर मुंह-मांगे दाम पर बड़ी मात्रा में कीमती पत्थर खरीद लेता था। माल हासिल करने के बाद उसे सस्ते दाम में बेच देता और प्राप्त राशि का कुछ हिस्सा व्यापारी को देकर शेष रकम अपनी अय्याशी, महंगी पार्टियों और विदेश यात्राओं पर खर्च करता था।

थानाधिकारी छगन डांगी ने बताया कि अमृतपुरी, एलेक्जेंडर कॉलोनी निवासी व्यापारी शुजात अंसारी पुत्र मोहम्मद इस्लाम ने आदर्श नगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि रामगंज निवासी अलजेब खान उससे तुरमलीन स्टोन, पन्ना, तंजानाइट और सुनहेला जैसे कीमती पत्थर खरीदता था। आरोपी ने अच्छा मुनाफा देने का झांसा देकर व्यापारी से करीब 1 करोड़ 61 लाख रुपए के कीमती पत्थर खरीद लिए और बाद में ठगी कर फरार हो गया। इस मामले की गंभीरता को देखते हुए विशेष टीम गठित की गई। टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है कि उसने व्यापारी से ठगे गए कीमती पत्थर किन लोगों को और कितनी कीमत में बेचे।

फिल्म अभिनेता नाना पाटेकर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हस्तियों ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए, उनके निधन को अपूरणीय क्षति बताया है। नाना के करीबी मित्र गणेश थोराट ने बताया कि पुणे के बाहरी इलाके में स्थित फार्महाउस में नाना का अंतिम संस्कार किया जाएगा। नाना का असली नाम विश्वनाथ पाटेकर था। उनका जन्म 1 जनवरी 1951 को महाराष्ट्र के मुरुड-जंजीरा में हुआ था। उन्होंने मुंबई के प्रसिद्ध सर जेजे इंस्टीट्यूट ऑफ एप्लाइड आर्ट से पढ़ाई की। फिल्मों में आने से पहले उन्होंने थिएटर में अपनी पहचान बनाई और आगे चलकर हिंदी तथा मराठी सिनेमा के दिग्गज कलाकार बने। उन्होंने अभिनय के साथ निर्देशन और लेखन में भी हाथ आजमाया। अपने शानदार अभिनय के लिए उन्हें तीन राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों सहित, कई प्रतिष्ठित सम्मानों से नवाजा गया। वर्ष 2013 में उन्हें पद्मश्री से अलंकृत किया गया था।

परिंदा, क्रांतिवीर, अग्निसाक्षी, तिरंगा, अब तक छप्पन, वेलकम और नटसम्राट जैसी फिल्मों में उनके यादगार किरदार हमेशा याद किए जाएंगे।

जयपुर कलैक्टर दो साल से सूरज मैदान ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विवाद को लेकर पेश अभ्यावेदन पर दो साल से निर्णय क्यों नहीं किया गया। जस्टिस महेन्द्र गोयल और जस्टिस भुवन गोयल की खंडपीठ ने यह आदेश पत्रकार कॉलोनी व श्रीराम एरिया विकास समिति की ओर से दायर अपील पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने अपने आदेश में स्पष्ट किया है कि यदि कलेक्टर की अध्यक्षता में गठित पीएलपीसी की ओर से इस संबंध में लिया गया निर्णय पेश कर दिया जाता है तो कलेक्टर को पेश होने की जरूरत नहीं है। सुनवाई के दौरान, एएजी भुवनेश शर्मा की ओर से मामले में पब्लिक लैंड प्रोटेक्शन सेल की ओर से लिए गए निर्णय को पेश करने के लिए समय मांगा गया। इस पर अदालत ने समय देते हुए निर्णय पेश नहीं करने पर कलेक्टर को तलब किया है। अपील में अदालत को बताया गया कि तत्कालीन यूआईटी ने आदर्श नगर योजना बनाते समय यहां पार्क के लिए आरक्षित जगह छोड़ी थी। वहीं जेडीए के अस्तित्व में आने के बाद, इस जगह को खेल मैदान घोषित कर दिया गया। आदर्श नगर को जयपुर नगर निगम को हस्तांतरित किये जाने के बाद इस जगह का स्वामित्व निगम के पास आ गया। इस सूरज मैदान से सटा आदर्श विद्या मंदिर स्कूल है, जो अपने विद्यार्थियों के खेलकूद के लिए इस मैदान का उपयोग करने लगा। स्कूल की प्रबंध समिति अब बिना किसी अधिकार और स्वामित्व के इस मैदान को शादियों और व्यावसायिक इवेंट के लिए दे रही है और इसके बदले समिति भारी धनराशि चंदे के रूप में ले रही है।

'चुनाव आयोग ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

और "अराजक तत्वों" को बढ़ावा मिल सकता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि "लोकतंत्र की असली ताकत जनता का भरोसा ही है।

Creative Visualisation. Images used are for illustration purposes only. Applicable T&C available at the nearest dealership. #543 km range: Certified range; actual results may vary by driving conditions and usage. Assured buyback plan is available on payment basis with the option of 3 years/ 45 000 km or 4 years/60 000 km ownership plans (whichever is earlier). The program is offered through an insurance company. e VITARA comes with standard warranty of 3 years or 1 00 000 km (whichever is earlier) with an option of extending the same on payment basis to 5 years or 1 40 000 km (whichever is earlier), and service activated coverage for 6th to 8th year for EV related components. *The Booking Bonanza Offer / Special Bonanza Offer is applicable on bookings made until 10th October 2026 and invoicing of vehicles completed till 20th October 2026 on select variants. Offers and their related terms may vary, are subject to availability of stock, and are valid for a limited period. Maruti Suzuki reserves the right to modify, withdraw or discontinue any offer at any time without prior notice. **₹10.99 lakh (ex-showroom) price for e VITARA Delta. Battery EMI: ₹3.99/km (subject to applicable financier terms). Taxes and other applicable statutory charges are extra.

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2009/28296 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालौर कार्यालय :- प्लाट नम्बर H1-4, इन्डस्ट्रीयल एरिया फैस प्रथम, जालौर, (राज.) फोन नम्बर 226422, 226423, जालौर। फैक्स: 02973-226424, हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600